■ डेटा सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी याचिका पर आरबीआई और केंद्र से जवाब-तलब
- 7

■ ग्रोक मामले में एक्स की रिपोर्ट की जांच करेगा आईटी मंत्रालय
- 10

■ दूसरे देश भारत को सलाह देने की बजाय अपने यहां हिंसा पर दें ध्यान
- 11

■ हरमनप्रीत कौर ने कहा- मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता
- 12

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
4.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.06
सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 8 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 339, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

शिमला की सैर

शिमला में इन दिनों पर्यटकों की भीड़ है, बुधवार को लक्कर बाजार में एक आइस स्केटिंग रिंक पर स्केटिंग करते लोग।

असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने का आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मुख्यमंत्री योगी ने परीक्षा में अनियमितता, धांधली और अवैध धन वसूली की रिपोर्ट पर की कार्रवाई

● शिक्षा सेवा चयन आयोग को जल्द पारदर्शी ढंग से परीक्षा कराने का निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर भर्ती परीक्षा को निरस्त करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई अप्रैल 2025 में आयोजित परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं, धांधली और अवैध धन वसूली की जांच के बाद दी गई रिपोर्ट पर की गई है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारियों के मुताबिक नकल माफिया के विरुद्ध अभिसूचना संकलन के दौरान यूपी एसटीएफ को शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से विज्ञापन संख्या–51 के अंतर्गत असिस्टेंट प्रोफेसर (सहायक आचार्य) पद के लिए अप्रैल 2025 में आयोजित की गई परीक्षा में अनियमितताओं, धांधली और अवैध धन वसूली की गंभीर सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर मामले की गोपनीय जांच कराई गई। 20 अप्रैल 2025 को एसटीएफ ने 16 व 17 अप्रैल 2025 को आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के तीन अभियुक्तों महबूब अली, बैजनाथ पाल और विनय पाल को गिरफ्तार किया। इन पर परीक्षा में धांधली और अवैध धन वसूली के आरोप हैं।

इस संबंध में थाना विभूतिखंड, जनपद लखनऊ में बीएनएस की विभिन्न धाराओं में अभियोग दर्ज कराया गया। जांच में निष्पक्षता और गोपनीयता रखने के उद्देश्य से तत्कालीन आयोग अध्यक्ष से त्यागपत्र भी लिया गया, क्योंकि मुख्य अभियुक्त महबूब अली निवर्तमान अध्यक्ष का गोपनीय सहायक था। पूछताछ में अभियुक्त महबूब अली ने स्वीकार किया कि उसने मॉडरेशन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्र निकालकर कई अभ्यर्थियों को धन लेकर उपलब्ध कराए। उसकी स्वीकारोक्ति की पुष्टि एसटीएफ की ओर से की गई गहन विवेचना और डेटा विश्लेषण से हुई है। जांच में गिरफ्तार अभियुक्तों और उनसे जुड़े अभ्यर्थियों के मोबाइल नंबरों के डेटा विश्लेषण और मुखबिर तंत्र से मिली सूचनाओं के आधार पर अन्य संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी सामने आए। आयोग से संदिग्ध अभ्यर्थियों का डेटा मंगाकर मिलान करने पर यह स्पष्ट हुआ कि परीक्षा की शुचिता भंग हुई है।

भर्तियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने को सरकार प्रतिबद्ध

परीक्षा में अनियमितता, धांधली और अवैध धन वसूली के तथ्यों के आधार पर मुख्यमंत्री योगी ने असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने का आदेश दिया। साथ ही उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को निर्देश दिया है कि उक्त परीक्षा का आयोजन शीघ्रातिशीघ्र, पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया की पवित्रता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

देश का पहला ए321 एक्सएलआर विमान इंडिगो के बेड़े में शामिल

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो के बेड़े में देश का पहला ए321एक्सएलआर विमान बुधवार को शामिल हो गया। लंबी दूरी की उड़ान भरने में सक्षम एयरबस कंपनी का यह विमान बुधवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। कंपनी इसका परिचालन मुंबई–एथेंस मार्ग पर 23 जनवरी और दिल्ली–एथेंस मार्ग पर 24 जनवरी से करेगी। यह विमान एक बार ईंधन भरने के बाद 8,700 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है। एयरलाइंस ने बताया कि इसमें इंडिगोस्ट्रेच की 12 सीटें और इकोनॉमी श्रेणी की 183 सीटें हैं।

कठुआ में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू। जम्मू –कश्मीर के कठुआ जिले की बिलावर तहसील में बुधवार शाम सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप का कमाध नाले के जंगल में आतंकवादियों से आमना–सामना हुआ है। उन्होंने बताया कि सटीक सूचना पर सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों ने दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी कार्रवाई की है। पूरे इलाके को घेराकर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

तस्करी कर लाया गया 40 करोड़ रुपये मूल्य का सोना पकड़ा

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने सोने की तस्करी में लगे एक नेटवर्क का भंडाफोड़ कर 40 करोड़ रुपये कीमत का 29 किलो सोना और 2.9 करोड़ रुपये नकदी बरामद की है। इस नेटवर्क के तार दुबई और बांग्लादेश से जड़े थे और यह माल त्रिपुरा के रास्ते आता था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली और अगरतला में मंगलवार को छापों और तलाशी से इस नेटवर्क का पता चला है। इस गिरोह में शामिल अपराधी दुबई और बांग्लादेश के रास्ते तस्करी का सोना भेजते थे।

सभी आवारा जानवरों से मुक्त हों सड़कें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कुत्तों के काटने के साथ सड़कों पर आवारा जानवरों की वजह से भी जा रही हैं जानें

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नगरीय निकायों की ओर से नियमों और निर्देशों का अनुपालन न करने का संज्ञान लेते हुए बुधवार को कहा कि देश में न सिर्फ कुत्तों के काटने बल्कि सड़कों पर घूम रहे आवारा जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से भी लोगों की मौत हो रही है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, सड़कों पर आवारा जानवरों का घूमना खतरनाक साबित हो रहा है। सड़कों को कुत्ते और दूसरे आवारा जानवरों से मुक्त रहना चाहिए। पीठ ने यह सुझाव भी दिया कि आवारा पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने के लिए सड़कों और एक्सप्रेस-वे पर बाड़ लगाई जाए।

कुत्ता प्रेमियों और आदेशों के कड़े अनुपालन की मांग करने वालों की ओर से दायर न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इसलिए सुनवाईकर रही है क्योंकि कई वकीलों और पशु कार्यकर्ताओं ने दावा किया है कि सात नवंबर को आदेश पारित होने से पहले उनकी बात नहीं सुनी गई थी। अदालत के पूर्व आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि समाधान सभी कुत्तों को पकड़ना नहीं है, बल्कि पशु-मानव संघर्ष को कम करने के लिए विश्व स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक फार्मूला अपनाना है। उन्होंने तर्क दिया कि अदालत आवारा कुत्तों की आबादी के प्रबंधन के लिए सीएसवीआर (पकड़ना, नसबंदी करना, टीकाकरण करना और छोड़ना) के फार्मूले को अपना सकती है, जिससे धीरे-धीरे कुत्ते के काटने की घटनाओं में कमी आएगी। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, इलाज से परहेज बेहतर है। कहा, इस मामले में बहस करने के लिए कुछ खास नहीं है क्योंकि अदालत ने केवल संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है। कुछ वकीलों ने बताया कि कुत्तों के हमले हो रहे हैं तो पीठ ने कहा कि वह समझती है कि बच्चों और वयस्कों को कुत्ते काट रहे हैं और उनकी जान जा रही है।

कौन सा कुत्ता किस मूड में होगा, कोई नहीं जानता

पीठ ने कहा, सुबह–सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में होगा, यह कोई नहीं जानता। नगर निकायों को नियमों, कार्य प्रणालियों और निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा। न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने बताया कि पिछले 20 दिनों में राजस्थान उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश दुर्घटनाओं का शिकार हुए हैं और उनमें से एक न्यायाधीश अब भी रीढ़ की हड्डी की चोटों से जूझ रहे हैं। उन्होंने मामले में पेश हुए वकीलों से कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है।

आदेशों का पालन न करने वाले राज्यों से निपटेंगे

शुरुआत में 'न्याय मित्र' के रूप में नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों ने अभी तक अनुपालन हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं, जबकि कुछ राज्यों ने बेहद निराशाजनक हलफनामे दाखिल किए हैं। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि हम उन राज्यों से सख्ती से निपटेंगे। सभी नियमों, विनियमों और मानक प्रक्रियाओं का पालन करना अनिवार्य है।

नेहा सिंह राठौर की गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को पहलगाम आतंकी हमले पर सोशल मीडिया पोस्ट के सिलसिले में उनके खिलाफ दायर एक मामले में बुधवार को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की। ये टिप्पणियां कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा को निशाना बनाकर की गई थीं। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार तथा शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया और कहा कि उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने नेहा को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने पिछले साल पांच दिसंबर को लोक गायिका द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था।

वांगचुक के मामले में सुनवाई आज

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की ओर से रासुका के तहत उनकी हिरासत के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई बुधवार को आठ जनवरी के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा कि पीठ बृहस्पतिवार को इस पर सुनवाई करेगी। वांगचुक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश हुए। इस मामले की सुनवाई इससे पहले न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारी की पीठ ने की थी। याचिका में दावा किया गया है कि वांगचुक की हिरासत अवैध और मनमानी है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है।

दिल्ली में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने पर हिंसा पांच पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी

● उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव के साथ कांच की बोतलें फेंकी

दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के निकट बुधवार तड़के अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हिंसा हो गई। कुछ लोगों ने पथराव करने के साथ कांच की बोतलें फेंकी जिसमें 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने नारे लगाते हुए पुलिस के बैरिकेड भी तोड़ दिए। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को काबू में करने के लिए बल प्रयोग के साथ आंसू गैस का इस्तेमाल किया। एक नाबालिग सहित पांच लोगों को हिरासत में लिया। मामले में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई है।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जरिए अफवाह फैलाई गई कि अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान मस्जिद को ध्वस्त किया जा रहा है। इसके बाद हंगामा मच गया। काफी लोग वहां एकत्र हो गए, कुछ लोगों ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पथराव किया और कांच की बोतलें फेंकीं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारी मस्जिद से सटी और कब्रिस्तान के निकट स्थित जमीन पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रहे थे। एमसीडी के उपायुक्त विवेक कुमार ने बताया कि एक निदान केंद्र, बैंक्वेट हॉल समेत कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किया गया लेकिन मस्जिद को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान ॉ100-150 लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए थे। हालांकि उनमें से ज्यादातर समझाने-बुझाने के बाद वहां से हट गए, लेकिन कुछ लोगों ने हंगामा और पथराव किया जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि वह इस बात की जांच कर रही है कि हिंसा अचानक हुई थी या यह अभियान को बाधित करने की कोई पूर्व नियोजित साजिश थी। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने चेतावनी दी कि हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बांग्लादेश: हमले में एक और हिंदू की मौत

ढाका, एजेंसी

● चोरी का आरोप लगाकर भीड़ ने किया हमला, बचने के लिए नहर में कूदा, डूबने से चली गई जान

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं जारी हैं। ताजा घटना में उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश में भीड़ ने एक 25 वर्षीय एक हिंदू युवक पर चोरी का आरोप लगाते हुए हमला कर दिया। भीड़ से अपनी जान बचाने के लिए युवक ने नहर में छलांग लगा दी। इस घटना में उसकी डूबने से मौत हो गई।

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) के प्रवक्ता काजल देबनाथ ने बताया कि मृतक की पहचान मिथुन सरकार के रूप में हुई है। मंगलवार को नौगांव जिले में चोरी के आरोप को लेकर भीड़ ने मिथुन पर हमले की कोशिश की। अपनी जान बचाने के लिए वह नहर में कूद गया, लेकिन डूब गया। मंगलवार को जारी एक बयान में परिषद ने अल्पसंख्यकों के बढ़ते उत्पीड़न के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दिसंबर में ही सांप्रदायिक हिंसा की 51 घटनाएं

बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद की केंद्रीय समिति ने सांप्रदायिक हिंसा पर गंभीर चिंता जताने के साथ इनकी कड़ी निंदा की है। परिषद ने बताया कि उसने अकेले दिसंबर 2025 में सांप्रदायिक हिंसा की 51 घटनाएं दर्ज की हैं। परिषद ने कहा, इनमें हत्या की 10, चोरी और डकैती की 10 तथा घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, मंदिरों और जमीनों पर कब्जे, लूटपाट और आगजनी की 23 घटनाएं शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप: आईसीसी ने बांग्लादेश का अपने मैच भारत में न करने का अनुरोध ठुकराया

ढाका। आईसीसी ने पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान बांग्लादेश के मैचों को भारत के बजाय कहीं और कराने के बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के आग्रह को ठुकरा दिया है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत जाने में अपनी अनिच्छा जताई थी।

आईपीएल के सीजन 2026 से पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज किए जाने के बाद दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच तनाव का माहौल है। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत दौरे को लेकर सुरक्षा चिंताएं जताईं और अपने मैच भारत के बजाय दूसरी जगह कराने की मांग की। वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका को करनी है।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य भैंसवाल लाया गया भारत

● अमन भैंसवाल के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के प्रमुख सदस्य अमन भैंसवाल को बुधवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समन्वय से चलाए गए एक अभियान के तहत अमेरिका से निर्वासन के बाद भारत वापस लाया गया। दिल्ली हवाई अड्डे पर उसे हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि भैंसवाल के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी था।

गैंगस्टर अमन कुमार उर्फ अमन भैंसवाल हरियाणा और दिल्ली-एनसीआ र क्षेत्र में गोलीबारी, हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन वसूली और अवैध हथियार संबंधी गतिविधियों से जुड़े मामलों में कथित तौर पर संलिप्त था। अभियोजन से बचने के प्रयास में वह जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके विदेश भाग गया था। सीबीआई ने हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर भैंसवाल के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस प्राप्त किया था। गुरुग्राम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के एक अधिकारी ने बताया कि हरियाणा और दिल्ली में उसके खिलाफ 10 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अंकिता की हत्या से जोड़ने वाले पोस्ट हटाएं कांग्रेस-आप

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को वरिष्ठ भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम को वर्ष 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड से जोड़ने वाली सोशल मीडिया पोस्ट 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने गौतम की ओर से दायर मानहानि के मामले में अंतरिम आदेश देते हुए दोनों राजनीतिक दलों को हत्या के मामले में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव को कथित वीआईपी के तौर पर दर्शाने वाली कोई भी सामग्री पोस्ट करने से भी रोका है। न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि 24 घंटे के भीतर सामग्री को नहीं हटाया गया तो सोशल मीडिया मंच नियमों के अनुसार उसे हटा देगा। अदालत ने अभिनेत्री उर्मिला सनावर और उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी सहित अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ भी आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति पुष्करणा ने कहा कि गौतम ने अपने पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला साबित कर दिया है और यदि मानहानिकारक सामग्री को बनाए रखने पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पारित नहीं किया गया तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी।

चालू वित्त वर्ष में 7.4% रह सकती है जीडीपी

नई दिल्ली। सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के दम पर सरकार की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ने की संभावना जताई गई है जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत थी। कहा गया है कि इस रफ्तार के जरिए भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी राष्ट्रीय आय के प्रथम अग्रिम अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले 6.4 प्रतिशत थी।

सुधार की पहल | उम्मीदवार की क्षमता के अनुसार वास्तविक समय में स्वत : तैयार किए जाएंगे प्रश्न

एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रम में बदलाव करेंगे आईआईटी

नई दिल्ली, एजेंसी

● जेईई एडवांस्ड को कम तनावपूर्ण बनाने के लिए भी होगा काम

प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों को आईआईटी परिषद की बैठक के बाद नया रूप दिया जाना सुनिश्चित हो गया है। यह कदम आईआईटी परिषद की पिछले साल अगस्त में हुई बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत उठाया जा रहा है। आईआईटी परिषद देश के 23 प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों की सर्वोच्च समन्वय संस्था है।

अधिकारियों का दावा है कि एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों से मिलने वाले अवसरों का पूरा उपयोग नहीं किया जा रहा है। इससे पहले अगस्त 2024 में दो वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद आयोजित की गई आईआईटी परिषद की बैठक जेईई एडवांस्ड परीक्षा को भी बेहतर और कम तनावपूर्ण मूल्यांकन वाला बनाने के उद्देश्य से अधिक अनुकूल बनाने की संभावना तलाशने की सिफारिश की गई थी। इसके तहत उम्मीदवार की क्षमता के अनुसार प्रश्न वास्तविक समय में स्वतः तैयार किए जाएंगे और उनमें बदलाव किया जाएगा।

आईआईटी परिषद ने आईआईटी में पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन और अनुसंधान पर एआई के प्रभाव पर चर्चा की। बैठक में एआई में हो रही प्रगति के मद्देनजर शिक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही सुझाव दिया गया कि प्रत्येक आईआईटी को अगले 2-3 वर्षों में इंजीनियरिंग शिक्षा को उसी अनुरूप नया स्वरूप देने के लिए ठोस कदम विकसित करने के लक्ष्य पर काम करना चाहिए। परिषद ने आईआईटी के पीएचडी कार्यक्रमों को नवाचार, नेतृत्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इंजन के रूप में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया।

बीटेक के बाद एमटेक नहीं करना चाहते अभ्यर्थी

बैठक के सारांश के मुताबिक, रत में बीटेक स्नातकों के एमटेक करने के प्रति अनिच्छुक होने का एक प्रमुख कारण विशेष विषय (स्पेशलाइजेशन) की सीमित उपलब्धता है। दूसरा कारण इंटर्नशिप के अवसरों की कमी है। परिषद ने एमटेक कार्यक्रमों के लिए उद्योग इंटर्नशिप को एक अनिवार्य घटक बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। काउंसिल ने दोहरे लाभ वाले एमटेक कार्यक्रम शुरू करने के फायदों पर भी चर्चा की। सभी आईआईटी को अगले एक वर्ष के भीतर अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं और दृष्टिकोण के अनुरूप एमटेक पाठ्यक्रम को संशोधित या पुनर्रचित करने का भी निर्देश दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

पुस्तक का विमोचन करेंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को 'प्रारंभिक उत्तर भारत और इसके सिक्के' पुस्तक का विमोचन करेंगे। यह आयोजन मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर शाम 6.30 बजे होगा। इस पुस्तक के लेखक देवेन्द्र हांडा व अनुवादक मनीष वर्मा हैं। इसका संग्रह हिंदुजा फाउंडेशन ने किया है। इस पुस्तक को उत्तर भारत के स्वदेशी प्रारंभिक ऐतिहासिक सिक्कों की सबसे बड़ी संख्या पर चर्चा और चित्रण करने का गौरव प्राप्त है। यह पुस्तक प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के दौरान उत्तर भारत में इतिहास, संस्कृति, कला, प्रतिमा विज्ञान, धातु विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार और व्यापारिक मार्गों आदि पर मुद्राशास्त्र के प्रभाव को दर्शाती है।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण पर संस्थाओं को अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने "दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना" लागू की है, जिसके तहत पात्र स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जाएगा। योजना के अंतर्गत अर्ली इंटरवेंशन सेंटरों की स्थापना, डे-केयर सेंटरों एवं प्री-प्राइमरी विद्यालयों का संचालन, प्राथमिक से हाईस्कूल स्तर तक विशेष विद्यालयों का संचालन, कौशल विकास कार्यक्रम, पाठ्य सामग्री निर्माण, ब्रेल व सहायक उपकरणों की उपलब्धता तथा दिव्यांगजनों से संबंधित पुस्तकालयों के संचालन जैसे कार्यों को अनुदान के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा। सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक स्वैच्छिक संस्थाएं इस अभियान से जुड़ सकें।

रियल एस्टेट में बढ़ा 53.5 प्रतिशत निवेश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र. सरकार द्वारा लागू की गई प्रभावी नीतियों का असर अब प्रदेश के रियल एस्टेट सेक्टर में दिखाई दे रहा है। उप्र. रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में प्रदेश में 68,328 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश हुआ है, जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 44,526 करोड़ रुपये था। इस तरह रियल एस्टेट निवेश में 53.5 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। बीते एक वर्ष में प्रदेश में 309 रियल एस्टेट परियोजनाएं पंजीकृत हुई हैं, जो सरकार की नीतियों के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अब तक प्रदेश के रियल एस्टेट में एनसीआर का दबदबा रहा है, लेकिन 2025 के आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का रुझान तेजी से गैर-एनसीआर और छोटे शहरों की ओर बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में पंजीकृत 308 परियोजनाओं में से 122 एनसीआर में जबकि 186 परियोजनाएं गैर-एनसीआर क्षेत्रों में स्वीकृत हुई हैं।

पांडुलिपि संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यशाला

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य अभिलेखागार, संस्कृति विभाग द्वारा अभिलेखों एवं पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 19 से 23 जनवरी, 2026 तक किया जाएगा। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल होंगे। यह जानकारी संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश की अमूल्य अभिलेखीय और पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को इस क्षेत्र से जोड़ना है। प्रशिक्षण के दौरान आमंत्रित विषय-विशेषज्ञ अभिलेखों और पांडुलिपियों की पहचान व संरक्षण पर सत्र के दौरान जानकारी देंगे।

अधिकृत अधिकारी ही कर सकते हैं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

- अलर्ट जारी, अनधिकृत व्यक्ति के सूचना मांगने पर न करें सहयोग

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, उप्र. ने स्पष्ट किया है कि खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण केवल अधिकृत अधिकारी ही कर सकते हैं। विभाग की ओर से मंडल स्तर पर सहायक आयुक्त (खाद्य), जनपद स्तर पर सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-2, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी ही निरीक्षण के लिए अधिकृत हैं।

विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति निजी स्तर पर या स्वयं को विभागीय कर्मचारी बताकर खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण करता है या किसी प्रकार की सूचना-दस्तावेज मांगता है, तो उससे किसी भी प्रकार का सहयोग न किया जाए। अधिकृत अधिकारियों के पास सक्षम स्तर से जारी विभागीय पहचान पत्र अनिवार्य रूप से होता है।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं प्रशासन विभाग डॉ. रोशन जैकब ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि किसी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा सूचना या अभिलेख मांगे जाते हैं अथवा रिश्वत की मांग की जाती है, तो इसकी सूचना तुरंत अपने जिले के जिलाधिकारी को दें। साथ ही विभागीय मुख्यालय को व्हाट्सएप नंबर-9793429747 पर भी शिकायत भेजें।

भीषण शीतलहर में कोई भी फुटपाथ पर न सोए : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- योगी ने प्रशासन व नगर निकायों को दिए सख्त निर्देश
- रैन बसेरों का निरीक्षण कर कंबल व भोजन बांटा

अमृत विचार: भीषण शीतलहर के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति खुले में, फुटपाथ या पटरियों पर न सोए। जिला प्रशासन, नगर निगम और सभी स्थानीय निकाय यह सुनिश्चित करें कि जरूरतमंदों को रैन बसेरों में सम्मानजनक और सुरक्षित ठौर उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतलहर से जनता को बचाने के लिए सभी जिलों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

बुधवार को गोरखपुर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने महानगर के बरगदवा और राप्तीनगर स्थित अस्थायी रैन बसेरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां ठहरे लोगों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। रैन बसेरों में उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए वहां रह रहे लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों में तथा बाहर मौजूद जरूरतमंदों में अपने हाथों से कंबल और भोजन का वितरण किया और आश्वस्त किया कि सरकार सेवा और संवेदनशीलता के भाव से उनके साथ खड़ी है।

शीतलहर से बचाव के लिए व्यापक इंतजाम : मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौजूदा समय में शीतलहर का प्रकोप गंभीर है। इससे निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी जिलों को युद्धस्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। हर जिले में रैन बसेरों का संचालन बढ़ाया गया है, जरूरतमंदों में कंबल और ऊनी वस्त्र वितरित किए जा रहे हैं तथा सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में अलाव जलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवी संगठनों और धर्मार्थ संस्थाओं से भी आगे आने की अपील की।

गोरखपुर के एक रैन बसेरे में लोगों को खाना और कंबल वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

फोरलेन निर्माण में लाएं तेजी, तय समय सीमा में करें पूरा : मुख्यमंत्री

निर्माणाधीन गोरखपुर-पिपराइच फोरलेन मार्ग का योगी ने किया निरीक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को निर्माणाधीन गोरखपुर-पिपराइच फोरलेन मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए और निर्माण कार्य में तेजी लाकर परियोजना को तय समयसीमा में पूर्ण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने खजांची चौराहा फ्लाईओवर और जंगल कौड़िया-जगदीशपुर रिंग रोड के कार्यों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री विकास भारती स्कूल मोड़ के आगे फोरलेन मार्ग स्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने परियोजना के ले-आउट, ड्राइंग मैप और निर्माण प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़क की वॉटर लेवलिंग की नियमित जांच हो, ताकि भविष्य में जलजमाव की समस्या न आए।

फोरलेन निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया-जगदीशपुर रिंग रोड के निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रिंग रोड के कार्यों में और तेजी लाई जाए तथा इसे सितंबर माह तक पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने बिशुनपुर अंडरपास की चौड़ाई की भी समीक्षा करने को कहा और निर्देश दिए कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण की कड़ी में मुख्यमंत्री खजांची चौराहा पहुंचे, जहां 96.50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे फ्लाईओवर की प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाईओवर का निर्माण 99 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है और मात्र तीन दिन का कार्य शेष है।

गोरखपुर में फोरलेन सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

स्मार्ट सड़क बनेगी नगर निगम की आय का जरिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राप्तीनगर में सीएम ग्रिड योजना के तहत बनी स्मार्ट सड़क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि उन्नत यूटिलिटी डक्ट और स्टॉर्म वॉटर मैनेजमेंट से युक्त यह सड़क न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि नगर निगम के लिए स्थायी आय का स्रोत भी बनेगी। नगर आयुक्त ने बताया कि यह सड़क पायलट प्रोजेक्ट है। बिजली, गैस जैसी सेवाओं के लिए यूटिलिटी डक्ट का उपयोग करने वाली संस्थाएं नगर निगम को किराया देंगी, जिससे सालाना लगभग दो करोड़ रुपये की आय होगी।

अपर्णा कुमार बनीं जेसीपी लखनऊ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला
- प्रोन्नति के बाद नौ अधिकारियों को मिली नई तैनाती

अपर्णा कुमार

अमृत विचार: उप्र. पुलिस में प्रोन्नति के बाद 20 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को नई तैनाती की पहली तबादला सूची बुधवार को जारी कर दी गई। इसमें एडीजी और आईजी स्तर के दो अफसरों का एक कार्यभार हटा लिया गया। वहीं, आईजी मानवाधिकार अपर्णा कुमार को लखनऊ कमिश्नरेट का नया संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है। साथ ही प्रतीक्षारत चल रहे किरण एस. को लखनऊ रेंज का नया आईजी नियुक्त किया गया है। वे कुछ समय पहले ही डीआईजी से आईजी पद पर प्रोन्नत हुए थे।

तबादला सूची में एडीजी, आईजी व डीआईजी स्तर के अधिकारी ही हैं। नौ आईपीएस अधिकारी कुछ समय पहले की प्रोन्नत हुए हैं। एडीसी मानवाधिकारी रामकुमार को एडीजी लॉजिस्टिक्स और एडीजी लाजिस्टिक्स राजकुमार को एडीजी मानवाधिकार बनाया गया है। जालौन पीटीएस के एडीजी ज्योति नारायण को एडीजी प्रयागराज जोन के पद पर भेजा गया है। वहां तैनात रहे एडीजी डॉ. संजीव गुप्ता को एडीजी पुलिस मुख्यालय बनाया गया है।

एडीजी प्रशांत कुमार के पास प्रशासन के साथ मुख्यालय का भी प्रभार था। अब वह सिर्फ प्रशासन का कार्यभार देखेंगे। तरुण गाबा के पास आईजी लखनऊ और सुरक्षा का कार्यभार था। अब एडीजी पद पर प्रोन्नत होने के बाद उन्हें एडीजी सुरक्षा बनाया गया है। कानपुर के अपर पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार को प्रोन्नति मिलने पर एडीजी पुलिस भर्ती बोर्ड की जिम्मेदारी दी गयी है।

इसके साथ ही आईजी रेलवे मोदक राजेश डी. कुमार को आईजी स्थापना, आईजी भवन-कल्याण आरके भारद्वाज को आईजी रेलवे बनाया गया। डीआईजी से आईजी पद पर प्रोन्नत आनंद सुरेश राव कुलकर्णी को तकनीकी सेवा से बदल कर आईजी भ्रष्टाचार निवारण संगठन, लखनऊ कमिश्नरेट के संयुक्त पुलिस आयुक्त अमित वर्मा को प्रोन्नति मिलने के बाद आईजी ईओडब्ल्यू, सीआईडी के डीआईजी डॉ. अखिलेश कुमार निगम को प्रोन्नति मिलने पर वहीं का आईजी बनाया गया है।

प्रयागराज कमिश्नरेट के अपर पुलिस आयुक्त एन. कोलांची को प्रोन्नति के बाद आईजी रेलवे प्रयागराज, यूपीएसआईएफएस के डीआईजी राजीव मल्होत्रा को वहीं पर आईजी बना दिया गया है। प्रतीक्षा में चल रहे डीआईजी रोहन पी. कनय को डीआईजी विशेष जांच, डीआईजी मो. इमरान को डीआईजी भवन-कल्याण, पुलिस मुख्यालय के एसपी संतोष कुमार मिश्र को प्रोन्नति के बाद डीआईजी पीटीएस जालौन और यूपी-112 के एसपी से प्रोन्नत डीआईजी विजय ढुल को अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज कमिश्नरेट की जिम्मेदारी दी गयी है।

बटेश्वर में नाव की सैर अब बनेगी यादगार, नाविक सुनाएंगे लोक कथाएं

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा के यमुना तट पर स्थित ऐतिहासिक व धार्मिक पर्यटन ग्राम बटेश्वर ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान बनाएगा। अब यहां नाव की सैर केवल यात्रा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नाविक पर्यटकों को बटेश्वर की लोक कथाएं, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत से भी रूबरू कराएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, उप्र. जयवीर सिंह ने बताया कि मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान (एमकेआईटीएम), लखनऊ के सहयोग से एसडीआरएफ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 32 नाविकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में नाव संचालन के साथ-साथ स्टोरी टेलिंग, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और ऑनलाइन पेमेंट जैसी आधुनिक सुविधाओं की जानकारी दी गई। वर्ष 2024 से अब तक प्रदेशभर में 2500 से अधिक नाविकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

रोपवे से 16 मिनट में कैंट से पहुंचेंगे गोदौलिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे वाला दुनिया का तीसरा शहर होगा काशी

अमृत विचार: बोलीविया की प्रशासनिक राजधानी ला पाज और मेक्सिको सिटी के बाद काशी दुनिया का तीसरा शहर होगा, जहां शहरी सार्वजनिक परिवहन के रूप में रोपवे से यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। वाराणसी कैंट स्टेशन से गोदौलिया चौराहे तक 3.85 किलोमीटर की दूरी लगभग 16 मिनट में तय की जा सकेगी।

परियोजना का निर्माण इंटरनेशनल मानक एजेंसी सेंट्रल यूरोपियन नार्म्स के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। रोपवे का निर्माण स्विट्जरलैंड की प्रसिद्ध कंपनी बर्थोलेट द्वारा किया जा रहा है। पहले चरण के पहले सेक्शन में वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन से रथयात्रा चौराहा तक स्विस इंजीनियरों ने वाराणसी में रहकर उपकरणों का इंस्टॉलेशन किया। वहीं, ऑस्ट्रिया की विशेषज्ञ कंपनी रोप एक्सपर्ट्स के इंजीनियरों ने रोप पुलिंग का कार्य संपन्न कराया। इसके लिए यूरोप से अत्याधुनिक ड्रोन और उपकरण आयात किए गए थे।

अर्बन रोपवे परियोजना वाराणसी कैंट स्टेशन से गोदौलिया चौराहे तक संचालित होगी। इस मार्ग पर कुल पांच स्टेशन- कैंट रेलवे स्टेशन, काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर और गोदौलिया निर्मित किए जा रहे हैं। रोपवे की कुल लंबाई 3.85 किलोमीटर होगी। कैंट स्टेशन से गोदौलिया तक की दूरी लगभग 16 मिनट में तय की जा सकेगी। रोपवे पर कुल 148 ट्रॉली कार (गंडोला) संचालित होंगी, जिनमें प्रत्येक में 10 यात्री सवार हो सकेंगे। इसका संचालन प्रतिदिन 16 घंटे होगा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश की प्रतिष्ठा बढ़ाएं युवा : राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' के लिए चयनित युवाओं से किया संवाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में राष्ट्रीय युवा उत्सव 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' के लिए चयनित उत्तर प्रदेश के 79 युवाओं से संवाद किया। यह उत्सव 10 से 12 जनवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होगा। राज्यपाल ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उनके आत्मविश्वास, वेशभूषा और सांस्कृतिक पहचान की सराहना करते हुए कहा कि युवा जिस उद्देश्य से मंच पर जा रहे हैं, उसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश की प्रतिष्ठा बढ़ाना उनका दायित्व है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का वैश्विक स्तर पर प्रसार समय की आवश्यकता है। भाषा के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नया भारत और नई दुनिया केवल एक या दो भाषाओं से नहीं चल सकती। बहुभाषी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

राज्यपाल ने प्रतिभागियों को आपसी परिचय, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और देशभर के युवाओं से नेटवर्क बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य करें जिनसे सकारात्मक और सुंदर परिणाम निकलें और किसी को क्षति न पहुंचे। उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ लौटने वाले प्रतिभागियों को राजभवन में पुनः आमंत्रित करने की बात भी कही। साथ ही युवाओं को अपने अनुभवों पर आधारित लेखन, सृजनात्मक विचारों के संकलन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि यूपी से चयनित 79 युवाओं में 28 कल्चरल एंड इनोवेशन ट्रैक, 45 विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, 2 डिजाइन फॉर भारत ट्रैक और 4 हैक फॉर सोशल कॉज ट्रैक के अंतर्गत हैं।

इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी (अपर मुख्य सचिव स्तर), डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, सचिव, युवा कल्याण एवं खेल सुहास एलवाई, विशेष सचिव, युवा कल्याण एवं खेल, कुमार विनीत ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

राजभवन में 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' के लिए चयनित प्रदेश के 79 युवाओं के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में अन्य।

सलाह | आलू, मटर, टमाटर, गेहूं, सरसों में सावधानी बरतने की जरूरत

पाला और झुलसा से फसलों को खतरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लक्षण दिखने पर किसान कृषि विज्ञानियों की लें सलाह

अमृत विचार : प्रदेश में गिरते तापमान से एक तरफ जनजीवन अस्त-व्यस्त है तो फसलों पर भी उतना ही खतरा मंडरा रहा है। आलू, टमाटर और मटर में पाला और झुलसा रोग की संभावना है तो सरसों, सब्जी, आम आदि में कीट-रोग लगने का खतरा है। ऐसे में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र लखनऊ के अध्यक्ष/वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने पहले से बचाव के तरीके बताएं हैं।

उन्होंने बताया कि इस समय मौसम का रुख देखते हुए पाला और झुलसा रोग तेजी से फैलने की संभावना है। जिन किसानों ने आलू की सिंचाई नहीं की है, वह इस सप्ताह जरूर कर दें। खेतों में नमी आने से पाला का असर नहीं होगा। इसके अलावा आलू को पछेती झुलसा से बचाने के लिए कार्बेंडाजिम मेटालेक्जिल डेढ़ ग्राम प्रति लीटर पानी घोलकर (प्रति एकड़ 200 लीटर) छिड़काव और निगरानी करें। किसी तरह का लक्षण दिखने पर संबंधित जिलों के कृषि विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों से सलाह लेकर ही बचाव करें।

इसी तरह टमाटर को बचाने के लिए यह दोनों विधि अपनाएं। वहीं, मटर में उकठा बीमारी की संभावना है। एक-दो फूल दिखने पर ही हल्की सिंचाई करें। इसके अलावा डेढ़ से दो ग्राम सल्फर एक लीटर पानी (प्रति एकड़ 200 लीटर) घोल बनाकर छिड़काव करके बचाव करें।

हर फसल की सिंचाई और आम की करें धुलाई

डॉ. अखिलेश ने बताया कि मौसम को देखते हुए रबी की सभी फसलों को पाला से खतरा है। इसके बचाव के लिए किसानों ने जो भी फसलें की हैं उनकी सिंचाई जरूर करें। खेतों में नमी आने से पाला का प्रकोप नहीं पड़ेगा। खासकर किसान गेहूं की दूसरी सिंचाई जरूर कर दें। हर 20 दिन के अंतराल में पूरी अवधि तक पांच से छह सिंचाई गेहूं की करनी है। इससे पैदावार अच्छी होगी। आम के बागों में दो ग्राम सल्फर प्रति लीटर पानी में मिलाकर पेड़ों पर छिड़काव करें। साथ ही जालाकीट दिखने पर सिर्फ पानी से धुलाई करें।

लक्ष्य से अधिक खोजे टीबी के मरीज

अमृत विचार, लखनऊ : ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) उन्मूलन की दिशा में उप्र. ने एक बार फिर देशभर में अग्रणी प्रदर्शन किया है। बीते वर्ष प्रदेश ने 6.75 लाख मरीज खोजने के लक्ष्य के मुकाबले 6.90 लाख टीबी मरीजों की पहचान कर उनका इलाज सुनिश्चित किया। नेशनल टीबी टास्क फोर्स के वाइस चेयरमैन डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों और मौतों की संख्या में कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने बताया कि 2015 की तुलना में प्रदेश में नए टीबी रोगियों और मृत्यु दर में 17-17 प्रतिशत की कमी आई है।

पॉलीथिन की जगह लेंगे गोबर से बने गमले, गोशालाओं में होगा उत्पादन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर गोशाला मॉडल के तहत अब प्रदेश में पौधरोपण के लिए पॉलीथिन की जगह गाय के गोबर से बने ऑर्गेनिक गमलों का उपयोग किया जाएगा। इस उद्देश्य से प्रदेश की करीब 7000 गोशालाओं में 5 करोड़ गमलों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि प्रत्येक जिले में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने इसके लिए एक विशेष योजना तैयार की है। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष लगभग 5 करोड़ गमलों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में डॉ. अरुण सक्सेना से भी विचार-विमर्श किया गया है और नर्सरियों में बड़े पैमाने पर इन ऑर्गेनिक गमलों के उपयोग पर सहमति बनी है। श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गमलों के निर्माण का कार्य प्रत्येक जनपद में महिला स्वयं सहायता समूहों और युवा उद्यमियों के माध्यम से कराया जाएगा।

प्लास्टिक कचरा घटेगा, मिट्टी होगी उपजाऊ

गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि गोबर से बने ये ऑर्गेनिक कम्पोस्ट गमले पौधरोपण के दौरान प्लास्टिक कचरे को समाप्त करेंगे और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे प्लास्टिक मुक्त उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी और सभी गोशालाएं आजीविका से भी जुड़ सकेंगी। इन गमलों की खासियत यह है कि पौधरोपण के बाद ये स्वतः भूमि में विलीन हो जाते हैं। इससे पौधों की जड़ों को कोई नुकसान नहीं होता और शुरुआती अवस्था में लगभग एक वर्ष तक आवश्यक पोषण मिलता है।

26 दिन से लापता विवाहिता का खेत में मिला कंकाल

साड़ी से परिजन ने की मृतका की पहचान, मायके वालों ने किया हंगामा, पति समेत तीन के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नगराम के कुबहरा गांव से 12 दिसंबर को लापता हुई विवाहिता का कंकाल बुधवार सुबह घर से 300 मीटर दूर सरसों के खेत में पड़ा मिला। परिजन ने कंकाल से लिपटी साड़ी से मृतका की पहचान की। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर छानबीन की। मायकेवालों ने पति और ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया, पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। भाई की तहरीर पर पति, जेठ व जेठानी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है।

हंगामा कर रहे मृतका के मायकेवालों को समझाते पुलिस अधिकारी।

कुबहरा गांव की विवाहिता पूनम (30) 12 दिसंबर को लापता हो गई थी। पति पीतांबर ने 13 दिसंबर को नगराम थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बुधवार सुबह घर से 300 मीटर दूर सरसों के खेत में गांव के चंद्र प्रकाश ने महिला का कंकाल पड़ा देखा। उन्होंने 10:00 बजे डॉयल-112 पर सूचना दी। कुछ देर में नगराम पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पति ने कंकाल पर लिपटी साड़ी से मृतका की पहचान पत्नी पूनम के रूप में की। इसी बीच एसीपी मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय भी पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस कंकाल को टेंपो पर रखवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने जा रही थी, तभी निगोहां के रमपुरा निवासी मृतका के मायकेवाले पहुंच गए। उन्होंने टेंपो रोककर पति पर हत्या का आरोप लगा हंगामा शुरु कर दिया। आरोप लगाया कि पति आए दिन पूनम को पीटता था। दो माह पूर्व भी बेरहमी से पीटा था। पूनम के साथ जेठ और जेठानी भी मारपीट करते थे। पति, जेठ और जेठानी पर 12 दिसंबर को पूनम की हत्या कर शव खेत में फेंकने का आरोप भी लगाया। एसीपी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मायकेवालों को शांत कराया। उसके बाद कंकाल को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। एसीपी ने बताया कि भाई की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज ली गई है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी।

एक युवक से होती थी मोबाइल पर लंबी बातचीत

बताया जा रहा है कि पूनम की गांव के एक युवक से फोन पर बातचीत होती थी। पीतांबर को इस बात का पता चल गया था। करीब तीन माह पहले पूनम का मोबाइल छीन लिया था। विरोध पर उसे पीटा भी था। पूनम घर छोड़कर अपनी बहन के यहां चली गई थी। दो माह पूर्व बहन के घर से लौटी थी।

डीएनए की भी मदद लेगी पुलिस

एसीपी विकास पांडेय ने बताया कि कंकाल से लिपटी साड़ी के आधार पर पति ने शव की पहचान की है। कंकाल पूनम का है या नहीं, इस आशंका में मायकेवालों का डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) सैंपल लिया जाएगा। इसके साथ ही अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। एसीपी ने बताया कि पूनम की जिस युवक से बात होती थी, उससे भी पूछताछ की गई है।

कॉल डिटेल के आधार पर 60 लोगों से हुई थी पूछताछ

पीतांबर ने पुलिस को बताया कि 12 दिसंबर को उसके काम पर जाने के बाद दोनों बच्चे स्कूल चले गए थे। लौटने पर बच्चों ने बताया कि मम्मी कहीं चली गई हैं। पीतांबर ने रिश्तेदारों को फोन कर जानकारी ली, लेकिन कुछ पता नहीं चला। देर रात पुलिस को सूचना दी थी और 13 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके बाद वह पुलिस के साथ पत्नी की खोजबीन करता रहा। पूनम की कॉल डिटेल के आधार पर रिश्तेदारों, परिचितों समेत करीब 60 को बुलाकर पुलिस ने पूछताछ की थी।

प्लॉट के नाम पर हड़पे 2.20 करोड़

अमृत विचार, लखनऊ : प्लॉट दिलाने का सौदा कर किसानों ने रियल एस्टेट कंपनी देवगंगा कंसट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड से 2.20 करोड़ लिए, लेकिन रजिस्ट्री नहीं की। इस बीच आरोपियों ने जमीन का सौदा किसी और से कर लिया। आरोप है कि कंपनी के लोगों ने आपत्ति की तो मोहनलालगंज तहसील के पास मारपीट की। कोर्ट के आदेश पर मोहनलालगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हंसराज ने बताया कि उनकी कंपनी से चिनहट क्षेत्र निवासी अशोक कुमार सिंह व कबीर नगर रोड के अशोक कुमार सिंह की ग्राम गौरा में जमीन बतायी थी। दोनों ने तीन करोड़ रुपये में जमीन बेचने की बात तय की थी। दावा है की 29 जनवरी 2018 से 15 जुलाई 2019 तक दोनों को कम्पनी से दो करोड़ रुपये दिए गये। कंपनी को बैनामा न करके दूसरों के नाम कुछ जमीन का एग्रीमेंट कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

बकरी चराने के विवाद में मां-बेटी को धमकाया

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र के ग्राम डिघिया स्थित काली माता मंदिर के पास रहने वाली रिचा पाण्डेय ने पड़ोसियों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। काकोरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़िता ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे वह घर में अपनी बेटी के साथ मौजूद थीं। घर के बगल में बनी क्यारी में सब्जी बोई गई है, जहां जमील की पत्नी रुक्सार बकरी लेकर चराने पहुंच गई। विरोध पर अकील, लड्डन, खलील, जमील और हबीब अपने परिवार के अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि सभी लोग कुल्हाड़ी, डंडा और सरिया लेकर आए और गाली-गलौज करते हुए घर का गेट तोड़ने का प्रयास किया। इस दौरान घर में लगा मीटर क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़िता का कहना है कि यदि गेट टूट जाता तो उनके और उनकी बच्ची के साथ कोई अनहोनी हो सकती थी। पीड़िता ने 1090 पर कॉल कर पुलिस से सहायता मांगी। आरोप है कि हमलावरों ने महिला और उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली देहात के गुलामऊ निवासी वंशपाल सिंह के परिवार में 48 वर्षीय पत्नी अर्चना सिंह के अलावा दो बेटे सुमित सिंह व अभिषेक सिंह ,गांव के उत्तर से रेलवे ट्रैक निकला हुआ है,वंशपाल सिंह की पत्नी बुधवार की सुबह अपना घरेलू कामकाज निपटा रहीं थी,दोपहर करीब साढ़े 12 बजे जल्दबाज़ी में घर से निकल कर रेलवे ट्रैक के बगल से जा रहीं थी औ,उसी बीच ट्रेन आ गई,उसकी चपेट में आने से अर्चना सिंह की वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई।

दहेज उत्पीड़न के आरोपी को भेजा जेल

अमृत विचार, उन्नाव : सोहरामऊ थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट और दुष्कर्म जैसी गंभीर धाराओं में वांछित चल रहे एक आरोपी मोहित राजपूत (21) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पुरवा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने 16 दिसंबर को थाना सोहरामऊ में तहरीर देकर पति रामगोपाल सहित सात ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट, जान से मारने की धमकी और दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान एक आरोपी फरार चल रहा था।

आग ताप रहे किसान पर गिरी दीवार, घायल

अमृत विचार, उन्नाव : ठंड से बचने के लिए छप्पर के नीचे आग ताप रहे वृद्ध किसान पर अचानक कच्ची दीवार भरभरा कर गिर गई। मलबे में दबने के कारण किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। औरास थाना क्षेत्र के भोपाल खेड़ा गांव निवासी गजराज सिंह (65) बुधवार सुबह अपने घर के पास बने एक छप्पर के नीचे अलाव जलाकर आग ताप रहे थे। इसी दौरान पास की एक पुरानी कच्ची दीवार अचानक ढह गई और गजराज सिंह मलबे की चपेट में आ गए। दीवार गिरने की आवाज और गजराज सिंह की चीख-पुकार सुनकर उनका पुत्र मिहीलाल और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने मलबे को हटाकर वृद्ध को बाहर निकाला। परिजनों ने सीएचसी मियागंज में भर्ती कराया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार बुआ और भतीजे की मौत

संवाददाता, सरोजनीनगर

- अस्पताल में भर्ती मृतका के भाई की हालत भी गंभीर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र स्थित सैनिक स्कूल गेट के पास बुधवार दोपहर बेकाबू ट्रक की टक्कर से बाइक सवार बुआ-भतीजे की मौत हो गई और भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। सरोजनीनगर पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर ट्रक कब्जे में ले लिया है।

आशियाना के सेक्टर- एम बिरहाना खेड़ा निवासी लल्लन चौरसिया की पत्नी कपूर कली चौरसिया (52) उन्नाव के असोहा निवासी भाई विजयपाल चौरसिया (40) के साथ बुधवार दोपहर बाइक से सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा बेटे अमित चौरसिया के घर जा रही थी। साथ में विजयपाल का 13 वर्षीय बेटा अंश भी था। दोपहर करीब 1:30 बजे कानपुर रोड स्थित सैनिक स्कूल गेट के पास बेकाबू ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कपूर कली, विजयपाल और अंश सड़क पर गिर पड़े। ट्रक कपूर कली को कुचलता हुआ निकल गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने कपूरकली को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल विजयपाल और अंश को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान अंश की भी मौत हो गई। विजयपाल की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने ट्रक चालक को स्कूटर इंडिया चौराहे के पास घेर लिया। पुलिस ने चालक को पकड़कर ट्रक कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजन ने बताया कि बुधवार को कपूर कली, बेटे अमित व बहू सहित सभी को गंगासागर जाने के लिए कानपुर से ट्रेन पकड़नी थी।

मृतका कपूरकली

युवक पर जानलेवा हमला, भर्ती

अमृत विचार, काकोरीः थाना क्षेत्र के कटरा बाजार काकोरी खोवा मंडी निवासी रेनू ने विवेक निवासी वलीनगर काकोरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। आरोप है कि आरोपी ने उनके पति पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे वह बेहोश हो गए। पुलिस आरोपी की तलाश में दबिशें दे रही है। काकोरी इंस्पेक्टर सतीश राठौर के मुताबिक पीड़िता रेनू का कहना है कि आरोपी विवेक ने उनके पति दीपक उर्फ राजकुमार के हाथ-पैर और सिर पर बुरी तरह मारा-पीटा, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़े। घटना की जानकारी गांव के बौवा ने उन्हें दी। सूचना मिलते ही वह अपनी जेठानी रानी के साथ मौके पर पहुंचीं तो वहां पति दीपक बेहोशी की हालत में पड़े थे। पीड़िता के अनुसार जब उन्होंने मारपीट का कारण पूछा तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद परिजन दीपक को सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

घायल रिटायर्ड सैन्यकर्मी की मौत

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में नादरगंज-अमौसी रेलवे स्टेशन रोड स्थित गिंदनखेड़ा के पास सोमवार को सड़क दुर्घटना में घायल रिटायर्ड सैन्यकर्मी की बुधवार तड़के कमांड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अमौसी गांव में रहने वाले ओमप्रकाश पांडेय (62) सेना में हवलदार पद से रिटायर्ड होने के बाद एक बैंक में काम कर रहे थे। बीते वर्ष वह बैंक से भी रिटायर्ड हो गए थे। सोमवार को ओमप्रकाश कैंट स्थित अपने सेना के ऑफिस में किसी काम से गए थे। जहां से सोमवार रात करीब 10:30 बजे बाइक से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में गिंदनखेड़ा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन ने उन्हें इलाज के लिए कैंट स्थित कमांड हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान बुधवार तड़के करीब 4 बजे ओम प्रकाश पांडेय की मौत हो गई। मृतक के परिवार में पत्नी पुष्पा और बेटी चारु हैं।

ओमप्रकाश

एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर ट्रक पलटा, दो घायल

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के रेवरी टोल प्लाजा के पास सर्विस लेन पर बुधवार को ट्रक अनियंत्रित होकर पलट कर नीचे जा गिरा। ट्रक में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। काकोरी इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि घायलों में ट्रक चालक रामवीर सिंह (30) निवासी ग्राम करौली थाना मैंचरी, राजौर (राजस्थान) और नरेश माली निवासी बरखेड़ा नदी थाना सदर करौली (राजस्थान) हैं। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस को बुलवाया। उसके बाद घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। बताया गया कि घायलों के परिजन दूसरी गाड़ी से यात्रा कर रहे थे, जो हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंच गए। फिलहाल दोनों घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

एरा मेडिकल कॉलेज के मालिक व डॉक्टरों पर कसा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ऑपरेशन के दौरान पेट में सर्जिकल सामान छोड़ने का मामला

अमृत विचारः एरा मेडिकल कॉलेज के मालिक और चिकित्सकों समेत 15 के खिलाफ दर्ज मामले में ठाकुरगंज पुलिस ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कराने वाली 57 वर्षीय रूपा शर्मा से इलाज संबंधी सभी दस्तावेज मांगे हैं। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि पीड़िता के बयान और साक्ष्य जमा करने के बाद नामजद सभी आरोपियों को नोटिस जारी कर उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ने बताया कि आईआईएम रोड एल्डिको सिटी में रहने वाली रूपा ने 5 जनवरी को कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज करायी थी। रूपा ने तहरीर में लिखा था कि वर्ष 2023 में पेट दर्द होने पर इलाज कराने के लिए एरा हास्पिटल गई थी। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने आपरेशन के लिए परामर्श दिया था। 15 फरवरी वर्ष 2023 को अस्पताल में भर्ती हुई। 27 फरवरी को डॉ. सुमन निषाद, डा. नूपुर, डा. श्रित्या कविश, डॉ. आयुष वर्मा, डॉ. प्राची, डॉ. दूतिका, डॉ. अंकिता, डॉ. निसार अहमद अंसारी द्वारा आपरेशन किया गया। 17 मार्च को टांके पक गए। इसके बाद दोबारा आपरेशन कर 23 मार्च को डिस्चार्ज कर दिया गया।

पेट में दर्द कम नहीं हो रहा था। अस्पताल में फिर दिखाया तो दवा दी गई। कोई आराम नहीं मिला। इसके बाद दोबारा जांच कराई गई। पता चला कि पेट में सर्जिल औजार हैं। 20 अगस्त को दोबारा आपरेशन कर पेट से औजार निकाला गया। विरोध पर धमकाया गया था।

अंसल प्रकरण में एनसीएलएटी ने एलडीए का पक्ष माना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अब एलडीए को बिना सुने पारित नहीं होगा आदेश
- एलडीए ने एनसीएलटी के फैसले पर की थी अपील

अमृत विचार : लखनऊ में हाईटेक टाउनशिप नीति के विपरीत कार्य करते हुए होम बायर्स के साथ धोखाधड़ी करने वाले अंसल ग्रुप के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ अपीलीय ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) दिल्ली में बुधवार को अहम फैसला सुनाया है। अपीलीय ट्रिब्यूनल ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) का पक्ष स्वीकार करते हुए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) को निर्देश दिये कि इस प्रकरण में बिना सुने कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

एनसीएलटी ने अंसल ग्रुप को दिवालिया घोषित करते हुए इंट्रिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) नियुक्त किया है। इससे अंसल की परियोजनाओं में भूखंड, फ्लैट, विला व व्यावसायिक सम्पत्तियों में निवेश करने वाले हजारों निवेशकों की पूंजी फंसी है। कई ऐसे आवंटी हैं, जिन्हें कंपनी ने वर्ष 2009 में भूखंड बेचे, लेकिन अब तक कब्जा नहीं दिया गया। इस पर एनसीएलटी ने अंसल को दिवालिया घोषित करने का फैसला सुनाते समय एलडीए, आवास विभाग समेत किसी भी शासकीय विभाग को न तो कोई नोटिस दी और न ही पक्ष सुना। इससे अंसल पर शासकीय विभागों की देयता के साथ ही होम बायर्स का हित भी फंस गया। इस प्रकरण पर मुख्यमंत्री ने पीड़ित होम बायर्स के हितों का संज्ञान लेते हुए अंसल ग्रुप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये थे। इसके अनुपालन में एलडीए ने अंसल ग्रुप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के साथ फैसले के खिलाफ एनसीएलएटी में प्रभावी पैरवी की। इससे एनसीएलएटी को प्राधिकरण का पक्ष मानना पड़ा। अब एनसीएलएटी के आदेशों के तहत एनसीएलटी को एलडीए का पक्ष सुनना पड़ेगा और बिना सुनवाई के कोई भी आदेश पारित नहीं होगा।

बेची थी बंधक 411 एकड़ जमीन, 4500 करोड़ की देयता का दावा

अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा हाईटेक टाउनशिप नीति के अनुसार योजना पूर्ण करने के लिए परफार्मेंस गांरटी के रूप में एलडीए के पक्ष में 411 एकड़ भूमि बंधक रखी है। जांच में सामने आया है कि अंसल ने अनाधिकृत तरीके से बंधक भूमि बेच दी। इस मामले में एलडीए ने एनसीएलटी में अंसल ग्रुप पर 4500 करोड़ रुपये की देयता का दावा भी प्रस्तुत किया है। इसमें अर्जन, मानचित्र आदि का शुल्क शामिल है।

दोस्त को किया अपने अपहरण का मैसेज

- मोबाइल बंद, सीसीटीवी में दिखे अकेले, लोकेशन मिली कौशांबी

अमृत विचार, लखनऊ : कृष्णानगर के इंद्रलोक कॉलोनी स्थित यूपीपीसीएल के मुख्य अभियंता कार्यालय के सहायक रजनीश ने मंगलवार को दोस्त को मैसेज कर अपने अपहरण की जानकारी दी। फिर मोबाइल बंद कर लिया। मैसेज में लिखा कि पांच लोगों ने उसका अपहरण कर लिया है, यह जानकारी मेरे भाई को दे दो। जानकारी मिलते ही परिजन ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने दो पुलिस टीमें जांच के लिए लगायी।

शुरुआती जांच में चौंकाने वाली बात सामने आयी। पुलिस कार्यालय पहुंची तो पता चला कि एक कर्मचारी की बाइक से रजनीश कृष्णानगर पहुंचा था। वहां करीब 10:45 बजे मेट्रो की सीढ़ियों से ऊपर पहुंचा। मेट्रो से आलमबाग 10:55 बजे पहुंचे। वहां से उसने कौशाम्बी के लिए बस पकड़ी और मोबाइल स्विच आफ कर दिया। आठ बजे शाम उसकी लोकेशन कौशाम्बी मिली है। एसीपी ने बताया कि घरवालों ने कारणों की जानकारी से अनभिज्ञता जताई है। कॉल डिटेल्स समेत अन्य बिंदुओं पर जांच की जा रही है। बस कंडक्टर से संपर्क किया गया। कई जगह सीसी फुटेज में रजनीश अकेले जाते दिखे हैं।

हादसे में घायल चालक की मौत

अमृत विचार, हरदोई : सड़क हादसे में घायल सेवानिवृत रोडवेज़ ड्राइवर की तीसरे दिन मौत हो गई। कोतवाली शहर के टेढ़ी प्याऊ शंकर बक्श पुरवा निवासी झम्मन लाल (70) रोडवेज़ में ड्राइवर रहते हुए साल 2016 में सेवानिवृत हुए थे। सोमवार को वह शहर से वापस घर लौट रहे थे। उसी बीच बिलग्राम चुंगी पर तेज़ रफ्तार ई-रिक्शे ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए थे।

जहां देवता बसते हैं, वहां जन्म लेते हैं आजाद : सतीश महाना

संवाददाता, उन्नाव

- विधानसभा अध्यक्ष ने जयंती पर किया चंद्रशेखर आजादी को नमन

अमृत विचारः अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली बदरका में श्रद्धा और देशभक्ति का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत तमाम नेताओं ने आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि जिस स्थान पर देवता बसते हैं, वहीं आजाद जैसे महान नायक जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा आजादी के लिए असंख्य लोगों ने बलिदान दिया, जिसमें आजाद और भगत सिंह की टोली का नाम प्रमुख है। उस दौर में अंग्रेजी हुकूमत के सरकारी धन को लूटकर देश की आजादी पर खर्च करना ही सबसे बड़ी राष्ट्रभक्ति थी। आज के डिजिटल युग में हमें आजाद के विचारों से ऊर्जा लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में बदरका में बड़ा परिवर्तन हुआ है और अब समय है कि हम नकारात्मकता को छोड़कर शहीदों की शहादत को दुनिया के सामने प्रमुखता से रखें। ट्रस्ट के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अशोक बाजपेई ने कहा कि देश का दुर्भाग्य रहा कि क्रांतिकारियों के इतिहास पर पर्दा डाला गया और आक्रांताओं को महिमा मंडित किया गया। विधायक व ट्रस्ट के स्वागत मंत्री आशुतोष शुक्ल ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि इस वीर भूमि की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

विधानसभा अध्यक्ष ने गणेश नारायण शुक्ल, डॉ. रामनरेश, कमलेश शुक्ल, आल्हा गायक राम लखन तिवारी, सरला त्रिपाठी, पीके मिश्र, संदीप गुप्ता और डॉ. चंद्रकांता जोशी को सम्मानित किया।

उपलब्धि

2025 में रेरा का रिकॉर्ड प्रदर्शन, 308 परियोजनाएं पंजीकृत

दो वर्ष में 1.54 लाख से अधिक इकाइयां स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वर्ष 2024 की तुलना में 19 फीसद की दर्ज की गई वृद्धि

अमृत विचार : साल 2025 उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के लिए महत्वपूर्ण रहा। वर्ष 2024 की तुलना में परियोजना पंजीकरण में बढ़ोतरी, आवासीय और व्यावसायिक यूनिटों की संख्या में वृद्धि और पूंजी निवेश में तेजी से इजाफा हुआ है। इन दो वर्ष में 1.54 लाख से अधिक इकाइयां स्वीकृत होने से खरीदारों की जरूरतें पूरी हुई हैं।

अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि वर्ष 2024 में रेरा के अंतर्गत प्रदेश में कुल 259 रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण हुआ था। यह संख्या 2025 में बढ़कर 308 हो गई। यानी 49 परियोजनाओं की वृद्धि, जो लगभग 19 फीसद अधिक है। ऐसा प्रदेश सरकार द्वारा टाउनशिप नीति जैसी विभिन्न पहल के जरिए एक स्थिर और सकारात्मक नीतिगत माहौल बनाने से हुआ है। परियोजना पंजीकरण में वृद्धि के साथ वर्ष 2025 में निर्माण के लिए स्वीकृत यूनिटों की संख्या में भी बड़ा इजाफा हुआ है। वर्ष 2024 में पंजीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत 69,365 यूनिट प्रस्तावित थीं, जो 2025 में बढ़कर 84,976 हो गईं। यानी 15,611 यूनिट की वृद्धि, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22.5 फीसद अधिक है।

वर्ष 2025 में स्वीकृत कुल यूनिटों में से 62,672 आवासीय यूनिट हैं, जिनमें फ्लैट, प्लॉट और विला शामिल हैं। वहीं 22,304 यूनिट व्यावसायिक हैं, जैसे दुकानें, स्टूडियो और अन्य व्यावसायिक सुविधाएं। वर्ष 2024 और 2025 को मिलाकर यूपी रेरा ने कुल 1,54,341 आवासीय और व्यावसायिक यूनिटों को मंजूरी दी है, जिससे घर खरीदारों और निवेशकों को कई विकल्प उपलब्ध हुए हैं।

निवेश में 23,802 करोड़ की रिकॉर्ड वृद्धि

वर्ष 2025 में रेरा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रदेश के रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी निवेश की जबरदस्त बढ़ोतरी शामिल है। वर्ष 2024 में पंजीकृत परियोजनाओं के तहत कुल अनुमानित निवेश 44,526 करोड़ था, जो 2025 में बढ़कर 68,328 करोड़ हो गया। यानी 23,802 करोड़ की वृद्धि, जो लगभग 53 .5 फीयद अधिक है। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

52 प्रतिभागियों ने सीखे रियल एस्टेट के नियम

अमृत विचार, लखनऊ : रेरा ने बुधवार को कानपुर रोड, लखनऊ स्थित इंडियन लिटरेसी हाउस में रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम के 29वें बैच की शुरुआत की। चार दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में कुल 52 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने सचिव महेंद्र वर्मा के साथ दीप प्रज्ज्वलित करके की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रियल एस्टेट एजेंटों को कानूनी ढांचे, नैतिक जिम्मेदारियों और रियल एस्टेट क्षेत्र के व्यावहारिक कार्यों बताए गए। अध्यक्ष ने बताया कि अब तक 28 बैचों के माध्यम से कुल 1176 एजेंट सफलतापूर्वक यह प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं।

किशोरी से छेड़छाड़, विरोध पर परिवार को धमकाया

संवाददाता, काकोरी

- पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर की सख्त कार्रवाई की मांग

अमृत विचारः पारा इलाके में एक 13 वर्षीय किशोरी से छेड़छाड़ व धमकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि विरोध पर आरोपियों ने असलहा दिखाकर धमकाया। पीड़िता की मां ने दीपक नामक युवक और उसके साथियों के खिलाफ पारा कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित मां ने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी जब अपने छोटे भाइयों को नरपतखेड़ा स्थित सरकारी स्कूल में छोड़ने जाती थी, उसी दौरान आरोपी दीपक और उसके साथी रास्ते में उसे परेशान करते थे। आरोप है कि वे अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लगातार छेड़छाड़ करते रहे। मां ने शिकायती पत्र में बताया गया कि आरोपियों ने छात्रा को बंदूक दिखाकर डराया-धमकाया और मोबाइल नंबर देते हुए बात करने का दबाव बनाया। इंकार पर अपहरण कर ले जाने की धमकी भी दी गई।

डर के चलते छात्रा ने पूरी घटना अपनी मां को बताई। इसके बाद जब मां ने आरोपी दीपक से मिलकर बेटी का पीछा छोड़ने को कहा, तो वह भड़क गया। आरोप है कि उसने गाली-गलौज करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। पीड़िता की मां ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पारा इंस्पेक्टर सुरेश सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार,8 जनवरी 2026
लखनऊ

भाजपा में 14 जिलाध्यक्षों पर सस्पेंस, नहीं मिल पा रहा फाइनल फॉर्मूला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दांव-पेच और जातीय समीकरण में उलझा चुनाव

अमृत विचार: पंचायत और विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत झोंक चुकी भारतीय जनता पार्टी का संगठनात्मक गणित फिलहाल अटका हुआ है। 10 माह के लंबे मंथन के बाद भी प्रदेश के 98 संगठनात्मक जिलों में से 14 जिलाध्यक्षों के नाम तय नहीं हो सके हैं। चुनावी मोड में दौड़ रही पार्टी के लिए यह देरी अंदरूनी संतुलन की चुनौती को उजागर कर रही है।

एक ओर पार्टी पर सामाजिक-जातीय समीकरण साधने का दबाव है, तो दूसरी ओर सांसदों-विधायकों की पसंद भी फैसले को प्रभावित कर रही है। जनप्रतिनिधि अपने भरोसेमंद चेहरों को जिलाध्यक्ष बनवाने में जुटे हैं, जबकि संगठन सभी क्षेत्रों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। यही खींचतान नामों की घोषणा में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। पिछले वर्ष मार्च और नवंबर में दो चरणों में जिलाध्यक्षों की सूची जारी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सभी छह क्षेत्रों के हर जिले में सहमति नहीं बन पाई। 2024 के लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम न आने के बाद कई जिलों में संगठनात्मक बदलाव की मांग तेज हुई थी। इसी पृष्ठभूमि में पार्टी ने पीडीए राजनीति का तोड़ तलाशते हुए अनुभव और जातीय संतुलन को आधार बनाकर नियुक्तियां कीं, मगर 14 जिलों पर फैसला टलता चला गया।

इन जिलों में अटकी है जिलाध्यक्षों की ताजपोशी

अवध क्षेत्र

*अयोध्या : संजीव सिंह (पूर्व जिलाध्यक्ष) व कमलेश श्रीवास्तव (महानगर अध्यक्ष) की दावेदारी, ब्राह्मण बनाम अनुसूचित वर्ग के समीकरण पर मंथन

*अंबेडकरनगर : त्रयंबक त्रिपाठी को दोहराने या कुर्मी चेहरे को मौका देने पर रस्साकशी

*लखीमपुर : दो पारी खेल चुके सुनील सिंह (ठाकुर) ओबीसी वर्ग का दबाव

*गोंडा : पूर्व कश्यप अध्यक्ष हटने के बाद ब्राह्मण बनाम ओबीसी संतुलन पर विचार

पश्चिम क्षेत्र

*शामली : जाट कोटे से अध्यक्ष रहे तेजेंद्र निर्वाल के बाद ठाकुर, कश्यप व पाल वर्ग की दावेदारी

*सहारनपुर : महेंद्र सैनी को दोहराने या ठाकुर–गुर्जर कार्ड खेलने की बहस

*अमरोहा : मौजूदा अध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी के स्थान पर, जाट–गुर्जर समीकरण पर चर्चा

ब्रज क्षेत्र

*पीलीभीत : संजीव प्रताप सिंह (दो पारी) के बाद बदलाव के संकेत

काशी क्षेत्र

*वाराणसी (जिला) : जातीय संतुलन व संगठनात्मक फीडबैक पर सहमति नहीं

*चंदौली : ओबीसी बनाम सवर्ण संतुलन पर अटका फैसला

*मीरजापुर : स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पसंद को लेकर मतभेद

गोरखपुर क्षेत्र

*सिद्धार्थनगर : अल्पसंख्यक–ओबीसी संतुलन पर विचार

*देवरिया : ब्राह्मण बनाम पिछड़ा वर्ग के बीच फंसा निर्णय

अब 2027 विधानसभा चुनाव की आहट के साथ दबाव और बढ़ गया है। अवध, पश्चिम, ब्रज, काशी और गोरखपुर लगभग हर क्षेत्र में कहीं दो पारी खेल चुके नेताओं को दोहराने या बदलाव करने को लेकर मतभेद हैं, तो कहीं जातीय समीकरण नई उलझन खड़ी कर रहे हैं। कहीं ब्राह्मण-ओबीसी संतुलन पर चर्चा है, तो कहीं ठाकुर, कुर्मी, जाट, गुर्जर और कश्यप जैसे सामाजिक समूहों की दावेदारी सामने है।

अवध क्षेत्र में कुछ जिलों में पुराने चेहरों की वापसी और नए सामाजिक कार्ड पर मंथन चल रहा है। पश्चिमी यूपी में पहले से प्रभावी जातियों के बजाय नए वर्गों को अवसर देने की मांग उठी है। ब्रज और काशी क्षेत्र में भी जिलाध्यक्षों को लेकर सहमति बनाने के लिए लगातार फीडबैक लिया जा रहा है, जबकि गोरखपुर क्षेत्र के कुछ जिलों में जातीय गणित निर्णायक भूमिका निभा रहा है। पार्टी नेतृत्व का दावा है कि नए प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद प्रक्रिया को गति मिली है और जनवरी के अंत तक शेष जिलों में भी अध्यक्ष घोषित कर दिए जाएंगे। हालांकि, मौजूदा हालात बताते हैं कि पसंदीदा चेहरों और सामाजिक संतुलन के बीच सही फॉर्मूला तलाशना अब भी संगठन के लिए सबसे बड़ी कसौटी बना हुआ है।

आठ जनपद न्यायाधीशों को हाईकोर्ट की चेतावनी

विधि संवाददाता, लखनऊ

- जिला अदालतों में अग्निशमन यंत्र लगाने के प्रस्ताव को लेकर हीलाहवाली पर सख्ती

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने झांसी, हमीरपुर, हापुड़, शामली, फिरोजाबाद, कुशीनगर और सिद्धार्थनगर के जनपद न्यायाधीशों को चेतावनी दी है। कोर्ट ने अग्नि शमन यंत्रों को संबंधित जनपदों में लगाने के संबंध में मांगे गए प्रस्ताव पर कोई जवाब न देने पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि हाईकोर्ट प्रशासन के अधिवक्ता के अनुरोध पर हम कोई सख्त आदेश नहीं पारित कर रहे हैं। लेकिन यदि इन जनपद न्यायाधीशों ने अगले दो सप्ताह में प्रस्ताव के संबंध में हाईकोर्ट से भेजे गए पत्राचार का जवाब नहीं दिया तो हम कठोर आदेश पारित करने के लिए बाध्य होंगे।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने सुनील कुमार द्विवेदी की ओर से वर्ष 2011 में दाखिल एक जनहित याचिका पर दिया है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि उक्त सात जनपदों से अग्नि शमन यंत्रों को लगाने के संबंध में कोई प्रस्ताव अब तक नहीं आया है जबकि पत्र भेजते हुए, वर्तमान सुनवाई में हुए आदेशों की जानकारी दे दी गई थी तथा प्रस्ताव भी मांगा गया था। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 जनवरी की तिथि नियत की है।

न्यूज ब्रीफ

शिकायतकर्ता को लिखित दलीलें दाखिल करने के निर्देश

लखनऊ, एजेंसी : लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले की सुनवाई के सिलसिले में बुधवार को शिकायतकर्ता से अपनी दलीलें लिखित में दाखिल करने को कहा। विशेष न्यायाधीश आलोक वर्मा ने कहा कि कोर्ट बृहस्पतिवार को भी इस मामले की सुनवाई जारी रखेगी। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एस. विग्नेश शिशिर ने अपनी याचिका में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच के आदेश देने का आग्रह किया है। शिशिर ने अपनी शिकायत में भारतीय न्याय संहिता, शासकीय गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के प्रावधानों के तहत कांग्रेस सांसद पर कई आरोप लगाए हैं। इस सिलसिले में आपराधिक शिकायत शुरू में रायबरेली में विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट में दायर की गई थी। हालांकि, शिकायतकर्ता द्वारा दायर एक याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 17 दिसंबर 2025 को यह मामला रायबरेली से लखनऊ स्थानांतरित कर दिया। लिखित दलीलें दाखिल होने के बाद कोर्ट आगे की कार्यवाही शुरू कर सकती है।

10 से 28 फरवरी तक चलेगा आईडीए अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में फाइलेरिया उन्मूलन में प्रदेश के 21 जनपदों के 64 ब्लाक में सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान 10 से 28 फरवरी के बीच चलेगा। लक्ष्य एक ही है कि कोई भी व्यक्ति दवा खाने से रह न जाए। स्वास्थ्य महानिदेशक ने तैयारियों के बारे में सभी संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. एके चौधरी ने बताया कि इस बार सिर्फ 64 ब्लाक में आईडीए अभियान चलाया जाएगा। संक्रमण दर घटने के कारण ही इस बार से साल में सिर्फ एक बार आईडीए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि अभियान में सबसे ज्यादा शाहजहांपुर के 13 ब्लाक हैं।

ओवरलोड वाहनों में मानकों की अनदेखी

अमृत विचार, माल : क्षेत्र में ट्रैक्टर ट्रॉली से लेकर ट्रक और डंपर में ओवर लोड माल की ढुलाई की जा रही है। इससे सड़कें उखड़ने के साथ हादसे भी हो रहे हैं, किंतु पुलिस मूक दर्शक बनी है। ऐसे वाहनों के पीछे रेडियम तक नहीं लगाया जाता है। कई वाहनों में तो नंबर प्लेट भी नहीं लगी होती हैं। काफी ऊंचाई तक लकड़ियां लादकर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पर रेडियम टेप और नंबर प्लेट नहीं लगी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओवर लोड वाहनों के नियमों की अनदेखी करने से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने कहा कि ऐसे वाहनों की जांच कर चालान और सीज करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।

ट्रॉली में क्षमता से अधिक लदी लकड़ी।

मतदाता सूची में नाम जांचें और 6 फरवरी तक दर्ज कराएं आपत्तियां

आयोग की मतदाताओं से संशोधन कराने की अपील, ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों विकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपना नाम, पता और अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी तरह की त्रुटि दिखे तो तय अवधि के भीतर आवश्यक संशोधन कराएं। दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि 6 फरवरी तय की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने स्पष्ट किया कि निर्धारित फॉर्म और घोषणा पत्र के बिना दी गई सामान्य सूचनाओं को दावा या आपत्ति नहीं माना जाएगा। सही फॉर्म भरना अनिवार्य है। 6 फरवरी तक नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन कराने और पता बदलने से जुड़े आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जाएंगे। दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया से जुड़े सभी प्रपत्र और निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

11 जनवरी को प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची के साथ मौजूद रहेंगे। मतदाता मौके पर ही अपने नाम और विवरण का सत्यापन कर सकते हैं। साथ ही, 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के पात्र हैं।

मतदाता ईसीआईनेट मोबाइल ऐप और voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन सुविधा के लिए तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केंद्र, संबंधित निर्वाचन कार्यालय और बीएलओ उपलब्ध रहेंगे। सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया गया है।

नवदीप रिणवा

किस काम का कौन सा फॉर्म

- फॉर्म-6 : नया नाम जोड़ने के लिए
- फॉर्म-7 : सूची से नाम हटाने के लिए (मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण आदि)
- फॉर्म-8 : नाम, जन्मतिथि, फोटो में संशोधन या पता बदलने के लिए

पहले दिन मिले सीमित आवेदन

ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद पहले दिन राजनीतिक दलों की ओर से नाम जोड़ने के लिए केवल 128 आवेदन प्राप्त हुए। नाम हटाने या संशोधन से जुड़ा एक भी आवेदन दर्ज नहीं हुआ। शाम तक प्राप्त आवेदनों में भाजपा के 105, बसपा के 17 और सपा के 6 फॉर्म शामिल थे। निर्वाचन आयोग ने दोहराया है कि मतदाता सूची की शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण है। सभी मतदाता समय रहते अपनी प्रविष्टियां जांचें और आवश्यक होने पर 6 फरवरी से पहले सही फॉर्म के साथ दावा या आपत्ति दर्ज कराएं।

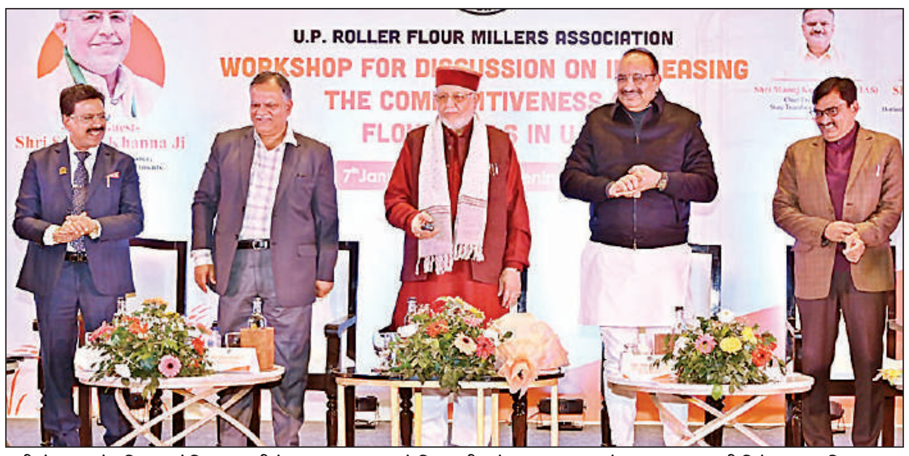

यूपी रोलर फ्लोर मिल एसोसिएशन की वेबसाइट लांच करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, साथ में उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

प्रदेश को शीघ्र मिलेगा उत्पादक राज्य का दर्जा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन की कार्यशाला में वित्त मंत्री ने दिलाया भरोसा

अमृत विचार : वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश को उत्पादक राज्य का दर्जा शीघ्र मिले, जिससे विकास की गति और तीव्र हो। इसके लिए सरकार की मंशा है कि प्रदेश में पूरी क्षमता से सभी रोलर फ्लोर मिल उद्योग संचालित हों और नए रोलर फ्लोर मिल स्थापित हों।

वित्त मंत्री बुधवार को निजी होटल में यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन द्वारा फ्लोर मिलों की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने विषयक कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े उद्योगपति अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही खाद्य सामग्री उपलब्ध कराकर समाज ऋण का भी भुगतान कर रहे हैं। इस मौके पर रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन के वेबसाईट की लांचिंग अतिथियों द्वारा की गयी।

संस्था के अध्यक्ष दीपक कुमार बजाज ने बताया कि प्रदेश में स्थापित लगभग 350 से अधिक फ्लोर मिलें अपनी कुल प्रसंस्करण क्षमता का मात्र 35-40 प्रतिशत ही उपयोग कर पा रही हैं। इसका प्रमुख कारण गेहूं प्रसंस्करण पर लगने वाला मंडी शुल्क है, जबकि कई अन्य राज्यों में यह शुल्क समाप्त किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि फ्लोर मिलों को गेहूं की खरीद, चाहे वह किसानों से हो या व्यापारियों के माध्यम से, बिना शर्त मंडी शुल्क से छूट प्रदान की जाए। इससे गेहूं प्रसंस्करण में वृद्धि होगी।

अंतरराज्यीय अवैध रेत खनन पर सख्त निगरानी की तैयारी

सीमावर्ती राज्यों के साथ बनेगा संयुक्त प्रवर्तन और निगरानी तंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: अंतरराज्यीय अवैध रेत खनन, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश के बाद भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने सीमावर्ती राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार से सक्रिय सहयोग के लिए पत्र लिखा है। इन राज्यों के खनन विभाग और प्रशासन के साथ मिलकर संयुक्त प्रवर्तन और निगरानी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में काम शुरू किया गया है।

सरकार का उद्देश्य गंगा बेसिन सहित संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध रेत खनन पर रोक लगाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और राजस्व वृद्धि को सुनिश्चित करना है। इसके लिए अंतरराज्यीय सीमा से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने वाले खनिज वाहनों पर सख्त निगरानी की व्यवस्था तैयार की जा रही है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने मुख्य सचिव की बैठक में बताया कि अवैध रेत खनन और परिवहन रोकने के लिए वैध ट्रांजिट पास के साथ अंतरराज्यीय परिवहन प्रपत्र (आईएसटीपी) को अनिवार्य करने पर विशेष जोर दिया गया है। इस संबंध में मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के संबंधित विभागों के साथ पत्राचार किया गया है।

रियल टाइम डेटा से होगी निगरानी

अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती राज्यों के साथ रियल टाइम डेटा शेयरिंग की व्यवस्था विकसित की जा रही है। खनन पट्टों, खनिज भंडारण स्थलों, क्रशरों और लोडिंग पॉइंट्स पर वाहन लोडिंग के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही सीमावर्ती राज्यों में स्थापित चेकगेट्स और चेकपोस्ट्स की सूची साझा की जाएगी। यह कार्य सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी और खनन निदेशालय के समन्वय से किया जाएगा।

संयुक्त छापेमारी और प्रवर्तन कार्रवाई

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस, परिवहन और खनन विभाग के अधिकारियों के साथ मासिक समन्वय बैठकें की जाएंगी। इन बैठकों के माध्यम से पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों और टास्क फोर्स के साथ मिलकर संयुक्त छापेमारी और प्रवर्तन कार्रवाई की जाएगी।

एमएलसी का फर्जी लेटर पैड व हस्ताक्षर कर सीएम को भेजा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : अलीगढ़ के सदस्य विधान परिषद (एमएलसी) डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह गुरुजी के नाम से फर्जी लेटर पैड और हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजे जाने का मामला सामने आया है। पत्र में बिजनौर जिले के निर्माण खंड-2 में कार्यरत अधिशासी अभियंता के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी गयी थी। शुरुआती जांच में फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद एमएलसी की छवि धूमिल करने के प्रयास की बात सामने आयी। इस संबंध में उपनिरीक्षक शशिकांत सिंह ने अज्ञात के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

उपनिरीक्षक शशिकांत सिंह के अनुसार, पत्र पर एमएलसी डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। पत्र में अधिशासी अभियंता शैलेंद्र सारस्वत का कार्य संतोषजनक न होने की बात लिखी गयी थी। यह पत्र 8 अप्रैल 2025 की तिथि का बताया गया है, जिसे विशेष सचिव गृह (पुलिस) अनुभाग-चार से 3 नवंबर 2025 को पुलिस आयुक्त कार्यालय भेजा गया। विधान परिषद की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त होने पर यह स्पष्ट हुआ कि सदस्य विधान परिषद के जाली लेटर पैड का उपयोग करते हुए फर्जी हस्ताक्षर किए गए और पत्र मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया था। इधर, प्रकरण की जानकारी होने पर एमएलसी डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वयं मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अवगत कराया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है और न ही उन्होंने ऐसा कोई शिकायती पत्र लिखा है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक किसी व्यक्ति ने जाली शिकायती पत्र तैयार कर मुख्यमंत्री को भेजा।

विकसित भारत के निर्धारित पैरामीटरों का करें क्रियान्वयन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

समीक्षा बैठक करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

- स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कार्ययोजना को लेकर मंथन

अमृत विचार: उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़, समावेशी एवं तकनीक आधारित बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारियों के समन्वय से 'विकसित भारत' के लिए निर्धारित पैरामीटर का क्रियान्वयन समयबद्ध, परिणामोन्मुखी और जनहितकारी दृष्टिकोण के साथ सुनिश्चित किया जाए, जिससे आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हों।

उप मुख्यमंत्री, बुधवार को विधानसभा सभागार में स्वास्थ्य विभाग एवं इससे संबद्ध सभी आनुषंगिक संस्थाओं के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में 'विकसित भारत' के लक्ष्य के अनुरूप स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े 19 निर्धारित पैरामीटर को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करने की कार्ययोजना पर विस्तृत विमर्श किया गया। आयुष्मान भारत कार्ड के व्यापक वितरण, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के विस्तार, निःशुल्क उपचार की उपलब्धता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ आपसी समन्वय और तकनीकी नवाचार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अमित घोष, मिशन निदेशक पिंकी जोवेल, सचिव रितु माहेश्वरी, कार्पोरेशन एमडी उज्जवल कुमार, साचीज सीईओ अर्चना वर्मा समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

रहमान खेड़ा में तेंदुए की आशंका से दहशत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रहमान खेड़ा क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी की आशंका से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। मंगलवार को उपोष्ण बागवानी संस्थान के जंगल में नीलगाय के एक शावक का शव मिलने के बाद यह आशंका जताई गई कि तेंदुए ने उसका शिकार किया है।

सूचना मिलने पर बुधवार को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र में कांबिंग की। कांबिंग के दौरान वन कर्मियों को तेंदुए के पगचिह्न नहीं मिले। जंगल में मिले नीलगाय के शावक के शव के आसपास भी गहन निरीक्षण किया गया, लेकिन तेंदुए के हमले की साफ पुष्टि नहीं हो सकी। शावक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। एसडीओ चंदन कुमार चौधरी ने बताया कि तेंदुए की मौजूदगी की जांच के लिए पहले से लगाए गए पांच ट्रैप कैमरों की भी जांच की गई, लेकिन उनमें किसी प्रकार की हलचल रिकॉर्ड नहीं हुई। एहतियात के तौर पर ट्रैप कैमरों को अन्य स्थानों पर पुनः लगाया गया है। इसके अलावा बेहता नाला किनारे बाग के पास एक पिंजरे में बकरी को बांधा गया है, ताकि तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। वन विभाग ने क्षेत्र में कांबिंग के लिए विशेष टीम तैनात कर दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है। फिलहाल तेंदुए की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

निर्देश

सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा 17-25 जनवरी को

परीक्षाओं की शुचिता प्राथमिकता : मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्य सचिव एसपी गोयल ने बुधवार को 7466 पदों पर सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक) भर्ती को लेकर 17, 18, 24 और 25 जनवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों में होने वाली परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षाओं को निष्पक्ष, नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आगामी भर्तियों, परीक्षाओं की शुचिता, पर्यटन, गौ-आश्रय स्थलों और जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर विस्तृत निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर डबल लेयर फ्रिस्किंग (पुलिस व कार्यकारी संस्था द्वारा) अनिवार्य रूप से कराई जाए। सही अभ्यर्थी का ही प्रवेश हो, सही प्रश्नपत्र सही समय पर पहुंचे और सभी कक्षों में सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील रहें। जिले व आयोग स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम से लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से सतत निगरानी की जाए। एसटीएफ और एलआईयू को विशेष सतर्कता रखने व किसी भी अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य की परीक्षाओं के लिए सभी जनपदों में एडीएम स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करने को कहा।

बैठक में बताया गया कि परीक्षा में कुल 12,36,239 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। इनमें 15 विषयों में से 6 विषयों की परीक्षा दिसंबर 2025 में कराई जा चुकी है। मुख्य सचिव ने होमस्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पॉलिसी-2025 के अंतर्गत लंबित प्रस्तावों के निस्तारण के लिए 14 से 30 जनवरी तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आवासीय सुविधाएं बढ़ेंगी।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव एसपी गोयल।

सपा की बढ़ती ताकत से घबराई भाजपा

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा की बढ़ती ताकत से भाजपा घबराई हुई है। मतदाता सूची के चल रही एसआईआर की प्रक्रिया को गंभीरता से लेना है। भाजपा की चालाकी से सतर्क रहना है।

पार्टी के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से मदद करें। इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा कोई चाल काम नहीं करेगी। 2026 की मेहनत से 2027 में सफलता मिलेगी। सपा प्रमुख बुधवार को सपा मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसआईआर में निर्वाचन आयोग की साख दांव पर है। ग्राम पंचायत और विधानसभा -लोकसभा में मतदाताओं की संख्या में अंतर क्यों है।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रभारी मंत्री सुरेश राही का दौरा आज

बाराबंकी, अमृत विचार : जिले के प्रभारी मंत्री एवं कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही गुरुवार को जनपद के भ्रमण पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान मंत्री विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण करने के साथ-साथ प्रेस वार्ता एवं संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) को लेकर प्रेस वार्ता करेंगे। इसके बाद मंत्री भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भाग लेंगे।

बात करने से मना करने पर शोहदे ने युवती को पीटा

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : बात करने से मना करने पर शोहदे ने युवती की पिटाई कर दी। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। एक गांव की रहने वाली युवती ने पुलिस को बताया कि वह मंगलवार की सुबह मंगल बाजार फतेहपुर खरीदारी करने आई थीं। गांव का ही मुस्तकीम बात करने के बहाने रोक लिया। मना करने पर मुस्तकीम ने गाली-गलौज करते हुए उससे मारपीट की। पीड़िता ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

रोजगार मेला आज

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में गुरुवार सुबह 10 बजे से रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें निजी कंपनियां प्रतिभाग कर साक्षात्कार और परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर, अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र, बायोडाटा और फोटो सहित जिला सेवायोजन कार्यालय में सुबह 10 बजे उपस्थित होकर मेले में भाग ले सकते हैं।

बेटी संग विवाहिता लापता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद क्षेत्र में एक विवाहिता अपनी बेटी के साथ घर से लापता हो गई। एक युवक ने पुलिस को बताया कि उनकी 26 वर्षीया बहन अपनी चार वर्षीय बेटी के साथ 5 जनवरी की रात करीब 8 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

जिला पुस्तकालय को मिला फर्नीचर

बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के प्रयास से राजकीय जिला पुस्तकालय को बुधवार को सीएसआर के माध्यम से 42 पाठकों के लिए कुर्सी-मेज व फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पूनम सिंह ने कहा कि इन संसाधनों से जनपद के बच्चे बेहतर ढंग से अध्ययन कर सकेंगे। डॉ. पूनम सिंह ने बताया कि कर्नल डॉ. मिथिलेश दीक्षित के सौजन्य से जीआईसी एल्यूमनी एवं रोटरी क्लब बाराबंकी द्वारा राजकीय जिला पुस्तकालय बाराबंकी व पीएम श्री राजकीय बालिका विद्यालय को 144 पुस्तकें भेंट की गई हैं।

अमेठी में ई-रिक्शा चालक की हत्या

रात में मुंडन संस्कार में शामिल होने गया था, सुबह गोमती नदी में मिला शव

वारदात

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र में एक ई-रिक्शा चालक की हत्या कर दी गयी। उसका शव बुधवार को गोमती नदी के रीछ घाट से बरामद किया गया। घटनास्थल के आसपास खून के धब्बे भी मिले। वह मंगलवार की रात अपने चचेरे भाई के यहां मुंडन संस्कार में शामिल होने गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किये। ई-रिक्शा चालक के पुत्र ने पुलिस को घटना की तहरीर दी है।

जानकारी लेते सीओ अतुल सिंह।

शव की पहचान रमेश कुमार निषाद (45) पुत्र मातादीन के रूप में हुई है। रमेश निजी ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। परिजनों के मुताबिक रमेश कुमार बीती रात अपने चचेरे भाई सुंदर के यहां मुंडन संस्कार में शामिल होने गया था। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान वह कुछ लोगों के साथ गांव से लगभग सात सौ मीटर दूर गोमती नदी के किनारे शराब पीने चला गया। आरोप है कि शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद नशे की हालत में अज्ञात लोगों ने रमेश की पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव को गोमती नदी में फेंक दिया। उधर, रमेश के घर न आने पर परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे।

परिजन घर से लगभग सात सौ मीटर दूर पहुंचे तो देखा कि गोमती नदी के पास घटनास्थल के पास खून के निशान और एक चप्पल पड़ी मिली, जिससे अनहोनी की आशंका हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाकर जाल डलवाया गया, जिसके बाद मृतक का शव रीछ घाट के पास गोमती नदी से बरामद किया गया। शव मृतक के घर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर मिला। घटना की सूचना मिलते ही गांव में भारी भीड़ जुट गई। सीओ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर खून के निशान, चप्पल तथा मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन कराया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीनों अभियुक्तों पर अपहरण, हत्या और सबूत मिटाने के मामले में दोष सिद्ध हो

संवाददाता, कानपुर

कुशाग्र हत्याकांड

- मामले की अगली सुनवाई 9 जनवरी को होगी

अमृत विचार : कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। मामले में बुधवार को एडीजे 11 के समक्ष अभियोजन की ओर से अंतिम बहस की गई। इसमें घटना का विवरण और साक्ष्य को बताते हुए तीनों अभियुक्तों को अपहरण, हत्या और सबूत मिटाने के मामले में दोष सिद्ध किया जाए। प्रभात के अधिवक्ता ने भी बहस प्रारंभ कर दी है। अब शुक्रवार को अगली सुनवाई होगी।

30 अक्टूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।

आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था। बुधवार को तीन हत्यारोपियों को जेल से कोर्ट के समक्ष लाया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि अभियोजन की ओर से अंतिम बहस की गई। इसमें पूरी घटना का विवरण दिया गया। जिसमे वादी मुकदमा संजय कनोडिया समेत 14 गवाह, विवेचक ने फुटेज व कॉल डिटेल को दाखिल किया गया। अभियोजन ने कोर्ट के समक्ष संपूर्ण साक्ष्य को बताते हुए, हत्या, अपहरण और साक्ष्य मिटाने के मामले में दोष सिद्ध करने की मांग की। प्रभात के अधिवक्ता ओम नरायण ने सभी अंतिम बहस शुरू कर दी है। अब अगली सुनवाई 9 जनवरी यानी शुक्रवार को होगी।

समायोजन स्थानांतरण आदेश जारी करने की मांग

बाराबंकी: अमृत विचार : समायोजन स्थानांतरण आदेश निर्गत किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को यूनाइटेड टीचर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार के नेतृत्व में शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर अपना मांगपत्र सौंपा। शिक्षकों ने बताया कि विभागीय निर्देशों के क्रम में जनपद बाराबंकी में सैकड़ों शिक्षकों को स्थानांतरित व समायोजित करते हुए एकल एवं बंद विद्यालयों में भेजे जाने के लिए 31 दिसंबर 2025 को यू-डाइस/मानव संपदा पोर्टल पर कार्यमुक्त कर दिया गया है। नियमों के अनुसार विद्यालय में सबसे कनिष्ठ शिक्षक का स्थानांतरण किया जाना है, लेकिन कुछ शिक्षकों ने कनिष्ठ न होने के बावजूद स्थानांतरण की आशंका जताई है। एक सप्ताह बीतने के बाद भी समायोजन आदेश जारी न होने से शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। संगठन ने बताया कि प्रदेश के कई जनपदों में आदेश जारी हो चुके हैं, इसलिए, जनपद स्तर पर स्थानांतरित व समायोजित शिक्षकों की सामूहिक सूची जारी की जाए। बीएसए से मिलने वालों में सत्येंद्र भास्कर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. हरिराम, कोषाध्यक्ष पूर्णेश प्रताप सिंह, विकास वर्मा, दिलीप वर्मा, आशुतोष बैसवार आदि थे।

मंदिर के जीर्णोद्धार पर विधायक सम्मानित

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर पंचायत हैदरगढ़ के ठाकुरद्वारा वार्ड में स्थित माता शीतला देवी मंदिर के जीर्णोद्धार और विस्तार हेतु भाजपा सरकार द्वारा 1.62 करोड़ रुपए आवंटित किए जाने पर मंदिर समिति ने क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत और पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुनील सिंह का सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक दिनेश रावत ने कहा कि यह प्राचीन मंदिर सिर्फ पूजा स्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवंटित धनराशि से मंदिर का भव्य रूप दिया जाएगा।

बहन की हत्या करने वाले भाई को उम्रकैद

बाराबंकी, अमृत विचार : शादी के बावजूद प्रेम प्रसंग जारी रहने पर बहन को मौत के घाट उतारने वाले भाई को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 80 हजार रुपये जुर्माना अदा करने का भी आदेश दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार सफदरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्बा के नई बस्ती निवासी मोहम्मद उस्मान के परिवार में मां दो भाई के अलावा चार बहनें हैं। इनमें एक बहन जमीला की शादी कर दी गई लेकिन ससुराल वालों ने उसे मायके भेज दिया। पता चला कि जमीला का प्रेम प्रसंग किसी युवक से चल रहा था, जिसका पता ससुराल वालों को चल गया। इससे जमीला का भाई उस्मान खासा नाराज था। 28 जून 2024 को जमीला का रक्तरंजित शव घर में ही मिला। पता चला कि उस्मान ने उसकी कुल्हाड़ी से हत्या की थी। इसके बाद मां जोहरा बानो ने पुलिस को सूचना देकर बेटे उस्मान के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी उस्मान को जेल भेज दिया। उधर मामले में दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायालय जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-2 ने उस्मान को दोष सिद्ध करार देते हुए आजीवन कारावास व 80 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में तत्कालीन विवेचक प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया था।

ग्राम प्रधान समेत तीन को 10-10 वर्ष सश्रम कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर से सटी ढकौली ग्राम पंचायत के प्रधान समेत तीन अभियुक्तों को न्यायालय ने 10-10 वर्ष सश्रम कारावास व 10-10 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। सजा होते ही परिजन बिलख उठे। कोतवाली नगर पर गैंगस्टर एक्ट के सम्बन्ध में पंजीकृत रिपोर्ट में आरोपी बब्लू सिंह पुत्र रामसिंह निवासी बड़ी लाइन के पास देवा रोड सिविल लाइन, पंकज मिश्रा पुत्र कन्हैया लाल मिश्रा व अंजय मिश्रा उर्फ सोनू मिश्रा पुत्र सूरज लाल मिश्रा निवासी ढकौली थाना कोतवाली नगर को विभिन्न धाराओं में न्यायालय अपर जिला सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 8 ने दोषसिद्ध करार दिया और प्रत्येक अभियुक्त को 10-10 वर्ष सश्रम कारावास व 10-10 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया। संक्षिप्त विवरण के अनुसार थाना कोतवाली नगर पर निरीक्षक रामपाल यादव ने इन तीनों के विरूद्ध संगठित गिरोह बनाकर आर्थिक व भौतिक लाभ के लिए अपराध करने के सम्बन्ध में तहरीर दी। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक उपनिरीक्षक दयाशंकर थाना देवा द्वारा साक्ष्य संकलन कर वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर इनके विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। बता दें कि अभियुक्त अंजय मिश्रा वर्तमान में ढकौली ग्राम पंचायत के प्रधान हैं।

गैंगरेप में दरोगा भी शामिल, थाना प्रभारी सस्पेंड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आरोपी दरोगा और कथित पत्रकार का नाम मुकदमे में बढ़ाया गया, एक गिरफ्तार

अमृत विचार। सचेंडी में किशोरी को अगवाकर गैंगरेप मामले में पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने मुकदमे में पाक्सो एक्ट की धाराएं न लगाने, तथ्यों में हेरफेर करने और आरोपियों का पता होने के बाद भी नामजद न करने पर सचेंडी थाना प्रभारी विक्रम सिंह को सस्पेंड कर दिया है। मुकदमें में बिठूर में तैनात दरोगा अंकित कुमार मौर्या, कथित पत्रकार शिवबरन का नाम जोड़ा गया है। पुलिस ने शिवबरन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि फरार दरोगा की तलाश में चार टीमें लगी हैं। एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह को जांच सौंपी गई है। बुधवार उन्होंने सचेंडी रेलवे ट्रैक के पास मौके पर पहुंचकर जांच की।

सचेंडी क्षेत्र की 14 वर्षीय किशोरी सोमवार रात करीब 10 बजे शौच के लिए घर से निकली थी, तभी काली स्कार्पियो सवार दो लोग उसे खींच ले गए थे। रात करीब 12 बजे किशोरी बदहवास अवस्था में मिली थी। भाई के अनुसार बहन ने बताया कि स्कार्पियो में एक दरोगा भी था। आरोपी उसे रेलवे ट्रैक के किनारे ले गए और दोनों ने स्कार्पियो में दुष्कर्म किया। भाई ने सचेंडी पुलिस को सूचना दी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। फिर डायल-112 पर सूचना पाकर पुलिस पहुंची और भाई-बहन

आरोपी दरोगा अंकित मौर्या।

सस्पेंड थाना प्रभारी विक्रम सिंह।

को भीमसेन चौकी ले गई। भाई के अनुसार वहां बताया कि आरोपियों में एक दरोगा भी है तो उसे चौकी से भगा दिया गया।

अगले दिन मंगलवार को पीड़ित पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचे, तब अज्ञात के खिलाफ अपहरण व दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज हुई। देर रात पीड़िता का मेडिकल कराया गया। बुधवार को पुलिस कमिश्नर ने जब हकीकत जानी तो पुलिस की लीपापोती सामने आई। पुलिस कमिश्नर के अनुसार सचेंडी थाना प्रभारी ने तथ्यों को छिपाने की कोशिश की। किशोरी को मेडिकल के लिए देरी से भेजा। आरोपियों को बचाने का ताना-बाना बुना गया। पाक्सो की धारा ही नहीं लगाई। इस पर सचेंडी थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। एडीसीपी वेस्ट को जांच सौंपी गई। आरोपी कथित पत्रकार की गिरफ्तारी की गई है।

शिकायत के बावजूद प्लाट पर नहीं मिला कब्जा

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : एक पुश्तैनी प्लाट पर अवैध कब्जे का मामला मिलीभगत का शिकार होता दिख रहा है। पीड़ित ने सीएम तक शिकायत कर डाली पर हालत जस की तस है। नगर क्षेत्र के मोहल्ला धमेड़ी एक के रहने वाले सुधाकर द्विवेदी का आरोप है कि उनका अभिलेखों में दर्ज प्लाट संख्या 58ए, जो उनके आवास के पीछे स्थित है, दबंगों की नजर में है और निर्माण कार्य में जबरन बाधा डाली जा रही है। यह भूमि उनके बाबा स्व. लालबहादुर द्विवेदी के नाम दर्ज है। इसके बावजूद कुछ लोग अवैध दखल की नीयत से निर्माण रुकवा रहे हैं। शिकायत के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। सुधाकर द्विवेदी ने आईजीआरएस पोर्टल, जनता दर्शन, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम रामनगर और थाना प्रभारी तक पत्र दिए। बीते साल तहसील रामनगर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी मामला उठाया गया, लेकिन कार्रवाई कागजों से आगे नहीं बढ़ सकी। वहीं इस संबंध में तहसीलदार विपुल सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है। जिस जमीन को लेकर विवाद है वह आबादी की है। जिस पर दोनों पक्ष अपना अपना दावा कर रहे हैं। आबादी की भूमि पर किसी का काबिज होना संभव नहीं है।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। • अमृत विचार

समरसता भोज और सम्मान समारोह आयोजित

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : भाजपा मंडल अध्यक्ष महादेवा अमित सिंह ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल पूरा होने पर महादेवा स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित समरसता भोज एवं सम्मान समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन युवा नेता राहुल सिंह के संयोजन में, शीतला प्रसाद वाजपेई की अध्यक्षता तथा अंजनी अवस्थी के संचालन में किया गया। अमित सिंह ने कहा कि बीते वर्ष में उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने में सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर कार्य किया और संगठन में किसी कार्यकर्ता के मान-सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद प्रतिनिधि कुलदीप सिंह ने समरसता भोज की परंपरा को महत्व देते हुए युवा वर्ग से इसे आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

हैदरगढ़ ने बनकोट को हराया

सुबेहा, बाराबंकी, अमृत विचार : आदर्श नगर पंचायत सुबेहा के सरांय राजघाट वार्ड में आयोजित अशरफिया क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आज बनकोट और हैदरगढ़ टीम के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बनकोट की टीम ने 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 126 रन बनाए। जवाब में उतरी हैदरगढ़ टीम ने 15 ओवर में ही दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और विजेता बनी। विजेता टीम हैदरगढ़ को समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव चौधरी अदनान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में रेंजर साइकिल और शील्ड प्रदान की। मैन ऑफ द मैच खिताब हैदरगढ़ के अखिलेश को मिला।

रजाई वितरित करते नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक। • अमृत विचार

नगर पंचायत अध्यक्ष ने गरीबों को बांटी रजाई

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर पंचायत अध्यक्ष रामशरण पाठक ने कड़ाके की ठंड से जूझ रहे गरीब और असहाय लोगों के लिए नगर पंचायत कार्यालय परिसर में दर्जनों लाभार्थियों को रजाई वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की। रामशरण पाठक ने पूरे नगर क्षेत्र में निरंतर कंबल और रजाई वितरण अभियान चलाया है और स्वयं विभिन्न मोहल्लों में जाकर जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाई। इसके अलावा, नगर पंचायत ने सार्वजनिक स्थलों और चौराहों में अलाव भी जलाकर राहगीरों और गरीबों को ठंड से राहत दी। इस अवसर पर अमित बल्लू, बाबा सनी सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

सिटी डायरी

मनोनीत पदाधिकारी। अमृत विचार

प्रो. आशुतोष वर्मा बने सपा शिक्षक सभा के प्रदेश महासचिव

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से समाजवादी शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एसपी सिंह पटेल ने श्री बैजनाथ शिवकला पीजी कॉलेज, मंगलपुर के बीएड एवं बीटीसी विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष वर्मा को सभा का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया। प्रो. वर्मा को यह दायित्व उनकी पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता, समर्पण, निष्ठा और विचारशीलता को देखते हुए दिया गया। उनके मनोनयन पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा, सदर विधायक सुरेश यादव, जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज, कोषाध्यक्ष प्रीतम वर्मा, पूर्व एमएलसी राम पाल वर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, पूर्व विधायक राम मगन रावत और महाविद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें बधाई दी।

एडीएम को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता।

अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला बार एसोसिएशन के बैनर तले अधिवक्ता प्रोटेक्शन सहित अन्य मांगों को लेकर मुखयमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को दिया गया। अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा के नेतृत्व में बुधवार को दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश मे अधिवक्ता प्रोटेक्शन ऐक्ट शीघ्र लागू हो, रुदौली तहसील फ़ैजाबाद से पुन: बाराबंकी में जोड़ा जाये, बाराबंकी को फ़ैजाबाद से कमीशनरी हटाकर लखनऊ मंडल मे जोड़ा जाये, अधिवक्ताओं का टोल टैक्स माफ हो, जूनियर अधिवक्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु 5 हजार रुपये मासिक नकद धनराशि दी जाये, असामयिक स्वर्गवासी हुए अधिवक्ताओं क़ी पत्नियों को उनके जीवनयापन हेतु बीस हजार रुपये पेंशन दिया जाये।

चुनाव के दौरान मौजूद पर्यवेक्षक, चुनाव अधिकारी व अन्य।

विनोद यादव निर्विरोध प्रबंधक माता प्रसाद बने अध्यक्ष

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : जनता इंटर कॉलेज प्रबन्ध समिति का चुनाव हुआ। पर्यवेक्षक राजकीय इंटर कॉलेज बेलहरा के प्रधानाचार्य देवी प्रसाद तिवारी और चुनाव अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह की देखरेख में चुनाव हुआ। विनोद कुमार यादव को प्रबंधक चुना गया। अध्यक्ष माता प्रसाद यादव, कोषाध्यक्ष सुखराम यादव और नियाज अहमद को उप प्रबंधक चुना गया। पदेन सचिव प्रधानाचार्य रामकिशुन, विकास श्रीवास्तव, डॉ सुरजीत व विद्यालयय के कनिष्ठ सहायक प्रवीण कुमार सिंह, भीष्म प्रसादव की उपस्थिति में चुनाव सम्पन्न हुआ।

शिरडी के लिए रवाना होती पालकी यात्रा, मौजूद भक्त। अमृत विचार

शिरडी रवाना हुई पालकी यात्रा

बाराबंकी, अमृत विचार : नए साल के पहले बुधवार को परंपरागत रूप से श्री शिरडी साईं बाबा सेवा संस्थान ट्रस्ट, बाराबंकी की ओर से साईं बाबा की 15वीं पालकी यात्रा शिरडी के लिए रवाना हुई। यात्रा ट्रस्ट के परमाध्यक्ष साईं सेवक उमाशंकर के मार्गदर्शन में रवाना हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश अरोड़ा बब्बू ने बताया कि 500 से अधिक साईं भक्त बुधवार को ट्रेन के माध्यम से शिरडी के लिए प्रस्थान कर चुके हैं।

प्रतियोगिता

अयोध्या कप राज्य स्तरीय टीचर्स क्रिकेट टूर्नामेंट

मथुरा, आगरा, रुथलेस स्मैशर्स व फरुखाबाद ने दर्ज की जीत

बाराबंकी, अमृत विचार : बाराबंकी के लॉइंस बालाजी क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित अयोध्या कप राज्य स्तरीय लेदर बॉल बेसिक टीचर्स क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 के बुधवार के मुकाबले रोमांचक और दिलचस्प रहे। चार टीमों बेसिक 11 मथुरा, बेसिक 11 आगरा, रुथलेस स्मैशर्स और फरुखाबाद फाइटर्स ने जीत हासिल की। ग्राउंड ए पर खेले गए पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी सुल्तानपुर सुपर किंग्स ने आयुष सिंह की शानदार 86 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट खोकर 185 रन बनाए। जवाब में बेसिक 11 मथुरा ने देवो मस्सब के नाबाद 64 रन और चौकू

शॉट लगाता खिलाड़ी। • अमृत विचार

चाहर के 39 रनों की बदौलत 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में देवो मस्सब को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। इसी ग्राउंड पर दूसरे मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेसिक 11 आगरा ने अनिल यादव के 62 रन और अधीर बघेल के 52 रन की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट खोकर 219 रन बनाए। जवाब में टीचर्स 11 अयोध्या 176 रन ही बना सकी। इस मैच में अनिल यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। ग्राउंड बी पर सुबह टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी मैनपुरी बेसिक की टीम 16.3 ओवर में 77 रन पर ऑल आउट हो गई। जवाब में उतरी रुथलेस स्मैशर्स ने रिकी बट्ट और समर राठौर के सहयोग से 10.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। इस मैच में नीरज कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। ग्राउंड बी पर दूसरे मैच में फर्रुखाबाद फाइटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए योगेश (राणा) के 67 रन और अरुण राठौर के 37 रन की बदौलत 202 रन बनाए। जवाब में प्रयागराज बेसिक टीचर्स 185 रन ही बना सकी। फर्रुखाबाद की जीत में योगेश (राणा) के ऑलराउंड प्रदर्शन को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

क्रिकेट टूर्नामेंट: बड़ागांव ने जीता पहला मैच

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : सलारपुर प्रीमियम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ बुधवार को भव्य समारोह के साथ हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन देवा ब्लॉक प्रमुख धर्मेन्द्र सिंह यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद ब्लॉक प्रमुख ने स्वयं बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट के पहले दिन मुर्तजानगर देवा और बड़ागांव मसौली के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर बड़ागांव की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुर्तजानगर की टीम 9 .4 ओवर में 65 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में बड़ागांव की टीम ने 7 ओवर में लक्ष्य हासिल कर 6 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मैच के दौरान प्रधान सलारपुर शान बहादुर सिंह एवं शुभम सिंह ने अंपायर की भूमिका निभाई। आयोजन सचिव आयुष सिंह ने बताया कि गुरुवार को टूर्नामेंट में दो मुकाबले खेले जाएंगे, पहला मैच सुबह 10 बजे और दूसरा दोपहर 1 बजे से शुरू होगा। इस अवसर पर प्रधान आनंद कुमार, राजेंद्र आदि थे।

न्यूज ब्रीफ

साइबर अपराध को लेकर किया जागरूक

कुशीनगर, अमृत विचार : बुधवार को प्र0नि0 साइबर सेल मनोज कुमार पंत व प्र0नि0 साइबर थाना जितेन्द्र टण्डन मय टीम द्वारा कसया नगर पालिका के सभागार में चौपाल लगाकर साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारमंडल के पदाधिकारियों, व्यापारी व महिलाओं को साइबर अपराधों से बचने की जानकारी दी गयी। इंटरनेट बैंकिंग और कार्ड संबंधी धोखाधड़ी, यूपीआई, सोशल मीडिया, ऑनलाइन फ्रॉड,फर्जी वेबसाइट, फेसबुक, व्हाट्सएप हैकिंग, बारकोड फ्रॉड, और हनी ट्रैप से संबंधित जानकारी व सावधानी बरतने की अपील की गई।

8 लोगों को जनपद से निष्कासित किया गया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1970 में उपबन्धित प्राविधानों के अन्तर्गत आठ लोगों को 06 माह के लिए जनपद सीमा से निष्कासित किया गया है। जिसमें पंकज गुप्ता निवासी बिरवहिर, थाना त्रिलोकपुर, रामकृपाल निवासी जगदीशपुर खुर्द थाना सिद्धार्थनगर, अकबर अली निवासी रमवापुर मिश्र, थाना बांसी, सोनू निवासी पुरनजोत थाना खेसरहा, छोटू उर्फ पोपाल निवासी बरगदवा थाना इटवा, हमीदुल्लाह निवासी जबजौआ, थाना डुमरियागंज, मनोज कुमार वर्मा निवासी चकचई थाना भवानीगंज तथा अर्जुन यादव उर्फ प्रमोद कुमार यादव निवासी खानकोट सेमरी थाना इटवा को जिला बदर किया गया है।

अतिक्रमण पर चलाया बुलडोजर

पक्के व अस्थायी निर्माण हटवाकर सरकारी भूमि कराई गई मुक्त

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मेंहदावल तहसील क्षेत्र के परसा माफी गांव में बुधवार को प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि को मुक्त कराया। सड़क चौड़ीकरण में बाधा बने पक्के व अस्थायी अतिक्रमणों को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई एसडीएम संजीव कुमार राय और सीओ सर्वदवन सिंह की मौजूदगी में की गई।

मेंहदावल तहसील क्षेत्र के परसा माफी गांव में अतिक्रमण हटवाती टीम।

बताया गया कि परसा माफी गांव में प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण के लिए सड़क किनारे की सरकारी भूमि पर करीब 20 लोगों द्वारा अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण किया गया था। प्रशासन की ओर से कई बार नोटिस व चेतावनी देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद यह कठोर कदम उठाया गया। बुधवार अपराह्न करीब तीन बजे प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर की मदद से पक्के निर्माण तोड़े गए, वहीं अस्थायी अतिक्रमण भी हटवा दिए गए। कार्रवाई के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। एसडीएम संजीव कुमार राय ने बताया कि अतिक्रमण हटने से सड़क निर्माण की राह साफ हो गई है और अब कार्य बिना किसी बाधा के कराया जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण कर कराए जा रहे एसएसबी के निर्माण कार्य को डीएम ने रोकवाया

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जोगिया थाना अंतर्गत ग्राम सोनवल एनएच मार्ग के सटे एसएसबी द्वारा अवैध कब्जे को लेकर ग्राम वासियों ने जिलधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। खबर के अनुसार बताया जाता है। उक्त मामले को जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार तथा लेखपाल अन्य अधिकारियों को मौके पर भेज कर मुआयना कराया। जिस पर यह पाया गया कि एसएसबी द्वारा अपनी सीमा से बढ़कर सड़क के बगल में अतिक्रमण किया जा रहा है जिस पर तहसीलदार ने कार्य रोकने को तथा सही निशानदेही पर निर्माण कार्य करने का आदेश दिया।

बताते चलें कि कुछ साल पहले सिद्धार्थनगर जनपद में किसानों से सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण कराकर एसएसबी के हवाले उक्त जमीन को किया गया था। उक्त जगह पर एसएसबी द्वारा मुख्य कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है। बताते चलें कि उक्त दौरान पिलर लगाकर उसका घेराबंदी किया गया था। जब निर्माण की बात आयी तो ग्राम निवासी राज कपिल मिश्रा, अंगद पांडे आदि ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्रवाई करने की मांग किया।

मौके पर जांच करती जिला प्रशासन की टीम व मौजूद एसएसबी के अधिकारी। अमृत विचार

जेल में अमिताभ ठाकुर का अचानक बिगड़ा स्वास्थ्य

संवाददाता कुशीनगर।

- पूर्व आईपीएस अधिकारी को इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया

अमृत विचार: देवरिया जिला जेल में बंद पूर्व आईपीएस ऑफिसर अमिताभ ठाकुर की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। अमिताभ ठाकुर के अधिवक्ता प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि उन्हें हृदय रोग संबंधित तकलीफ के चलते जिला कारागार से देवरिया मेडिकल कॉलेज लाया गया है। वहां वार्ड नंबर 11 मेडिसिन इमरजेंसी में भर्ती किया गया है। बताया जाता है कि रात तकरीबन 11:30 से 12 बजे के बीच उन्हें हृदय संबंधी कुछ दिक्कत हुई। स्वास्थ्य बिगड़ने की जानकारी जेल के डॉक्टरों को हुई तो उन्होंने पहले तत्काल खुद से जांच करवाया और स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें पहले देवरिया स्थित महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज जांच के लिए ले जाया गया।वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वहां उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। सूत्रों की मानें तो पूर्व आईपीएस के सीने में दर्द और बेचैनी की दिक्कत हुई।

संशोधित निर्वाचक नामावली प्रकाशित

कुशीनगर, अमृत विचार : जिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र महेंद्र सिंह तंवर द्वारा जनसाधारण की जानकारी हेतु अवगत कराया गया है कि गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली के प्रारूप में किए गए संशोधनों की सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अंतर्गत अर्हक तिथि 01.11.2025 के संदर्भ में तैयार की गई है। उक्त संशोधित निर्वाचक नामावली तथा संशोधनों की सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। नामावली की एक प्रति जिलाधिकारी कार्यालय, संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय एवं अन्य पदाभिहित स्थलों पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध रहेगी।

याचिका की भाषा पर हाईकोर्ट नाराज़, लगाया जुर्माना

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लापरवाही से दाखिल की गई याचिका पर स्वयं पैरवी कर रहे अधिवक्ता की याचिका खारिज करते हुए उस पर एक लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने इलाहाबाद निवासी अभिषेक मालवीय द्वारा प्रस्तुत याचिका की प्रस्तुति और भाषा पर कड़ी नाराजगी जताते हुए पारित किया।

- न्यायमूर्ति ने स्वयं पैरवी कर रहे अधिवक्ता की याचिका खारिज की

कोर्ट ने कहा कि याची ने स्वयं को अधिवक्ता बताया है, इसके बावजूद याचिका किसी विधि विशेषज्ञ की बजाय एक सामान्य व्यक्ति की तरह असावधानी और त्रुटियों से भरी हुई है। याचिका में "प्रेयर स्टार्ट्स फ्रॉम हियर" जैसे शब्दों के प्रयोग को कोर्ट ने अनुचित बताया। वहीं पक्षकारों की सूची और प्रारूप को भी विधिसम्मत नहीं पाया गया। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि जिस मुद्दे को लेकर याचिका दाखिल की गई, वह पहले ही 16 जनवरी 2025 को खंडपीठ द्वारा याची के खिलाफ निस्तारित किया जा चुका है। इसके बावजूद वही मामला दोबारा उठाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना गया।इन परिस्थितियों में कोर्ट ने न केवल याचिका खारिज की, बल्कि याची को उसी दिन रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष एक लाख रुपये की लागत जमा करने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि न्यायालय में पेशी और याचिकाओं की गंभीरता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चेयरमैन और ईओ कादीपुर समेत आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज करने की विशेष कोर्ट में अर्जी

सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर नगर पंचायत के चेयरमैन, अधिशाषी अधिकारी व ठेकेदार पर स्थगन आदेश की अवहेलना कर मकान गिराने, जातिसूचक गाली देने व धमकी देने के आरोपों से जुड़े मामले में विशेष कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। न्यायाधीश राकेश पांडेय ने कादीपुर कोतवाल से रिपोर्ट तलब कर सुनवाई के लिए 15 जनवरी की तारीख नियत की है। कादीपुर नगर पंचायत के राजेंद्र नगर मोहल्ले की इन्द्रावती देवी पत्नी छोटेलाल का आरोप है कि सिविल जज (अख) कादीपुर की अदालत से 09 अप्रैल 2003 को स्थगन आदेश पारित होने के बावजूद नगर पंचायत के ईओ अमित कुमार सिंह, चेयरमैन आनंद जायसवाल, ठेकेदार राजकुमार शर्मा व अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने 10 अक्टूबर 2025 को मकान गिरवाकर निर्माण करा दिया। विरोध करने पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग, महिलाओं से अभद्रता तथा जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

कालिका मिश्रा बने अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

शैलेंद्र मंत्री और अशोक कुमार दुबे कोषाध्यक्ष चुने गए

अयोध्या कार्यालय।

अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा व उपाध्यक्ष समर्थकों के साथ।

अमृत विचारः अयोध्या बार एसोसिएशन के सभी पदों के लिए बुधवार रात 8:30 बजे तक चली मतगणना के बाद परिणाम घोषित कर दिए गए। अध्यक्ष पद के लिए एक बार फिर कालिका प्रसाद मिश्रा विजयी घोषित किए गए। सबसे महत्वपूर्ण महामंत्री पद पर शैलेंद्र जायसवाल ने कब्जा कर लिया। कोषाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार दुबे ने जीत दर्ज की।

शांतिपूर्ण हुई मतगणना में कालिका प्रसाद मिश्र ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सूर्यभान वर्मा को 314 वोटों से हराया। मिश्र को 1150 मत मिले जबकि वर्मा को 836 मत प्राप्त हुए। इसके अलावा अध्यक्ष पद के अन्य उम्मीदवारों बब्बन प्रसाद चौबे को 106, वाईवी मिश्र को 121, जुगल किशोर मिश्रा को 44 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद पर राजेश कुमार उपाध्याय ने 721 मत पाकर जीत हासिल की। उनके अलावा अशोक कुमार सिंह उर्फ मुन्ना को 349, अंजनी कुमार त्रिपाठी को 87, धनुष जी को 555, राजेश कुमार पांडे को 141 और रणधीर यादव को 339 मत मिले।

पश्चिम बंगाल में इस बार खिलेगा कमल का फूल

अयोध्या कार्यालय

- हरियाणा के कारागार मंत्री अरविंद बोले - किये रामलला के दर्शन

अमृत विचारः हरियाणा सरकार में कारागार मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बुधवार को परिवार के साथ अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने श्री राम मंदिर में हनुमानजी, रामलला का दर्शन-पूजन किया। उन्होंने नवाबगंज गोंडा में आयोजित रामष्ट्रकथा महोत्सव में शामिल हुए। वे दोपहर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। दर्शन पूजने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अयोध्या पूरे देश के दिल में बसती है। इसी से इसके महत्व का अंदाजा

लगाया जा सकता है। सरयू तट, हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन को आत्मिक शांति देने वाला बताया। राम के नाम पर राजनीतिक के सवाल पर बोले कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। पश्चिमी बंगाल में हिंदुओं की हत्या को निंदनीय कृत्य करार दिया। दावा किया कि आने वाले समय में पश्चिमी बंगाल में कमल का फूल खिलेगा।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर अवकाश घोषित

कुशीनगर, अमृत विचारः जिले में शीतलहर एवं तापमान में गिरावट को देखते हुए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने जनपद में संचालित समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों पर दिनांक 14 जनवरी तक अवकाश घोषित किया है। अवकाश अवधि के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका द्वारा लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार वितरण, वजन, गृह भ्रमण, पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सामुदायिक गतिविधियां, वीएचएसएनडी सत्र, आरबीएसके टीम के माध्यम से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं संदर्भन सहित अन्य शासकीय/विभागीय कार्य नियमित रूप से संपादित किए जाएंगे।

नेपाल में तनाव के बाद सीमावर्ती जिलों में अलर्ट

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पड़ोसी देश नेपाल के परसा जिला प्रशासन कार्यालय (डीएओ) ने टिक टॉक वीडियो को लेकर जारी धार्मिक तनाव के मद्देनजर बीरगंज शहर में कर्फ्यू की अवधि मंगलवार दोपहर तक बढ़ाई, लेकिन बाद में कर्फ्यू हटा लिया। इससे पहले स्थानीय प्रशासन द्वारा सोमवार दोपहर जिले के कुछ हिस्सों में निषेधाज्ञा जारी करने के बाद भी दो पक्षों में झड़पों को देखते हुए कर्फ्यू कुछ घन्टे बढ़ाया था। वहीं नेपाल में तनाव के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों सिद्धार्थनगर और महराजगंज में भी पुलिस और एसएसबी अलर्ट हैं। सिद्धार्थनगर में ककरहवा से लेकर बढ़नी बॉर्डर तक और महराजगंज मे सोनौली से ठूठीबारी तक मुख्य आवागमन के रास्तों के साथ ही पगडंडियों पर पहरा बढ़ गया है। थानाध्यक्ष शोहरतगढ़.नवीन कुमार सिंह एवं ढेबरुआ थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव ने बताया कि नेपाल की स्थिति को देखते हुए सीमा पर चौकसी बढ़ाई गई है। सीमा पार करने वालों से विशेष पूछताछ की जा रही है। वहीं अलीगढ़वा व ककरहवा पर सुरक्षा एजेंसी और लोकल थाने की पुलिस अलर्ट नजर आयीं।

मंदिर की सुरक्षा को आधुनिक कंट्रोल रूम तैयार

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राम मंदिर की सुरक्षा को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ठीक बाहर वेद मंदिर के पास पुलिस विभाग की 12 हजार वर्ग फीट भूमि पर एक आधुनिक प्रशासनिक भवन और कंट्रोल रूम का निर्माण पूरा हो गया है। यह भवन 1128.75 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट को गृह विभाग द्वारा संचालित किया गया है।

निर्माण कार्य दिसंबर 2023 में निर्माण संस्था सीएंडडीएस के माध्यम से शुरू हुआ था। जी प्लस वन मंजिला इस भवन में बेसमेंट में मुख्य कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा, जहां से सीसीटीवी फुटेज, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं का रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी। वेद मंदिर के निकट बने भवन में सीसी रोड, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वाह्य जलमल निकासी व्यवस्था, वातानुकूलित

वेद मंदिर के पास बनकर तैयार आधुनिक पुलिस कंट्रोल रूम।

तंत्र, सबमर्सिबल पम्प के साथ बोरिंग, हाई-स्पीड लिफ्ट, पूर्ण विद्युतीकरण, मजबूत बाउंड्रीवाल, एमएस गेट और 160 केवीए का डीजल जनरेटर सेट आदि लगाया गया है। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार ने बताया कि 98 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। बाउंड्रीवाल का कार्य प्रगति पर है। यह भवन जल्द ही लोकार्पण के लिए तैयार है।

गाड़ियों को 2 मिनट का दिया गया ठहराव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर एवं जयपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ियों का प्रायोगिक आधार पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया जायेगा। 10 जनवरी से चलने वाली 19409 साबरमती–थावे एक्सप्रेस पिण्डवाड़ा स्टेशन पर 14.13 बजे पहुंचकर 14.15 बजे प्रस्थान करेगी। 19410 थावे–साबरमती एक्सप्रेस पिण्डवाड़ा स्टेशन पर 05.54 बजे पहुंचकर 05.56 बजे प्रस्थान करेगी। 09 जनवरी से चलने वाली 19269 पोरबंदर–मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस किशनगढ़ स्टेशन पर 12.22 बजे पहुंचकर 12.24 बजे प्रस्थान करेगी। 19270 मुजफ्फरपुर–पोरबंदर एक्सप्रेस किशनगढ़ स्टेशन पर 20.11 बजे पहुंचकर 20.13 बजे प्रस्थान करेगी। 15715 किशनगंज–अजमेर एक्सप्रेस किशनगढ़ स्टेशन पर 20.17 बजे पहुंचकर 20.19 बजे प्रस्थान करेगी। 15716 अजमेर–किशनगंज एक्सप्रेस किशनगढ़ स्टेशन पर 12.27 बजे पहुंचकर 12.29 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ियों का संचालन रहेगा प्रभावित

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के रजवारी–कादीपुर स्टेशनों के मध्य समपार संख्या–09 पर सीमित ऊंचाई के सब–वे निर्माण के लिए गर्डर लंचिंग के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक लिये जाने के कारण गाड़ियों का नियंत्रण रहेगा। नियंत्रण–55131 बलिया–प्रयागराज रामबाग सवारी गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी को मार्ग में 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। 65109 आज़मगढ़–वाराणसी सिटी मेमू गाड़ी 10 एवं 16 जनवरी को मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है।, कार्य का नामः– बनारसः– कोचिंग डिपो में बाउंड्री वाल का प्रावधान (1730 मीटर लंबा) तथा नए ट्रिप इलेक्ट्रिक लोको शेड में अतिरिक्त स्टोर रुम, मशीनरी एवं संयत्र का निर्माण।, ई–निविदा सूचना सं०:– एनईआर–बीएसबी – 2025 – 136, अनुमानित लागत (₹):– 3,54,22,038/–, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹):– 3,27,100/–, निविदा बन्द होने की तिथिः–30.01.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन /अवधि की तिथिः– 10 माह, • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2025–136 दिनांक 30.01.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेगे।, • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे, • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०)

मुजाधि/डब्लू–403 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

बैठक | महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें निर्माण परियोजनाएं

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में महाप्रबन्धक सभाकक्ष में बुधवार को कार्य समीक्षा बैठक हुई। जिसमें महाप्रबन्धक ने पूर्वोत्तर रेलवे पर संरक्षा, सुरक्षा, यात्री सुविधा, यातायात सुविधा एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर सम्बन्धित कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में यात्री सुविधा के विकास एवं विस्तार को लेकर समपारों पर संरक्षा के सुदृढ़ीकरण, कर्मचारियों के लिए नये रेल आवासों, शेडों के विकास, वंदे भारत एक्सप्रेस के रेक के अनुरक्षण, पार्सल एवं गुड्स शेड के कार्य, दिव्यांगजन के लिए सुविधाओं, फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) पर रैम्प, प्लेटफॉर्मों का उच्चीकरण एवं विस्तार, संरक्षा एवं सुरक्षा के कार्य, कैटल रन ओवर (सी.आर.ओ.) से बचाव, बैरकों का निर्माण, क्षमता विस्तार के कार्य, स्टेशनों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिये हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था आदि विभिन्न विषयों पर विस्तारित चर्चा हुई।

कार्य समीक्षा बैठक करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

महाप्रबन्धक ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित अवधि में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करें तथा लम्बित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यों में तेजी लाकर पूरा किया जाये। उन्होंने कहा कि रेलवे के सभी पोर्टल की नियमित आधार पर मॉनिटरिंग की जानी चाहिये, जिससे रेलवे की कार्यप्रणाली सुचारू रूप से कार्यरत रहे। श्री बोरवणकर ने कहा कि कार्यों को पूर्ण करने हेतु उचित योजना बनाया जाना अनिवार्य है, क्योंकि अगर सही तरीके से योजना बना ली तो समझो कि आधा काम पूरा हो गया है। महाप्रबन्धक ने कहा कि सभी परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करें। इसके अतिरिक्त उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही अन्य निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की।

अपहरण में वांछित अभियुक्त को दबोचा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। प्रभारी निरीक्षक सिद्धार्थनगर दुर्गा प्रसाद के नेतृत्व में थाना सिद्धार्थनगर पुलिस ने बुधवार को अपहरण के मामले में वांछित अभियुक्त जितेन्द्र गौंड निवासी महदेवा खुर्द थाना को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 7791/02कामअयो0अम्बे0वृत्त/2025 दिनांक 31.12.2025

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्र संख्या 7371/2 काम अयो0अम्बे0वृत्त/2025 दिनांक 12.12.2025 द्वारा ई–टेण्डरिंग एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसके क्रम में निविदा दिनांक 18.12.2025 से 06.01.2026 के अपरान्ह 12:00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड की जानी है, किन्तु अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदा दिनांक 13.01.2026 के अपरान्ह 12:00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड की जायेंगी एवं निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 13.01.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या

UP-243618 दिनांक 06.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार क कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं शिवम रस्तोगी पुत्र जवाहर लाल रस्तोगी निवासी– मकान नं0 498/186क, विवेकानन्दपुरी, चांदगंज, रैदास मन्दिर, न्यू हैदराबाद, लखनऊ–226007 मेरे पुत्र का वर्तमान नाम अहान शिवम रस्तोगी अंकित है तथा जिसकी जन्मतिथि 16.02.2015 है। मेरे पुत्र का पूर्व में नाम अहान शिवम था। अब मेरे पुत्र को वर्तमान नाम अहान शिवम रस्तोगी से भविष्य में जाना–पहचाना व समझा जावे।

सूचना
मैंने अपना नाम SHASHI KUMAR से बदल कर SHASHI KUMAR BABULAL रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: BABU LAL R/O:ATARIYA GAGAN BACHHAULI UNNAO UTTAR PRADESH-241503

सूचना
मैं पूर्व सैनिक आर्मी न0 14916983W हवलदार दयाराम निवासी A-94 सैनिक नगर अहिरवा कानपुर का निवासी है मेरी पुत्री का नाम अन्य अभिलेख में त्रुटिवश नाम, कुमारी जूली पाल Kumari Juli Pal) अंकित है जबकि वास्तविक नाम, जूली कुमारी है (Juli Kumari) है। यही पढ़ा और समझा जाय।

सूचना
मेरे ग्लोकल यूनिवर्सिटी सहारनपुर का बी.ए. (Enroll: GI015R6110– 2016, 2017, 2018) तथा एम.ए. (Enroll: GHU/AR/5232& 2019, 2020) के मूल शैक्षणिक दस्तावेज़ बिस्कोहर से बलरामपुर आते समय बैग खो गया है। अजीत सिंह पुत्र सुरेन्द्र पाल सिंह ग्राम सिकरा बुजुर्ग, पोस्ट बिस्कोहर बाज़ार, जिला सिद्धार्थनगर मो. न. 9918611953

सूचना
मैं गोपाल त्रिवेदी पुत्र पुरुषोतम नरायन त्रिवेदी निवासी मो0 ग्रेसीगंज कस्बा हसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज, मेरा पुत्र निखिल त्रिवेदी बहुत ही बदतमीज किस्म का है, उसका आचरण व चाल–चलन ठीक नहीं है। वह अराजकतत्वों की गतिविधियों में लिप्त रहता है। इसलिए अपने पुत्र निखिल त्रिवेदी को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है अब मै उससे किसी भी प्रकार का कोई सम्बन्ध नहीं रखूगा। मेरे पुत्र द्वारा किसी भी व्यक्ति से कोई लेन–देन या कोई आपराधिक या किसी भी प्रकार का कोई कृत्य करता है, तो मै उसके लेनदेन व उसके द्वारा किये गये कृत्य का उत्तरदायी नहीं हूंगा।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम रामरूप सुत झरिहग है। जो कि मेरे शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड संख्या – 427800188754 में मेरा नाम रूपचन्द्र यादव हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम रामरूप सुत झरिहग के नाम से जाना व पहचाना जाय। एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिक्तायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी है। रामरूप सुत झरिहग नि0ग्रा0– गोपालापुर पोस्ट शाहपुर हरिवंश तहसील लम्भुआ, जनपद सुलतानपुर उ0प्र0। पिन कोड 222302

सूचना
सूचित हो कि मैं अब्दुल सलाम अब्दुल बाकी (53) वर्ष का हूं। निवासी अब्दुल बाकी मकान संख्या 264/76 बिलोचपुरा, राजेन्द्र नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226004 का रहने वाला हूं। मेरा पुत्र अब्दुल अल्लाम सिद्दीकी है। जो क्राइस्ट चर्च कालेज में कक्षा 10वीं का छात्र है। मेरे बेटे के स्कूल में अब्दुल सलाम सिद्दीकी लिखा गया है, जोकि गलत है जबकि अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा सही नाम अब्दुल सलाम अब्दुल बाकी के रूप में दर्ज है, जो सत्य और सही है। अब्दुल सलाम अब्दुल बाकी का पुत्र अब्दुल अल्लाम सिद्दीकी के विद्यालय के सभी दस्तावेजों में अब्दुल सलाम अब्दुल बाकी के रूप में दर्ज किया जाए। जो सत्य व सही है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कपिल देव पुत्र रामदेव निवासी तिघेरवा मजरे मांझगांव तहसील महराजगंज जिला रायबरेली का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में सही नाम कपिल देव (KAPIL DEV) पुत्र रामदेव (Ramdev) अंकित है, जबकि ड्राइविंग लाइसेंस में कपिल देव वर्मा पुत्र रामदेव वर्मा व पता त्रुटिपूर्ण अंकित हो गया है। आधार कार्ड में अंकित नाम और उल्लेखित पता ही सही है।

सूचना
मैसन्तोष कुमारी पत्नी स्व0 राम अवध पता–ग्राम पसका पाण्डेयपुरवा परसपुर, तह0 कनैलगंज, जिला– गोण्डा उ0प्र0 वर्तमान पता– 19/630, इन्दिरानगर लखनऊ–226016 उ0प्र0, मेरे आधार कार्ड जिसका नं0 931178421748 में मेरा नाम राजपती पत्नी राम अवध, दर्ज हो गया है। जोकि गलत है। मेरे उ0प्र0 की त्रिस्तरीय पंचायतो के सामान्य निर्वाचन 1995 में मै सदस्य ग्राम पंचायत पसका निर्वाचित हुई थी जिसके प्रमाण पत्र पर मेरा नाम संतोष कुमारी दर्ज है एवं राजस्व अभिलेख खतौनी में भी मेरा नाम सन्तोष कुमारी पत्नी राम अवध दर्ज है। जो कि सही है। अतः मेरे आधारकार्ड में उपरोक्त नाम सन्तोष कुमारी पत्नी स्व0 राम अवध दर्ज किया जाय।

न्यूज ब्रीफ

चीनी मिल का बॉयलर फटा, तीन की मौत

बेलगावी। बेलगावी जिले में एक चीनी मिल के बॉयलर में बुधवार को विस्फोट हो जाने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई और छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मराकुंबी स्थित इनामदार चीनी मिल में यह घटना घटी। मृतकों की पहचान अक्षय टोपाडे, दीपक मुन्नोली और सुदर्शन बनोशी के रूप में हुई है। बेलगावी ग्रामीण जिले के एसपी ने बताया कि अपराह्न दो बजे हुए हादसे में तीन दो लोगों की मौत हो गई।

हादसे में दो लोगों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में सिरी फोर्ट के पास बुधवार तड़के एक एसयूवी गाड़ी ने एक टैक्सी को टक्कर मार दी, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक पीड़ितों की पहचान टैक्सी चालक गिरजा कुमार भारद्वाज तथा नेहरू नगर के रणजीत और सुमित के रूप में हुई है। हादसे में गिरजा और रणजीत की मौत हो गई, सुमित की हालत गंभीर बनी हुई है।

173 कॉमन सर्विस सेंटरों की आईडी निलंबित

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिला प्रशासन ने कॉमन सर्विस सेंटरों के संचालन में नियमों की अनदेखी और मानकों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करते हुए जिले भर के 173 सीएससी केंद्रों की आईडी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कदम केंद्रों के अव्यवस्थित संचालन और आम नागरिकों को मिल रही सेवाओं की गुणवत्ता के लिए उठाया गया है।

बीएसएनएल कार्यालय में आग से संचार ठप

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर में बुधवार को बीएसएनएल के मुख्य कार्यालय में आग लगने के बाद भरतपुर एवं धौलपुर क्षेत्र में बीएसएनएल की सभी संचार सेवाएं ठप हो गयीं। शहर के कृष्णा नगर क्षेत्र स्थित बीएसएनएल कार्यालय में आग लग गयी। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बीएसएनएल के सूत्रों ने बताया कि आग लगने के बाद अफरातफरी के बीच कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की सूचना के बाद पुलिस, दमकल और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे।

आग में 300 साल पुराना जुन्गा महल खाक

शिमला। हिमाचल प्रदेश में जुन्गा रियासत के करीब 300 साल पुराने महल में बुधवार दोपहर भीषण आग लग गई, जिससे इस ऐतिहासिक महल को व्यापक नुकसान पहुंचा है। शिमला से करीब 26 किमी दूर ढली थाना क्षेत्र के पुराना जुन्गा में स्थित यह महल कभी क्योंथल रियासत के मुख्यालय के रूप में उपयोग किया जाता था। जुन्गा पुलिस चौकी को दोपहर करीब एक बजे पुराने महल में आग लगने की सूचना मिली। पुलिस ने तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया। माल रोड, छोटा शिमला और बॉइलगंज से तीन दमकल गाड़ियां स्थानीय निवासियों के मदद से कई घंटे तक आग बुझाने के की कोशिश में लगी रहीं। उन्होंने बताया कि आग महल की ऊपरी मंजिल से शुरू हुई।

राष्ट्रीय छत्तीसगढ़ माओवादी समर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से 13 पर 65 लाख का इनाम है। छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीतिके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुकमा पुलिस पूना मार्गेम पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान चला रही है। इससे प्रभावित होकर 26 माओवादियों ने आज सुकमा जिले में आत्मसमर्पण कर दिया।

न्यायमूर्ति वर्मा की जांच को समिति गठन पर रोक नहीं

राज्यसभा की ओर से प्रस्ताव खारिज करने के प्रकरण में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है। इस प्रकरण में राज्यसभा की ओर से प्रस्ताव खारिज करने के प्रकरण में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह टिप्पणी की। हालांकि शीर्ष अदालत ने अपनी मौखिक टिप्पणी में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा समिति के गठन के तरीके में कुछ खामियां हैं। वह इसकी पड़ताल करेगा कि क्या यह खामी कार्यवाही को समाप्त करने के लिए पर्याप्त है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की इस दलील से असहमति जताई कि राज्यसभा सभापति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उप

• न्यायालय ने कहा- लोस अध्यक्ष की समिति के गठन के तरीके में कुछ खामियां, करेंगे पड़ताल

सभापति को (न्यायाधीश को पद से हटाने के लिए) प्रस्ताव लाने के लिए सौंपे गए नोटिस को खारिज करने का अधिकार नहीं है।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि हम रोहतगी के पहले और दूसरे बिंदु (जांच समिति का गठन और राज्यसभा के उपसभापति द्वारा प्रस्ताव के नोटिस को खारिज करने की कार्रवाई) से सहमत नहीं हैं... हमें केवल यह विचार करना है कि क्या हमें अनुच्छेद 32 के तहत हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि क्या उस व्यक्ति (न्यायमूर्ति वर्मा) को संयुक्त समिति (लोकसभा और राज्यसभा दोनों की) का लाभ मिलना चाहिए था...। पीठ न्यायमूर्ति वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें उनके आवास पर अधजले नोट बरामद होने के संबंध में जांच के लिए गठित संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी।

मणिपुर हिंसा : 48 मिनट के ऑडियो की फॉरेंसिक जांच का आदेश

उच्चतम न्यायालय ने 48 मिनट की उस ऑडियो रिकॉर्डिंग की फोरेंसिक जांच का आदेश दिया जिसे लेकर एक याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह लीक हुई क्लिप 2023 की जातीय हिंसा में मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की भूमिका की ओर इशारा करती है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि लीक हुई ऑडियो को फॉरेंसिक जांच को नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) गांधीनगर भेजा जाए। पीठ ने आदेश दिया कि कथित बातचीत के साथ मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री की स्वीकार की गई वॉयस रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है।

मध्यस्थता निर्णयों को चुनौती देना मूल उद्देश्य को कर देगा विफल

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अगर अदालतों को हर स्तर पर हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जाती है और मध्यस्थता निर्णयों को उसके समक्ष चुनौती दी जाती है तो यह मध्यस्थता कानून के मूल उद्देश्य को ही विफल कर देगा। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि मध्यस्थता व सुलह अधिनियम 1996 एक विशेष अधिनियम है जिसका उद्देश्य संविदात्मक या वाणिज्यिक विवादों को अदालत के न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ मध्यस्थता के माध्यम से हल करना है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के मार्च 2021 के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शब्बीर शाह की जमानत पर 13 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की जमानत याचिका पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। यह याचिका न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्वेस अलगाववादी नेता की ओर से पेश हुए थे। शब्बीर ने पिछले साल 12 जून को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जमानत देने से इन्कार किए जाने संबंधी आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार सितंबर को शब्बीर को अंतरिम जमानत देने से इन्कार कर दिया था और उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

दिल्ली और एनसीआर समेत उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप

नई दिल्ली, एजेंसी

• दिल्ली में तापमान पांच डिग्री पहुंचने की आशंका

घने कोहरे व भीषण ठंड के बीच दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अन्य राज्यों में और ठंड बढ़ने की आशंका है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में अधिकतम तापमान 14 और न्यूनतम तापमान पांच-सात डिग्री रहने की आशंका है। विभाग ने कई जगहों पर हल्के और घने कोहरे की चेतावनी दी है। दूसरी ओर, देश के अन्य राज्यों में भी घने कोहरे व ठंड का प्रकोप जारी है। हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में तापमान पांच डिग्री से भी नीचे है।

बुधवार को हरियाणा में नारनौल ठंडा स्थान रहा। पंजाब में बठिंडा का सबसे ठंडा रहा। अमृतसर, लुधियाना, पटियाला और गुरदासपुर में भी पारा औसत से नीचे रहा। राजस्थान व झारखंड में ठंड से आम जीवन प्रभावित है। राजस्थान में अलवर जिले में कड़ाके की सर्दी का असर है। बुधवार को कोहरा से दृश्यता 40 मीटर थी। झारखंड में इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ रही है। पश्चिम बंगाल के कई जिलों में तीन से पांच दिनों तक भीषण ठंड पड़ने की आशंका है। पहाड़ी इलाकों में बुधवार को दार्जिलिंग सबसे ठंडा रहा।

ओडिशा के कई हिस्सों में बुधवार को तापमान में गिरावट आई। राज्य के 20 से अधिक स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। कंधमाल जिले का जी. उदयगिरि राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा।

कश्मीर घाटी शीतलहर की चपेट में

कश्मीर घाटी के अधिकतर हिस्सों में रात का तापमान शून्य से नीचे रहा। गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल सोनमर्ग सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा शून्य से 10 .1 डिग्री नीचे रहा। बारामूला जिले में स्थित गुलमर्ग के तापमान में एक डिग्री का सुधार हुआ। श्रीनगर, पहलगाम, काजीगुंड के अलावा कोकेरनाग और कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया।

सोमनाथ मंदिर को लेकर भाजपा व कांग्रेस के बीच छिड़ा वाकयुद्ध

• परि भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को थी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सोमनाथ मंदिर को अतीत में महमूद गजनी और अलाउद्दीन खिलजी ने लूटा था, लेकिन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को भगवान सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत थी। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर आरोप लगाया कि नेहरू अपनी तुष्टीकरण की अंधी राजनीति से स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण नहीं चाहते थे, जिसके अनुसरण में उन्होंने मुगल आक्रांताओं का महिमामंडन करने से भी परहेज नहीं किया।

त्रिवेदी ने नेहरू के पत्रों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि नेहरू ने पाकिस्तानी दुष्प्रचार का सामना करने या भारत की सभ्यतागत स्मृति का बचाव करने के बजाय, हिंदू धर्म के ऐतिहासिक प्रतीकों को कम महत्व देकर पाकिस्तान को खुश करने का विकल्प चुना और आंतरिक आत्मविश्वास के बजाय बाहरी तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी।

उन्होंने कहा कि इसका सबसे उल्लेखनीय उदाहरण पंडित नेहरू द्वारा 21 अप्रैल, 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखा गया पत्र है। नेहरू ने खान को प्रिय नवाबजादा कहकर संबोधित किया और सोमनाथ मंदिर के दरवाजों की कहानी को पूरी तरह से झूठा बताया। पंडित नेहरू ने एक तरह से लियाकत अली खान के सामने आत्मसमर्पण करते हुए लिखा कि सोमनाथ मंदिर के निर्माण जैसा कुछ भी नहीं हो रहा।

झूठ फैला रही भाजपा, नेहरू ने गांधी-पटेल की नीति का पालन किया था : कांग्रेस

कांग्रेस ने सोमनाथ मंदिर और पंडित जवाहरलाल नेहरू पर भाजपा के दावे को झूठ करार देते हुए कहा कि नेहरू ने महात्मा गांधी और सरदार पटेल की सहमति से तय उस नीति का पालन किया था कि धर्मस्थल के निर्माण में सरकारी पैसे का उपयोग नहीं होना चाहिए। मुख्य विपक्षी दल ने सवाल किया है कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि क्या राम मंदिर के शिलान्यास के समय तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और इसके उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को क्या इसलिए नहीं आमंत्रित किया गया कि कि वे दलित और आदिवासी समुदाय से आते हैं? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी नेता पीयूष बबेले का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया था, जिसमें भाजपा के आरोपों पर विस्तृत जवाब दिया गया है। कांग्रेस नेता बबेले ने कहा कि सुधांशु त्रिवेदी पंडित नेहरू और सोमनाथ मंदिर को लेकर अर्धसत्य परोस रहे हैं, झूठ फैला रहे हैं। वे नेहरू के कुछ चुनिंदा पत्र को निकालते हैं और आगे एवं पीछे के पत्रों को अलग कर देते हैं ताकि झूठ सच लगने लगे।

महिला ने लगाया पुलिस पर निर्वस्त्र करने का आरोप

हुबली। कर्नाटक में हाल में सरकारी अधिकारियों पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार की गई भाजपा की महिला पदाधिकारी ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसे निर्वस्त्र कर दुर्व्यवहार किया था।

पुलिस ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि महिला ने खुद कपड़े उतारे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। महिला द्वारा काटे जाने से उन्हें चोटें भी आईं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस घटना के लिए महिला को दोषी ठहराया, जबकि भाजपा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उसकी पार्टी पदाधिकारी को निर्वस्त्र किया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे विवाद खड़ा हो गया। हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन शशिकुमार ने बुधवार को महिला के आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि महिला ने अपने कपड़े उतार दिए और दो एसआई समेत चार अधिकारियों को काट भी लिया। पुलिस ने कहा कि जब टीम उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो महिला ने गिरफ्तारी का विरोध किया।

डेटा सुरक्षा उल्लंघन से जुड़ी याचिका पर आरबीआई और केंद्र से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने निजता एवं डेटा संरक्षण के अधिकार के उल्लंघन से जुड़ी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से बुधवार को जवाब तलब किया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा डिजिटल ऋण एप के माध्यम से उधारकर्ता के निजता और डेटा संरक्षण के अधिकार का उल्लंघन किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने पाया कि हिमाक्षी भार्गव द्वारा दायर जनहित याचिका में गंभीर चिंताएं उठाई गई हैं और इस मामले में केंद्र तथा आरबीआई को नोटिस जारी किया।

पीठ ने कहा कि हम आपके द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर चिंतित हैं। हम आरबीआई से याचिका में लगाए गए आरोपों और 2025 (डिजिटल ऋण) दिशानिर्देशों के प्रवर्तन के लिए की गई कार्रवाई के संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश देते हैं। आरबीआई द्वारा दाखिल किए हलफनामे में इन निर्देशों के उल्लंघन के मामले में संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता कुणाल मदन और मनवे सरवागी के माध्यम से जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता युगल जैन और टीना भी उपस्थित रहे।

• डिजिटल ऋण एप से उधारकर्ता के डेटा संरक्षण के अधिकार के उल्लंघन का आरोप

याचिका में आरोप लगाया कि भारतीय रिजर्व बैंक के 2025 के डिजिटल ऋण दिशानिर्देश जारी होने के बावजूद कुछ डिजिटल ऋण देने वाले एप प्रतिबंधित मोबाइल फोन संसाधनों जैसे संपर्क सूचियों और कॉल लॉग तक पहुंच हासिल कर लेते हैं। अत्यधिक व्यक्तिगत और उपकरण-स्तरीय डेटा एकत्र करते हैं और जबरन सहमति मांगने वाले तंत्र का इस्तेमाल करते हैं। याचिका में तर्क दिया, उधारकर्ताओं को सेवाओं का लाभ उठाने की शर्त के रूप में व्यापक और गोपनीय नीतियों को स्वीकार करने के लिए बाध्य किया जाता है जिससे सहमति अनैच्छिक हो जाती है और यह दिशा-निर्देशों की धारा 12 के विपरीत हो जाती है। डेटा संग्रह के तरीके असंगत हैं और उनका केवाईसी या क्रेडिट मूल्यांकन जैसे वैध उद्देश्यों से कोई उचित संबंध नहीं है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि नवंबर 2025 में उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को विशिष्ट उल्लंघनों का उल्लेख करते हुए एक विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जनहित याचिका में आरबीआई को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया कि वह ऋण दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं के खिलाफ शीघ्र एवं समयबद्ध कार्रवाई करे।

कांग्रेस-एआईएमआईएम से भाजपा का गठबंधन

मुंबई, एजेंसी

• महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा के कदम से सियासत गरमाई
• कांग्रेस ने 12 पार्षदों और ब्लॉक अध्यक्ष को कर दिया निलंबित

भाजपा की दो स्थानीय इकाइयों ने एक चौंकाने वाले कदम के तहत महाराष्ट्र की दो नगर पालिका परिषदों में धुर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ चुनाव बाद गठबंधन कर लिया जिससे सत्ताधारी दल और विपक्षी दलों के प्रदेश नेतृत्व में नाराजगी फैल गई। ठाणे जिले के अंबरनाथ में कांग्रेस और अकोला जिले के अकोट में असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन के चलते भाजपा नेताओं को नगर पालिका परिषद का अध्यक्ष चुना गया है। इस असहज स्थिति पर कांग्रेस ने बुधवार को अंबरनाथ नगर पालिका परिषद के अपने 12 नवनिर्वाचित पार्षदों और ब्लॉक अध्यक्ष को निलंबित कर दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने अकोट के विधायक प्रकाश भरसखाले को कारण बताओ नोटिस जारी कर उन पर पार्टी की विचारधारा को कमजोर करने और पार्टी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है। नोटिस में कहा गया कि अकोट नगर पालिका परिषद चुनाव-2025 में आपने अकोट नगर पालिका परिषद में एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया, जिससे भाजपा पार्टी की विचारधारा और नीति को ठेस पहुंची। इसके अलावा, ऐसा करते समय आपने किसी को भी विश्वास में नहीं लिया और इस कृत्य से आपने पार्टी की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। नोटिस में कहा गया कि आपको निर्देश दिया जाता है कि आप तुरंत स्पष्टीकरण दें कि आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए।

वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों से गठबंधन पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस तरह की व्यवस्थाओं को भाजपा नेतृत्व द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया था और यह अनुशासन का उल्लंघन है। महायुति में भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने इस घटनाक्रम को 'गठबंधन धर्म' के प्रति विश्वासघात बताया, क्योंकि अंबरनाथ में की गई व्यवस्था का उद्देश्य एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी को स्थानीय निकाय की बागडोर संभालने से रोकना था। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) ने कहा कि ये व्यवस्था भाजपा के दोहरे मापदंड और सत्ता हथियाने के लिए किसी भी हद तक जाने की उसकी तत्परता को दर्शाती है।

भाजपा ने 20 दिसंबर को हुए स्थानीय चुनावों के बाद अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ 'अंबरनाथ विकास आघाडी' (एवीए) के बैनर तले गठबंधन करके अंबरनाथ नगर पालिका परिषद का नेतृत्व संभाला और सहयोगी शिवसेना (एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली) को दरकिनार कर दिया। भाजपा ने अकोला जिले की अकोट नगर पालिका परिषद में असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और अन्य पार्टियों के साथ इसी तरह का गठबंधन किया।

एसआईआर : अमर्त्य सेन को नोटिस देने पर भड़की टीएमसी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को नोटिस जारी किया है, जिसमें 92 वर्षीय अर्थशास्त्री को 16 जनवरी को उनके आवास पर सुनवाई के लिए बुलाया गया है। तृणमूल कांग्रेस ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'शर्मनाक तमाशा' बताया। अधिकारियों ने बताया कि सेन वर्तमान में विदेश में हैं, इसलिए नोटिस उनके पैतृक निवास, शांतिनिकेतन, बोलपुर में रह रहे उनके परिवार के सदस्य को दिया गया है। वहीं बंगाल के मालदा जिले में बीएलओ की बुधवार को मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि एसआईआर के अत्यधिक कार्यभार से वह तनाव में थीं।

अप्रैल से सितंबर के बीच होगा जनगणना का पहला चरण

नई दिल्ली, एजेंसी

• गृह मंत्रालय की ओर से जारी की गई अधिसूचना

जनगणना 2027 का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में घरों की सूची बनाने के अभियान के साथ इस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच होगा। बुधवार को जारी एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई।

इस दौरान, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा 30 दिन की अवधि निर्दिष्ट की गई है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि घरों की सूची बनाने का 30 दिन का अभियान शुरू होने से ठीक पहले 15 दिनों की अवधि में स्व-गणना कराने का विकल्प भी होगा। हर दस वर्षों में होने वाली जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी। यह पहले 2021 में होनी थी।

जनगणना करने की यह कवायद दो चरणों में संपन्न की जाएगी <bha>--</bha> अप्रैल से सितंबर 2026 तक घरों की सूची बनाना और आवास गणना, और फरवरी 2027 में आबादी की गणना। भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, "केंद्र सरकार घोषणा करती है कि भारत की जनगणना 2027 के तहत घरों की सूची बनाने का कार्य एक अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्दिष्ट 30 दिनों की अवधि के दौरान किया जाएगा।

जामा मस्जिद के आसपास भी गिराए जाएंगे अवैध निर्माण

नई दिल्ली, एजेंसी

• दिल्ली हाईकोर्ट ने नगर निगम को दिए अवैध निर्माणों के सर्वे के आदेश

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को जामा मस्जिद इलाके और उसके आसपास के निर्माण का व्यापक सर्वेक्षण करने तथा इस दौरान मिलने वाले किसी भी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने नागरिक निकाय को दो महीने के भीतर सर्वेक्षण पूरा करने का आदेश दिया।

आदेश में कहा गया कि अगर एमसीडी को कोई अनधिकृत निर्माण मिलता है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाये। पीठ ने जनहित याचिका (पीआईएल) का निपटारा करते हुए कहा, हम एमसीडी के अपीलीय अधिकारियों को इस याचिका में किये गये दावों पर विचार करने, उनकी पुष्टि करने और दो महीने के भीतर सर्वेक्षण करने का निर्देश देते हैं। यदि कोई अवैध निर्माण पाया जाता है तो कानून के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश अधिवक्ता हेमंत चौधरी के माध्यम से पुरानी दिल्ली के स्थानीय निवासियों की ओर से दायर याचिका पर पारित किया गया।

याचिका में एमसीडी से संबंधित सार्वजनिक पार्कों और सार्वजनिक भूमि पर कथित अतिक्रमणों को हटाने के साथ ही जामा मस्जिद के आसपास अवैध निर्माणों को हटाने की मांग की गयी थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि सार्वजनिक भूमि पर अवैध पार्किंग सुविधाओं, अस्पतालों, फेरीवालों और व्यावसायिक स्टॉलों ने अतिक्रमण कर लिया है। जामा मस्जिद के आसपास की खुली जगहों पर अनधिकृत निजी निर्माणों ने कब्जा कर लिया है। इसमें दावा किया गया कि मीनारों पर कोल्ड ड्रिंक की दुकानें चल रही थीं।

50 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी में दो गिरफ्तार

हैदराबाद। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की 50 करोड़ की कथित चोरी के अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई ने छह जनवरी को दोनों को गिरफ्तार किया।

ऑरेंज पैसेंजर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार ने 28.24 करोड़ रुपये का जीएसटी (जीएसटी) एकत्र किया था लेकिन नियत तारीख से तीन महीने बीत जाने के बाद भी इसे सरकार के पास जमा नहीं कराया था। वहीं अन्य मामले में ट्रिलियन लीड फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चेतन एन. 22 करोड़ रुपये के फर्जी 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' की साजिश रची।

अनुसंधान | वैज्ञानिकों ने कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर तैयार किया स्लीपएफएम

नींद के आंकड़ों से बीमारी बताएगा एआई मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुसंधानकर्ताओं ने कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल करके एक मॉडल बनाया है जो नींद के आंकड़ों से 100 से अधिक अलग-अलग स्वास्थ्य स्थिति के खतरे का अनुमान लगा सकता है। एक शोध में इसकी जानकारी दी गयी है।

इस मॉडल को स्लीपएफएम नाम दिया गया है, जिसे अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं समेत अन्य लोगों ने मिलकर बनाया है। इस अनुसंधान में 65,000 लोगों ने हिस्सा लिया और उनसे एकत्र किए गए करीब छह लाख घंटे के नींद के आंकड़ों पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। नेचर मेडिसिन नामक पत्रिका में छपे एक पेपर में बताई गई इस कृत्रिम मेधा प्रणाली को शुरू में नींद के विश्लेषण से जुड़े मानक कार्यों पर परखा गया था, जैसे नींद के अलग-अलग चरण को रिकार्ड करना या स्लीप एपनिया की गंभीरता का पता लगाना। इसके बाद इस मॉडल का इस्तेमाल नींद के आंकड़ों का विश्लेषण करके भविष्य में होने वाली बीमारी का अनुमान लगाने के लिए किया गया, जिसमें हेल्थ रिकॉर्ड का डेटा एक स्लीप क्लिनिक से लिया गया था। स्वास्थ्य रिकॉर्ड में 1,000 से ज्यदा बीमारियों की श्रेणी रखी गईं और मरीज के सोने के आंकड़ों का इस्तेमाल करके 130 बीमारियों का अंदाज़ा सटीकता से लगाया जा सका। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि एआई प्रणाली के अनुमान कैंसर, प्रेग्नेंसी की दिक्कतों, सर्कुलेटरी बीमारियों और मेंटल डिसऑर्डर के लिए बहुत अच्छे पाए गए।

• सौ से अधिक स्वास्थ्य स्थिति के खतरे का लगा सकेगा अनुमान

नींद के दौरान कलेक्ट करते हैं डेटा

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के मनोरोग एवं व्यवहार विज्ञान विभाग में स्लीप मेडिसिन के प्रोफेसर और सीनियर लेखक इमैनुएल मिग्नोट ने कहा कि जब हम नींद का अध्ययन करते हैं तो हम बहुत सारे सिग्नल रिकॉर्ड करते हैं। यह एक तरह की जनरल फिजियोलॉजी है जिसका हम एक ऐसे व्यक्ति पर आठ घंटे तक अध्ययन करते हैं जो पूरी तरह से हमारे कंट्रोल में होता है। इसमें बहुत सारा डेटा होता है। पॉलीसोम्नोग्राफी – जिसे नींद के अध्ययन में गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है – नींद का डेटा इकट्ठा करने का एक आम तरीका है जो सेंसर का इस्तेमाल करके दिमाग की एक्टिविटी, दिल के काम, सांस के सिग्नल और आंखों की हरकतों के साथ-साथ दूसरी चीज़ों को रिकॉर्ड करता है।

अगर आपको किसी के सामने कुछ समय के लिए झुकना भी पड़े, तो वीरों की तरह झुकना।
-सुभाष चंद्र बोस

'पुनरीक्षण' का पुनरीक्षण हो

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के एसआईआर के बाद नई मसौदा मतदाता सूची ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता से अधिक उसकी समावेशिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले की प्रकाशित सूची में 15.44 करोड़ मतदाता दर्ज थे, लेकिन नई ड्राफ्ट सूची में 2.89 करोड़ नामों का बाहर होना आनुपातिक रूप से असाधारण है। सबसे अधिक लगभग 19 प्रतिशत मतदाताओं का अवैध होना प्रक्रिया की परिशुद्धता पर शंका पैदा करता है। तमिलनाडु व गुजरात में लगभग 15 प्रतिशत नाम कटने की तुलना में यूपी का 19 प्रतिशत का आंकड़ा दो ही संभावनाएं दिखाता है, या तो यहां एसआईआर असाधारण सख्ती से हुआ या फिर लापरवाही से।

लखनऊ में 30 प्रतिशत से अधिक, गाजियाबाद में 29 प्रतिशत, मेरठ, गौतम बुद्ध नगर और कानपुर नगर में 25 प्रतिशत तथा बरेली में 21 प्रतिशत नाम कटना इस सवाल को तीखा करता है कि क्या पिछले चुनावों तक हर चौथा मतदाता 'अवैध' था, या फिर तंत्र ने बहुत से वैध मतदाताओं को ही छांट दिया। लोकतंत्र में मतदाता सूची का शुद्ध होना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसका समावेशी होना भी। यदि शुद्धिकरण की प्रक्रिया ही वंचना का माध्यम बन जाए, तो यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला कदम होगा। इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने से एसआईआर की पारदर्शिता और चुनाव आयोग की कार्यकुशलता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। सरकार और आयोग की मंशा भले ही यह हो कि कोई वैध मतदाता न छूटे, लेकिन वर्तमान आंकड़े इस लक्ष्य से मेल नहीं खाते। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह पारदर्शिता, समयसीमा में राहत और पुनः नाम जोड़ने की सरल व्यवस्था के साथ इस प्रक्रिया पर पुनर्विचार करे, क्योंकि लोकतंत्र में एक भी वैध मत का खोना, व्यवस्था की हार होती है। सत्यापन के समय अनुपस्थित पाए गए करीब पौने तीन लाख मतदाताओं के नामों का भविष्य क्या होगा? क्या उन्हें पुनः जोड़ने की सरल, सुलभ और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित है? राज्य की 67 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जहां मोबाइल नेटवर्क, डिजिटल साक्षरता और दस्तावेजों की उपलब्धता सीमित है। अशिक्षितों, अकुशल मजदूरों, गरीबों से यह अपेक्षा करना कि वे काम छोड़कर फॉर्म भरें, तहसील के चक्कर लगाएं और जटिल सत्यापन प्रक्रिया पूरी करें व्यवहारिक नहीं।

ड्राफ्ट सूची में 26 लाख नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज पाए गए हैं; इन्हें हटाना आवश्यक है, लेकिन उससे कहीं अधिक चिंताजनक है 'सेल्फ', 'प्रोजेनी' और 'नाइदर' की श्रेणियों का प्रयोग। काम जल्दी निपटाने के दबाव, गांवों में कमजोर नेटवर्क और लंबी फीडिंग प्रक्रिया के चलते यदि बड़ी संख्या में लोगों को बिना पर्याप्त पुष्टि के कहीं 'नाइदर' श्रेणी में तो नहीं डाल दिया गया, यदि ऐसा हुआ है, तो यह प्रशासनिक सुविधा को नागरिक अधिकारों पर वरीयता देने का उदाहरण होगा। देश के अन्य राज्यों में भी लाखों नाम हटाने की तैयारी है और अनुमान है कि आगामी चरणों में 12–15 करोड़ लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। इसका असर राज्य और आम चुनावों की वैधता, प्रतिनिधित्व और परिणाम, तीनों पर पड़ेगा। निर्णायक सूची बनने से पहले शायद इसका ख्याल रखा जाए।

प्रसंगवश

बच्चों की मानसिक सेहत एक अनदेखा संकट

क्या आज का बच्चा सचमुच बचपन जी रहा है, या वह समय से पहले बड़ा होने को मजबूर कर दिया गया है? जब कंधों पर स्कूल बैग से ज़्यादा अपेक्षाओं का बोझ हो और मुस्कान के पीछे डर व असुरक्षा छिपी हो, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। अंकों, तुलना और स्क्रीन की दुनिया में घिरा बच्चा चुपचाप टूट रहा है और हम उसे 'सामान्य' समझकर आगे बढ़ जाते हैं। यही चुप्पी आज बच्चों की मानसिक सेहत को सबसे गहरा ज़ख़्म दे रही है। भारत में बचपन अब केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं रहा, बल्कि निरंतर दबाव का अनुभव बनता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चे खेलते हैं, सवाल पूछते हैं और दुनिया को समझने की कोशिश करते हैं, उसी उम्र में वे प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं की कसौटी पर तौले जा रहे हैं। शिक्षा, जो कभी विकास का माध्यम थी, अब कई बच्चों के लिए चिंता और डर का स्रोत बन गई है।

डॉ. सुनिधि मिश्रा
असिस्टेंट प्रोफेसर

इस पूरे बदलाव में सबसे ज़्यादा उपेक्षित मुद्दा है— बच्चों की मानसिक सेहत। 2025 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत के 13 से 17 वर्ष के लगभग 7.3 प्रतिशत किशोर किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य विकार से प्रभावित पाए गए हैं। यह आंकड़ा काग़ज़ पर भले छोटा लगे, लेकिन इसका अर्थ है कि हर स्कूल, हर कक्षा और हर मोहल्ले में ऐसे बच्चे मौजूद हैं, जो भीतर ही भीतर संघर्ष कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि मानसिक समस्याओं को खुलकर स्वीकार नहीं किया जाता।

2025 में ही तेलंगाना और कर्नाटक के स्कूलों में किए गए एक बड़े सर्वे में सामने आया है कि लगभग 24 प्रतिशत बच्चों में गंभीर मानसिक तनाव के लक्षण थे। इनमें से 6 से 10 प्रतिशत बच्चों को तत्काल परामर्श और उपचार की आवश्यकता बताई गई। यह स्थिति किसी एक राज्य या वर्ग तक सीमित नहीं है, यह पूरे देश में फैलता हुआ संकट है। फर्क बस इतना है कि कहीं यह शोर बनकर सामने आता है और कहीं खामोशी में दबा रह जाता है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण है शैक्षणिक दबाव। आज बच्चों की योग्यता का मूल्यांकन उनके अंकों, रैंक और तुलना से किया जाता है। 'अच्छा बच्चा' वही माना जाता है, जो बेहतर परिणाम दे सके। असफलता का डर, माता-पिता की अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना बच्चों के मन में स्थायी तनाव पैदा कर रही हैं। परीक्षा अब ज्ञान की जांच नहीं, बल्कि मानसिक सहनशक्ति की परीक्षा बनती जा रही है। कई बच्चे इसी डर में अपनी नींद, रुचियां और आत्मविश्वास खो बैठते हैं।

घरेलू वातावरण भी बच्चों की मानसिक सेहत पर गहरा असर डालता है। पारिवारिक तनाव, आर्थिक दबाव, माता-पिता के बीच तनाव या अत्यधिक नियंत्रण— ये सभी बच्चे के मन में असुरक्षा पैदा करते हैं। 2025 में उत्तराखंड में हुए भारत के पहले समुदाय-आधारित सर्वे में सामने आया कि 35000 से अधिक बच्चे और किशोर मानसिक विकारों, व्यवहारिक समस्याओं और विकास संबंधी चुनौतियों के साथ जीवन जी रहे हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि मानसिक स्वास्थ्य संकट केवल महानगरों की समस्या नहीं, बल्कि गांवों और कस्बों तक फैला हुआ है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि भारत में 80 से 90 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बच्चों को कोई पेशेवर सहायता नहीं मिल पाती। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, प्रशिक्षित काउंसलरों का अभाव और सामाजिक कलंक इस समस्या को और गंभीर बना देते हैं। कई परिवार आज भी मानसिक परेशानी को कमजोरी या बदतमीज़ी मान लेते हैं। परिणामस्वरूप बच्चा अकेला पड़ जाता है।

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण पर किसकी जवाबदेही

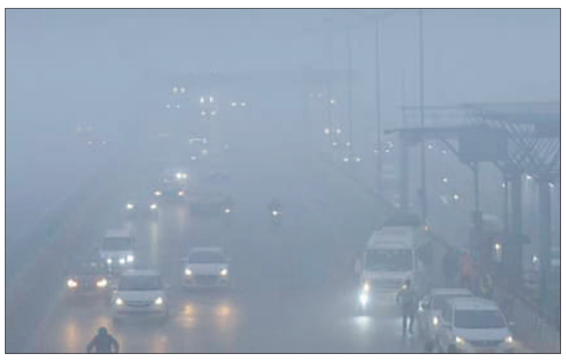

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली आज किसी महानगर की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे विशाल गैस चैंबर की तरह सांस ले रही है, जहां हर सुबह धुंध नहीं, धीमा जहर उतरता है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि वह भयावह यथार्थ है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी के करोड़ों नागरिक हर दिन अपने फेफड़ों में भरने को मजबूर हैं। छह जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने इस कड़वी सच्चाई को एक बार फिर उजागर कर दिया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण अब मौसमी संकट नहीं, स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बन चुका है। अदालत की कड़ी टिप्पणियां केवल एक संवैधानिक संस्था की नाराजगी भर नहीं थी, बल्कि वे उस सामूहिक असफलता का आईना थी, जिसमें नीतियां तो बनीं, योजनाएं भी बनीं, लेकिन जमीन पर उतरते ही उनका दम घुटने लगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की कार्यशैली पर न्यायालय की फटकार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्षों से दी जा रही चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था ने इस संकट की गंभीरता को न तो पूरी तरह समझा और न ही उसे स्वीकार करने का साहस दिखाया।

अदालत के समक्ष सबसे बड़ा और बुनियादी प्रश्न यही था कि आखिर दिल्ली-एनसीआर की हवा हर सर्दी में जानलेवा क्यों बन जाती है, जबकि समाधान की बातें पूरे साल फाइलों, बैठकों और घोषणाओं में गूंजती रहती हैं। आयोग द्वारा दिल्ली की सीमाओं पर स्थित टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के लिए समय मांगना मानो समस्या से बचने का एक और प्रयास था। इस पर न्यायालय का रुख बिल्कुल स्पष्ट था कि अब देरी स्वीकार्य नहीं है। प्रदूषण के कारणों की ठोस पहचान किए बिना समाधान की कोई भी रणनीति केवल दिखावा बनकर रह जाती है। यह भी चिंताजनक है कि आज तक विशेषज्ञ संस्थानों के बीच प्रदूषण के स्रोतों को लेकर स्पष्ट सहमति नहीं बन पाई है। अलग-अलग अध्ययन वाहनों, उद्योगों, निर्माण धूल और पराली को अलग-अलग अनुपात में दोषी ठहराते हैं, जिससे नीति-निर्माण भ्रम और अनिर्णय की दलदल में फंस जाता है।

> दिल्ली एक ऐसे विशाल गैस चैंबर की तरह सांस ले रही है, जहां हर सुबह धुंध नहीं, धीमा जहर उतरता है। यह भयावह यथार्थ है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी के करोड़ों नागरिक हर दिन अपने फेफड़ों में भरने को मजबूर हैं।

न्यायालय ने जिस सख्ती से आयोग को विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और दो सप्ताह के भीतर एक समग्र रिपोर्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया, वह लोकतांत्रिक पारदर्शिता और जवाबदेही की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। प्रदूषण के कारणों को सार्वजनिक करना इसलिए भी जरूरी है ताकि आम नागरिक यह समझ सके कि समस्या की जड़ कहां है और किस स्तर पर उनका अपना आचरण इस संकट को गहरा कर रहा है। वर्षों से पराली जलाने को प्रदूषण का सबसे आसान खलनायक बना दिया गया, जबकि वास्तविकता यह है कि अत्यधिक निजी वाहन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, अंतहीन ट्रैफिक जाम, खुले में कचरा जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन जैसी दिल्ली के भीतर की गतिविधियां स्वयं इस जहर का सबसे बड़ा स्रोत हैं। कोरोना काल के दौरान जब ट्रैफिक और निर्माण गतिविधियां लगभग ठप्प थीं, तब पराली जलने के बावजूद अपेक्षाकृत साफ आसमान ने इस सच्चाई को निर्विवाद रूप से सामने रख दिया था।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी की कि कार आज आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुकी है, आधुनिक शहरी जीवनशैली पर सीधा और तीखा प्रहार है। दिल्ली में निजी वाहनों की बाढ़ ने न केवल सड़कों को जाम कर दिया है, बल्कि हवा को भी जहर से भर दिया है। साइकिल और सार्वजनिक परिवहन को त्यागकर कार को प्राथमिकता देना एक ऐसी सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिसके दुष्परिणाम अब सामूहिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगे हैं। अदालत का यह संकेत कि एक से अधिक कार रखने पर रोक जैसे कठोर कदमों पर भी विचार होना चाहिए, इस बात का प्रमाण है कि समस्या की जड़ तकनीक या मौसम में नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली में छिपी है।

इस प्रदूषण का सबसे बड़ा और सबसे मूक शिकार वही वर्ग बनता है, जिसके पास इससे बचने के साधन नहीं हैं। झुग्गियों में रहने वाले लोग, सड़क किनारे काम करने वाले मजदूर, निर्माण स्थलों पर दिन-रात पसीना बहाने वाले श्रमिक, इनके लिए एयर प्यूरीफायर, बंद खिड़कियां और महंगे मास्क महज दूर का सपना हैं। संपन्न वर्ग किसी हद तक खुद को इस जहर से बचा लेता है, लेकिन गरीबों के लिए यह हवा धीरे-धीरे मौत का निमंत्रण बन जाती है। बच्चों में अस्थमा, बुजुर्गों में सांस की बीमारियां और युवाओं में एलर्जी, थकान और मानसिक तनाव के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चिकित्सकीय शोध स्पष्ट कर चुके हैं कि स्मॉग केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है, स्मृति को कमजोर करता है और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को बढ़ाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वायु प्रदूषण को 'साइलेंट किलर' कहा जाना भारत के संदर्भ में एक भयावह सच बन चुका है।

सबसे चिंताजनक पहलू राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। केंद्र और राज्य सरकारें हर सर्दी में आरोप-प्रत्यारोप के उसी पुराने खेल में उलझ जाती हैं। कभी पड़ोसी राज्यों को दोषी ठहराया जाता है, कभी मौसम को और कभी न्यायालय की सख्ती को। आम नागरिकों के हिस्से में केवल सलाह आती है, घर में रहें, मास्क पहनें, बच्चों को बाहर न भेजें। ये उपाय आपात स्थिति में राहत तो दे सकते हैं, लेकिन समाधान नहीं बन सकते। जब न्यायालय कहता है कि 'हम समस्या जानते हैं, लेकिन ऐसे आदेश चाहिए, जिनका पालन हो सके' तो यह सीधे उस शासकीय निष्क्रियता पर सवाल है, जिसने प्रदूषण को अस्थायी संकट से स्थायी आपदा में बदल दिया है। 'ग्रैप' (ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान) आज एक घिसी-पिटी और लगभग निष्प्रभावी प्रक्रिया बन चुका है। निर्माण कार्यों पर रोक, स्कूलों की बंदी, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, हर साल यही कदम और हर साल वही नतीजा। इन उपायों का पालन आधा-अधूरा रहता है।

आमने सामने

तीन बच्चे होना कोई अपराध नहीं है, बल्कि जरूरी है। कई हिंदू परिवारों में बच्चे नहीं हो रहे हैं। युवा देर से शादी कर रहे हैं, जिससे हिंदू परिवारों की पीढ़ियां खत्म हो रही हैं, जो लोग 5 से 25 बच्चे पैदा कर रहे हैं, उनसे हिंदुस्तान को बचाना होगा।

–रामेश्वर शर्मा
भाजपा विधायक, मध्य प्रदेश

ये ध्यान भटकाने वाली बाते है, जो पहले के बच्चे हैं, उन्हें तो पहले नौकरी दें। नौकरियां खत्म की जा रही हैं। बीजेपी–संघ वाले शादी नहीं करते। बीजेपी के कितने बड़े नेताओं ने मुस्लिम महिलाओं से शादी की है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, सरकार कुछ नहीं कर रही है।

–पीसी शर्मा
कांग्रेस नेता, मध्य प्रदेश

पीएम ने बताया बुद्ध भूमि पिपरहवा का महत्व

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

सिद्धार्थनगर जिले का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। अस्तित्व में आने के बाद इस स्थल के विकास की ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया, लिहाजा यह नेपाल के लुंबिनी जैसा विकास नहीं कर सका। निश्चित ही सिद्धार्थनगर जिले का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। बता दें कि पिपरहवा जिसे शुद्धोधन की राजधानी कपिलवस्तु के रूप में पहचाना गया, उसे गौतम बुद्ध की क्रीड़ा स्थली भी कहते हैं, जबकि लुंबिनी गौतम बुद्ध की जन्मस्थली है। आज पिपरहवा की चर्चा इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला है। हाल ही में नई दिल्ली स्थित किला राय पिथौरा कल्चर कांप्लेक्स में 'द लाइट एंड लोटस रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वन' प्रदर्शनी के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने कहा कि यहां जो बौद्ध अवशेष रखे गए हैं, वह 1898 में पिपरहवा में मिले थे। इस अवशेष को अंग्रेज जमींदार अपने साथ ले गए थे। 2025 में हांगकांग में इसकी नीलामी होने जा रही थी, जिसे केंद्र सरकार और गोदरेज ग्रुप के हस्तक्षेप से बचाया गया। इसके लिए कई कानूनी नोटिस दिए गए थे। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अभी कुछ महीने पहले इसे भारत लाया जा सका, जिसका दर्शन आज सुलभ हो पा रहा है।

पिपरहवा (कपिलवस्तु) दुनिया के दो तिहाई बौद्धिस्ट देशों की आस्था का केंद्र भी है। यहां की पवित्र मिट्टी श्रीलंका सहित कई बौद्धिस्ट देशों के राष्ट्राध्यक्ष ने न केवल अपने माथे पर लगाया, बल्कि साथ भी ले गए। करीब 40 साल पूर्व जब सिद्धार्थनगर बस्ती जिले के उत्तरी हिस्से में स्थित नौगढ़ नाम की तहसील था, तब यहां बौद्धिस्टों का रेला लगा रहता था। प्रतिदिन यहां रेलवे स्टेशन पर विदेशी बुद्ध तीर्थ यात्रियों की एक बोगी मौजूद रहती थी। वे पहले पिपरहवा बुद्ध स्तूप का दर्शन करते थे, फिर यहीं से ककरहवा बार्डर से नेपाल में बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी जाते थे। यह बीते दिनों की बात है। आज इस ऐतिहासिक स्थल का हाल यह है कि शायद ही कोई विदेशी बौद्धिस्ट यहां आता हो।

> सिद्धार्थनगर का पिपरहवा विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल है। इसके विकास की ओर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री ने स्वयं इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पवित्र भाव से पिपरहवा का बखान किया, स्थानीय जनप्रतिनिधि इससे नावाकिफ हैं। भगवान बुद्ध ने यहां अपने जीवन के 29 साल बिताए। इस नाते इस स्थल को बुद्ध की क्रीड़ा स्थली भी कहा जाता है। काश! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पवित्र भाव से पिपरहवा को समझ पाए, यहां के जनप्रतिनिधि भी समझ पाते तो आज पिपरहवा भी नेपाल के लुंबिनी जैसा विकसित होता।

पूर्वी यूपी के जिला सिद्धार्थनगर की शिनाख्त गौतम बुद्ध से है। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था। तीन दशक पूर्व बस्ती जिले के उत्तर स्थित नौगढ़ तहसील को अलग कर सिद्धार्थ के नाम से सिद्धार्थनगर जिले का सृजन हुआ है। जिला मुख्यालय से बीस किलोमीटर उत्तर की ओर स्थित पिपरहवा नामक स्थान को गौतम बुद्ध के पिता राजा शुद्धोधन की राजधानी के रूप में चिह्नित किया गया। यहां के स्तूप और अवशेष प्राचीन कालीन इस राजमहल के खंडहर जैसे आज भी विद्यमान हैं।

यहां से 16 किमी आगे उत्तर तरफ नेपाल में लुंबिनी स्थित है। लुंबिनी की शिनाख्त गौतम बुद्ध के जन्मस्थली के रूप में है। सिद्धार्थनगर के गौतम बुद्ध के स्थली के रूप में चिह्नित होने के बाद यहां अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। पिपरहवा के खंडहरनुमा स्तूप को संरक्षित कर इसी के समीप सौ एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर कपिलवस्तु के विकास की तमाम योजनाएं बनीं जरूर, लेकिन राजनीतिक कारणों से यह मूर्त रूप नहीं ले पाईं। 1980 में कांग्रेस शासन में केंद्र सरकार ने कपिलवस्तु विकास महायोजना तैयार की थी, जिसके तहत जमीनें अधिकृत कर विकास की ढेर सारी योजनाएं बनीं थी। इसके लिए प्रारंभिक बजट में 80 लाख रुपये भी जारी किए गए थे, लेकिन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इसमें रुचि ही नहीं दिखाई, लिहाजा यह योजना फाइलों में दफन होकर रह गई।

आगे चलकर प्रदेश की विभिन्न सरकारों में यहां जरूर कुछ न कुछ निर्माण कार्य हुए, लेकिन वे इस लायक नहीं हैं कि बौद्धिस्टों और टूरिस्टों को आकर्षित कर सके। मायावती ने अपने शासनकाल में यहां हवाई पट्टी तक बनाने की घोषणा की थी। स्थानीय स्तर पर यदि इसके विकास के बारे में किसी ने सोचा तो वह स्वर्गीय धनराज यादव थे, जो भाजपा के कई बार के विधायक और मंत्री रहे हैं। अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में यहां सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के रूप में बड़ी सौगात दी। इस विश्वविद्यालय की स्थापना से यहां जरूर चहल-पहल बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिपरहवा के महत्व को समझने के बाद लोगों को उम्मीद है कि यदि स्थानीय जनप्रतिनिधि जरा भी ध्यान दें, तो पिपरहवा का विकास लुंबिनी सरीखे हो सकता है, जहां बुद्ध अनुयायी वाले देश भी अपना योगदान देने में रुचि लें। इसके लिए लोगों को स्थानीय सांसद जगदंबिका पाल से काफी उम्मीदें हैं। बुद्ध के अवशेष को हांगकांग से वापस भारत आने के बाद उन्होंने उसे पिपरहवा में वापस लाने की बात कही है।

सोशल फोरम

दुनिया की कौमें व 'विश्वास'

मलाया के निवासियों का विश्वास है कि उनके पांवों के निशान की मिट्टी को कोई ले जाता है, तो उससे उसका अनिष्ट किया जा सकता है। चीन में एक देवता का चित्र घर से बाहर चिपकाया जाता है। अमेरिका में तेरह का अंक बड़ा अनिष्टकारी माना जाता है। तेरह तारीख को बहुत से लोग शुभ कार्य नहीं करते। कुछ मुस्लिम जातियों में संडास को भूत तथा जिन्नों का निवास स्थान माना जाता है।

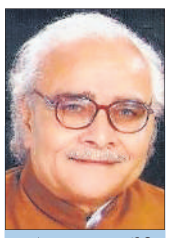

राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
लेखक

आस्ट्रेलिया के आदिवासी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कोई शत्रु उनकी छाया के छुरा न मार सके। प्राचीन जर्मनी में भी आत्मा और छाया का संबंध माना जाता था। तिब्बत में घरों पर जब प्रार्थना के झंडे लगाए जाते हैं, तब दुष्ट आत्माओं को दूर करने के लिए एक तिब्बती नीली भेड़ का सिर भी रख दिया जाता है। नाइजीरिया की पाबिर जाति में मगर की पूजा की जाती है। मृतात्मा के लिए नाइजीरिया के लोग सड़क पर भोजन रख देते हैं।

रूस में प्रेत के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजे पर कुल्हाड़ी रखी जाती थी। अमेरिका का नीग्रो अपने पास खरगोश का पांव रखता है, ताकि चुड़ैल उसके जूते में सांप का चूरा न रख सके। मिस्र में प्राचीन काल में नील नदी पर चलने वाली नावों पर आंख बनाई जाती थी। चीन की नौकाओं पर भी आंख बनाई जाती थी और समझा जाता था कि यह आंख चट्टानों से बचाएगी, नाव देखकर चलेगी।

आयरलैंड का ब्लानी स्टोन ऐसा है, जो उसे चूमते हैं, उनकी वाक्शक्ति बढ़ जाती है। स्कॉटलैंड में कुछ पत्थरों पर सामुदायिक रूप से थूका भी जाता है। ऐसी परंपरा से शुभ भविष्य की प्राप्ति मानी जाती है। बुल्गारिया में मान्यता है कि देयुमियस के भोज के अवसर पर आत्माओं का जमघट होता है। रोमन कैथलिक गिरजाघरों में मोमबत्तियां जलाना दुष्टात्मा भगाने में समर्थ माना जाता है।

आस्ट्रेलिया का आदिवासी योद्धा अपने बांये कंधे पर कंगारू चूहे की पूंछ बांधता है। कोर्निश लोग यह मानते हैं कि अंधेरे पाख में पैदा हुए लोग अधिक नहीं जीते। ब्रिटेन में तारों को सद्यः मृतों की आत्मा माना जाता था। पूर्वी अफरीका के अकंबा लोग टूटता तारा देख वेदी पर भोजन पहुंचाते थे, क्योंकि वे समझते थे कि देवता एन्गाई भोजन मांग रहा है।

हम विश्वासों के बीच जन्म लेते हैं। विश्वास मनुष्य के मन में उसी प्रकार जन्म लेता है, जिस प्रकार वृक्ष पर फल।
-एमर्सन

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की 'ए' की सियासत

कांग्रेसी इस कांफिडेंस में हैं कि यूपी की आबादी की बीस फीसद हिस्सेदारी वाले मुस्लिम समाज का पहला प्यार कांग्रेस है। सत्ता से नाराज और बसपा की निष्क्रियता से छिटके दलित कांग्रेस में घर वापसी करेंगे। कांग्रेस नेता दबी जुबान से कुछ इस तरह की बातें करते नजर आ रहे हैं। आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की तैयारियां और कांग्रेसी नेताओं के बयान सपा की साइकिल को रोड बाइक का आकार देना चाहते हैं। सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद बार-बार समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने वाले बयान दे रहे हैं और यूपी कांग्रेस अध्यक्ष इसे अनुशासन हीनता या बड़बोलापन नहीं मानते, बल्कि इमरान मसूद के ऐसे बयानों को जायज ठहरा रहे हैं। जानकार कहते हैं कि यूपी के आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस हाईकमान ही सपा पर प्रॉक्सी वार कर दबाव बनवा रहा है। कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को सपा पर दबाव बनाने की पूरी छूट दी है, इसलिए वो इमरान मसूद के बयानों को बूस्टअप कर रहे हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

बकौल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय- हम सभी 403 विधानसभा सीटों की तैयारी कर रहे हैं। हमारे पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं, भविष्य में पाने के लिए पूरी शिद्दत से संगठन मजबूत किया जा रहा है। हार का हर डर निकल चुका है। 2024 लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को आशा की किरण दिखाई है। जीत के उत्साह में मेहनत करके आगे बढ़ने की ऊर्जा दी है। कार्यकर्ताओं ने यूपी में कांग्रेस का पुराना वकार वापस लाने का प्रण लिया है।

यूपी कांग्रेस नेताओं के बयान और संगठन में जान फूंकने की तैयारियां बता रही हैं कि कांग्रेस अगले वर्ष के प्रारंभ में विधानसभा चुनाव से पूर्व समाजवादी पार्टी पर जबरदस्त दबाव बनाएगी। यूपी-बिहार कई मायनों में एक जैसे हैं, लेकिन बिहार की पराजय के बाद भी यूपी कांग्रेस का आत्मविश्वास कमजोर नहीं पड़ा है। यूपी में सपा से अधिक से अधिक सीटें हासिल करने का इरादा है। बताया जाता है कि सवा सौ सीटें मांगी जाएंगी और सत्तर से अस्सी सीटों पर कांग्रेस अड़ जाएगी।

अजय राय ने एक खास बातचीत में बताया कि संगठन को मजबूत करने की कवायद के साथ नये चेहरे और युवा जोश से पार्टी को नई ऊर्जा देने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कर्मठता, कार्यकुशलता, योग्यता और विचारधारा के स्तर पर पार्टी अपने कुनबे का विस्तार कर रही हैं। टैलेंट हंट अभियान के तहत संगठन सृजन में वाक दक्षता से लेकर आईटी एक्सपर्ट और देशहित को समर्पित प्रतिभाओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। प्रवक्ताओं और रिसर्च की एक नई फौज तैयार की गई है। दलितों-पिछड़ों के हक के लिए और सत्ता में उनकी अनदेखी के खिलाफ यूपी कांग्रेस एक बड़ा अभियान छेड़ने जा रही है। अजय राय कहते हैं कि पीडीए से कांग्रेस का प्राचीन रिश्ता रहा है। ब्राह्मण और समस्त समाज को हमने अपने वक्त में खूब सम्मान दिया है। वक्त की धूल साफ करके हम दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और समाज के हर वर्ग से विश्वास के रिश्ते को एक बार फिर दोहराएंगे।

टैलेंट हंट के जरिए संगठन विस्तार से लेकर दलितों-पिछड़ो के हक की यात्राओं की तैयारी हो या ब्राह्मणों-मुसलमानों से पुराने विश्वास के रिश्तों की याद दिलाना हो, कांग्रेस भी अपने अलग पीडीए का जाल बुन रही है। सपा के पीडीए की तरह कांग्रेस के पीडीए का 'ए' के भी दो अर्थ हैं। 'ए' का अर्थ अल्पसंख्यक है, यानी मुसलमान। दूसरे 'ए' का दूसरा अर्थ हैं- अपर कास्ट, जिसमें खासकर ब्राह्मण शामिल हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

स्मॉग के दौर में सांसों की सुरक्षा
आईआईटी कानपुर की स्मार्ट 'आयरन लंग'

सर्दी के मौसम में दिल्ली समेत उत्तर भारत के अधिकतर शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण से कमजोर होते फेफड़ों को अब घर बैठे आसानी से मजबूत बनाया जा सकेगा। इस काम के लिए आईआईटी कानपुर ने पारंपरिक 'आयरन लंग' मशीन के स्थान पर एक आधुनिक 'आयरन लंग' डिवाइस विकसित की है। यह डिवाइस फेफड़ों के व्यायाम और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए एक स्मार्ट रेस्पिरेटरी कंडीशनिंग सिस्टम जैसी है। इससे चिकित्सा क्षेत्र में खासकर फेफड़े से संबंधित रोगों से पीड़ित लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को फेफड़े से जुड़ी समस्या का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ता है। ऐसे में आईआईटी कानपुर की सेंसर आधारित डिवाइस से उनके लिए फेफड़ों की मॉनिटरिंग करना बेहद आसान हो जाएगा। यह डिवाइस वायु प्रदूषण या अन्य स्थितियों के कारण कमजोर हुए फेफड़ों को मजबूत करने के लिए व्यायाम करने में मदद करती है। इसे फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

-मनोज त्रिपाठी, कानपुर

जिम और घर दोनों जगह कर सकते हैं इस्तेमाल

'आयरन लंग' स्मार्ट वेलनेस डिवाइस को आईआईटी कानपुर के इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के स्टार्टअप मेदांत्रिक ने काफी कम लागत में विकसित किया है। इसे चलाना काफी आसान है। यह डिवाइस पारंपरिक 'आयरन लंग' मशीन जो कि एक बड़ा बेलनाकार वेंटिलेटर था और जिसे पोलियो महामारी के दौरान बनाया गया था, के विपरीत एक आधुनिक, एआई-पावर्ड श्वसन प्रशिक्षण उपकरण है। यह डिवाइस हर रोज फेफड़े की एक्सरसाइज कराती है और तुरंत यह परिणाम भी बताती है कि आपकी एक्सरसाइज से फेफड़ों को कितना लाभ मिला है। ट्रेडमिल की तरह यह मशीन जिम और घर दोनों जगह इस्तेमाल की जा सकती है। मेद्रांत्रिक के सीईओ प्रियरंजन तिवारी ने बताया कि इस डिवाइस की मदद से फेफड़ों का रोज व्यायाम कराया जा सकता है। इससे फेफड़ों को मजबूती मिलती है। उनके मुताबिक इस डिवाइस को अलग-अलग उम्र और शारीरिक बनावट वाले लोगों के लिए अलग-अलग मोड में काम करने के लिए तैयार किया गया है। इसकी तकनीक को पेटेंट कराया जा चुका है, अब यह प्रोडक्ट के रूप में बाजार में आने के लिए तैयार है।

15 मिनट की एक्सरसाइज से फेफड़े स्वस्थ

इस डिवाइस में एक कुर्सी, मानीटर, श्वसन व्यायाम टूल को आपस में जोड़ा गया है। इस पूरे सेट की कीमत करीब 55 हजार रुपये है। डिवाइस में हर व्यक्ति को अपने लिए अलग स्मार्ट कार्ड लगाना होगा। इस स्मार्ट कार्ड में उपयोगकर्ता की उम्र, वजन, लंबाई और क्षेत्र की जानकारी दर्ज रहेगी। इसी आधार पर फेफड़े की आदर्श स्थिति की एक रिपोर्ट डिवाइस तैयार कर देगी। इसमें लोगों के फेफड़ों की कार्यक्षमता के अनुरूप व्यायाम विशेषज्ञों के सुझाए तरीकों को हिस्सा बनाया गया है। इससे व्यायाम करते समय की जाने वाली गलतियों की जानकारी मिलेगी और सही तरीके से व्यायाम करना सीखा जा सकेगा। इससे श्वसन क्षमता को बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। इस डिवाइस के जरिए प्रतिदिन 15 मिनट व्यायाम करने से ही एक हफ्ते में फेफड़ों की स्थिति में सुधार होने लगता है। इस डिवाइस में लगने वाले श्वांस लेने वाले उपकरण की कीमत 100 रुपये रखी गई है, जिसे डिवाइस में आसानी से फिट किया जा सकता है।

पुरानी आयरन लंग मशीन की कहानी

आयरन लंग एक पुरानी बड़ी धातु की मशीन है, यह उन लोगों को सांस लेने में मदद करती थी, जिनकी श्वसन मांसपेशियां लकवाग्रस्त हो जाती थीं। यह मशीन एक वायुरोधी सिलेंडर होती है, जिसमें मरीज का शरीर अंदर रहता है और सिर बाहर रखकर उसे लिटाया जाता है। इस तरह मशीन अंदर के शरीर में हवा के दबाव को बदलकर फेफड़ों को फैलाने और सिकोड़ने में मदद करती है, इससे प्राकृतिक रूप से सांस लेने जैसा प्रभाव पैदा होता है। इस मशीन का आविष्कार 1920 के दशक में पोलियो के गंभीर मामलों के इलाज के लिए किया गया था, जब मांसपेशियों के लकवाग्रस्त होने के कारण मरीज सांस नहीं ले पाते थे।

70 साल तक लोहे के फेफड़ों से सांस लेते रहे अलेक्जेंडर

पॉल अलेक्जेंडर ने अपनी जिंदगी के 70 साल आयरन लंग मशीन में बंद होकर गुजारे थे। उन्हें 6 साल की उम्र में साल 1952 में पोलियो हो गया था। पॉल का जन्म अमेरिका में वर्ष 1946 में हुआ था और 1952 में अमेरिका में इतिहास का सबसे बड़ा पोलियो फैला था। यह बीमारी इतनी तेजी से फैल रही थी कि हजारों बच्चे इसका शिकार हो गए थे। इनमें पॉल भी शामिल थे। उनके शरीर में गर्दन के नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त होने के कारण काम नहीं कर रहा था। इससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी। ऐसे में एक बार उन्होंने आयरन लंग मशीन की शरण ली, तो फिर उससे बाहर ही नहीं निकल पाए। पिछले साल 78 साल की उम्र में पॉल का निधन हो गया था। इसके साथ ही पॉल इतिहास में सबसे लंबे वक्त तक मशीनी फेफड़ों का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति बन गए। इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में पहले ही दर्ज किया जा चुका था।

वर्ड स्मिथ

हेलो शब्द की उत्पत्ति

अक्सर इस्तेमाल होने वाला शब्द 'हेलो' सुनने में भले ही साधारण लगे, लेकिन इसका इतिहास काफी दिलचस्प है। कुछ भाषाविदों के अनुसार यह शब्द प्राचीन फ्रांसीसी शब्द Hola से निकला है, जिसका अर्थ होता है-'कैसे हो'। माना जाता है कि 1066 ईस्वी में नॉर्मन आक्रमण के दौरान यह शब्द फ्रांस से इंग्लैंड पहुंचा। समय बीतने के साथ इसका उच्चारण और स्वरूप बदलता चला गया।

चौदहवीं सदी में अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि जेफ्री चॉसर के दौर तक यह शब्द Hallow कहलाने लगा। इसके लगभग दो सौ वर्ष बाद, शेक्सपियर के समय में इसका रूप बदलकर Halloo हो गया। शिकारियों और नाविकों की बोलचाल में आते-आते इसके कई रूप प्रचलन में आए, जैसे- Hallloa, Hallooa, Hollo।

उन्नीसवीं सदी की शुरुआत तक यह शब्द अपने एक निश्चित रूप Hullo में स्थिर हो चुका था। इसके बाद टेलीफोन के आविष्कार ने इस शब्द को पूरी दुनिया में लोकप्रिय बना दिया। शुरुआती दिनों में लोग फोन पर बात शुरू करते समय "Are you there?" कहा करते थे, क्योंकि उन्हें अपनी आवाज के पहुंचने पर संदेह रहता था। अमेरिकी आविष्कारक थॉमस एडिसन ने इस झिझक को खत्म किया और पहली कॉल पर सिर्फ एक शब्द कहा- Hello। तभी से यह शब्द बातचीत की शुरुआत का सार्वभौमिक माध्यम बन गया।

नोटिस बोर्ड

- बरेली कॉलेज बरेली के दर्शन शास्त्र के प्रभारी ने बताया कि तृतीय सेमेस्टर के एसाइनमेंट के साथ अपना रिसर्च प्रोजेक्ट जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी है। दर्शनशास्त्र विषय के बीए प्रथम सेमेस्टर और बीए तृतीय सेमेस्टर के मेजर और माइनर में फिलॉसफी विषय के सभी छात्र अपना असाइनमेंट तय समय में जमा कर दें।

- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (मुरादाबाद) ने शिक्षा सत्र 2025-26 की स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का प्रारंभिक परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेंगी, जबकि परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जनवरी से शुरू होंगी। स्नातक की परीक्षाएं सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक और परास्नातक की परीक्षाएं दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएंगी। पहले दिन स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 जनवरी (सोमवार) से शुरु परीक्षाओं का समय सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक रहेगा।

कैंपस में पहला दिन

गिरते-पड़ते पाला छूने की कहानी

बारहवीं हमने किसी मेरिट की सीढ़ी चढ़कर नहीं, बल्कि सब्सिडी वाले अंकों के सहारे पास की थी। यूं समझिए, गिरते-पड़ते किसी तरह पाला छू लिया था। देहात से शहर तक की पढ़ाई पूरी तरह साइकिल पर टिकी हुई थी। पंद्रह किमी के रास्ते में कभी चेन उतर जाती, कभी पंचर मुंह चिढ़ा देता। ऐसे में देर होना कोई अपवाद नहीं, रोजमर्रा की नियति थी। इंटर कॉलेज में अनुशासन कोई नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि एक कठोर भौतिक सत्य था। शार्प टाइम पर गेट पर ताला पड़ जाता और उसके बाद गुरुजनों से करुणा की अपेक्षा करना वैसा ही था जैसे तपती दुपहरी में ओस खोज लेना। समय पर पहुंच भी जाएं, तो कक्षा में डेढ़ सौ से अधिक विद्यार्थी ठुंसे रहते। ट्यूशन पढ़ने वाले भीमकाय, बलिष्ठ छात्र आगे की कतारों में विराजमान रहते। हम जैसे बैक-बेंचर्स तक न आवाज पहुंचती थी, न उम्मीद। धीरे-धीरे हम उन्हीं छात्रों की संगत में जाने लगे, जिन्हें व्यवस्था पहले ही 'फेलियर' घोषित कर चुकी थी। कक्षाएं बंक करना आदत नहीं, मजबूरी बन गया।

नतीजा वही निकला, जो निकलना था। यूजी की पहली सूची में हमारा नाम नहीं था। जिस विषय में कृपावश ग्रेस मिला था, वही हमने स्नातक में चुन लिया-यह आत्मविश्वास कम, दुस्साहस ज्यादा था। दो-तीन हफ्ते भारी उधेड़बुन में बीते। उस उम्र में ऊर्जा अतिरिक्त होती है। ऐसी कि एड़ी जमीन पर मारो तो लगे, पानी फूट पड़ेगा। खैर, अन्य विषयों में अंक औसत थे। दूसरी सूची में मनोवांछित विषय मिल गया। प्रवेश मिलते ही लगा- जैसे किसी डूबते को तिनका नहीं, पूरी नाव मिल गई हो। जान बची, तो लाखों पाए- यह भाव भीतर तक समा गया।

ललित मोहन रयाल
जिलाधिकारी नैनीताल

1992 का साल था। महाविद्यालय पहुंचे तो कहानी ने नया मोड़ नहीं लिया। कॉन्वेंट, केन्द्रीय विद्यालय, मॉडर्न स्कूल और हमारे इंटर कॉलेज, सबके छात्र वहां मौजूद थे। देहात का स्वाभिमान कुछ अलग किस्म का होता है- वह स्वावलंबन पर ज्यादा टिकता है। देहाती युवक की उनसे न पटरी बैठी थी, न बैठने वाली थी। ऊपर से समय-सारिणी का झंझट। फिजिक्स की कक्षा सुबह नौ बजे, प्रैक्टिकल ग्यारह बजे। रसायन शास्त्र एक बजे, उसका प्रैक्टिकल तीन बजे। गणित चार बजे। टाइम-टेबल ऐसा कि पढ़ाई से ज्यादा धैर्य की परीक्षा ले। हम देहाती युवक थे। खेती-किसानी, घर-बाहर- सबमें हाथ बंटाना पड़ता था। ऐसे में इस समय-सारिणी के मुताबिक चलना हमारे लिए कठिन नहीं, असंभव का पर्याय था। हम नियमित रूप से अनियमित होते चले गए। पर मन में एक बात गहरे बैठ चुकी थी- पाठ्यक्रम को साल भर में दो-चार बार आर-पार किए बिना आगे की राह नहीं खुलेगी। इसी समझ ने हमें स्वावलंबन की ओर धकेला। गुरु, कक्षा और घंटी के भरोसे रहने के बजाय हमने खुद से पढ़ना सीख लिया। शायद वहीं से शिक्षा का असली पाठ शुरू हुआ, जब डिग्री नहीं, समझ लक्ष्य बन गई।

करंट अफेयर्स

- हाल ही में भारतीय वायु सेना (IAF) में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन हुआ है, जिसमें एयर मार्शल नागेश कपूर ने वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ का पद संभाला। लगभग 40 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के साथ, वे गहन संचालन, प्रशिक्षण और रणनीतिक अनुभव लाते हैं। उनकी नियुक्ति उस समय वायु सेना के शीर्ष नेतृत्व को मजबूत करती है, जब बल प्रशिक्षण आधुनिकीकरण, हवाई रक्षा तैयारी और परिचालन तत्परता पर केंद्रित है।
- भारतीय सेना ने हाल ही में अपनी परिचालन क्षमताओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष 2026 को 'नेटवर्किंग एवं डेटा-केंद्रितता का वर्ष' घोषित किया है। यह घोषणा जनवरी 2026 में थल सेनाध्यक्ष (COAS) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में की गई, जो भविष्य के लिए तैयार, प्रौद्योगिकी-आधारित सेना के निर्माण की दीर्घकालिक दृष्टि का हिस्सा है। यह पहल डिजिटल एकीकरण, रियल-टाइम डेटा साझा करने और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया पर भारतीय सेना के बढ़ते फोकस को दर्शाती है, जो आधुनिक युद्ध के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
- कर्नाटक के वन्यजीवों ने हाल ही में एक बार फिर राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। राज्य में तेंदुए के एक अत्यंत दुर्लभ रंग-रूप (कलर वैरिएंट) की पहली बार पुष्टि हुई है, जिसे "सैंडलवुड लेपर्ड" नाम दिया गया है। यह खोज कर्नाटक में तेंदुओं की उल्लेखनीय आनुवंशिक विविधता को उजागर करती है और बड़े बिल्लीनुमा जीवों के संरक्षण के लिए भारत के सबसे महत्वपूर्ण परिदृश्यों में से एक के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाराणसी में आयोजित 72 वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। खिलाड़ियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल में टीमवर्क, समन्वय और सामूहिक जिम्मेदारी जैसे मूल्य भारत की विकास यात्रा को भी प्रतिबिंबित करते हैं। इस आयोजन में देशभर की टीमों ने भाग लिया और यह खेल एवं युवा विकास पर सरकार के मजबूत फोकस को दर्शाता है।

जॉब अलर्ट

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम- स्पेशलिस्ट कैडर ऑफिसर (VP वेल्थ SRM, AVP वेल्थ RM, कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव)
- पदों की संख्या- 1146
- योग्यता- सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से ग्रेजुएशन
- आयु सीमा- VP वेल्थ SRM: 26-42 वर्ष/AVP वेल्थ RM: 23-35 वर्ष/कस्टमर रिलेशनशिप एग्जीक्यूटिव: 20-35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 10-जनवरी-2026
- वेबसाइट- sbi.bank.in

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- पदों की संख्या- (1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष), कंप्यूटर ऑपरेटर 18 से 55 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-05-फरवरी-2026
- वेबसाइट- apexbankmp.bank.in

बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम-अप्रेंटिस
- पदों की संख्या-400
- वेतन-13,000 रुपये प्रति माह
- योग्यता-किसी भी विषय में ग्रेजुएट डिग्री
- आयु सीमा-20 से 28 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-10 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.bankofindia.bank.in

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

- पद का नाम-लेखपाल
- पदों की संख्या-7994
- योग्यता-प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (PET-2025) पास होना चाहिए और आवश्यक शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए
- आयु सीमा- 18-40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख- 28 फरवरी 2026
- वेबसाइट- upsssc.gov.in

AI स्पेशलिस्ट बनकर करियर को दें डिजिटल उड़ान

डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तेजी से दुनिया की कार्यप्रणाली बदल रहा है। आज AI सिर्फ एक तकनीकी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल फोन, बैंकिंग सेवाएं, हेल्थकेयर, शिक्षा, ई-कॉमर्स और ट्रांसपोर्ट- हर क्षेत्र में AI का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। पहले जिन कामों को इंसान स्वयं करता था, अब वही कार्य मशीनें सीखकर स्वतः करने लगी हैं। चैटबॉट्स द्वारा ग्राहक सेवा, वॉइस असिस्टेंट्स से जानकारी प्राप्त करना, ऑनलाइन शॉपिंग में पसंद के अनुसार सुझाव मिलना या फिर सेल्फ-ड्राइविंग कारों का विकास- ये सभी AI तकनीक की देन हैं। इसी बढ़ते उपयोग के कारण AI आज करियर के सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक बन गया है। कंपनियां अपने काम को अधिक तेज, सटीक और किफायती बनाने के लिए AI एक्सपर्ट्स को प्राथमिकता दे रही हैं। ऐसे में हर सेक्टर में AI से जुड़े प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ती जा रही है। आइए आपको बताते हैं AI स्पेशलिस्ट बनने के लिए कौन से कोर्स कर सकते हैं।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

करियर का बेस्ट ऑप्शन

AI का मूल उद्देश्य ऐसी मशीनें और सिस्टम विकसित करना है, जो इंसानों की तरह सोच सकें, निर्णय ले सकें और अनुभव से सीख सकें। यही कारण है कि हर सेक्टर में AI स्पेशलिस्ट की मांग लगातार बढ़ रही है। कम एक्सपर्ट्स और अधिक डिमांड के चलते इस फील्ड में सैलरी पैकेज भी काफी आकर्षक हो चुके हैं। तकनीक के इस दौर में AI न केवल वर्तमान की जरूरत है, बल्कि भविष्य की रीढ़ भी है, जो युवा आज AI की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, उनके लिए यह क्षेत्र स्थिरता, सम्मान और बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ साबित हो सकता है।

AI Specialist के लिए बेस्ट कोर्स

अगर आप इस फील्ड में कदम रखना चाहते हैं, तो सबसे पहले कंप्यूटर और मैथ्स की बेसिक समझ होनी चाहिए। इन कोर्सों में आपको मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, Neural Networks, डाटा एनालिसिस, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे पायथन का ज्ञान दिया जाता है। इन स्किल्स की मदद से आप कंपनियों में डेटा एनालिसिस, AI मॉडल डेवलपमेंट या मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट्स पर काम कर सकते हैं।

ग्रेजुएशन लेवल कोर्स

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बीटेक
- डेटा साइंस में बीएससी
- AI स्पेशलाइजेशन के साथ कंप्यूटर साइंस में बीटेक
- पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल कोर्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पीजी डिप्लोमा
- AI और मशीन लर्निंग में MTech या AI और डीप लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स

सैलरी और करियर ग्रोथ

AI Specialist की शुरुआती में एक सम्मानजनक सैलरी मिल जाती है। फ्रेशर्स को औसतन 8 से 12 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की सैलरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता जाता है, वैसे ही सैलरी में ग्रोथ होती जाती है। एक अनुभवी AI Specialist को 20 से 30 लाख रुपये या उससे ज्यादा का सालना पैकेज मिल जाता है। भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी AI इंजीनियर्स और डेटा साइंटिस्ट्स की जबरदस्त डिमांड है।

बिजनेस ब्रीफ

वित्तीय सेवाओं को दो मंत्रालयों में समझौता

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं, सामान की आपूर्ति और बाजार तक पहुंच के उद्देश्य से मंगलवार को डाक विभाग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। कौशांबी में एक पायलट परियोजना के तहत इस बारे में पहल को सफल होने के बाद यह समझौता किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी हस्ताक्षर किए।

उद्योगपति अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन

नई दिल्ली। वेदांता समूह के संस्थापक अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का अमेरिका में निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे। अग्निवेश वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के निदेशक मंडल में थे। वह अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे और उपचार के बीच दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। अनिल अग्रवाल के दो बच्चों में दिवंगत पुत्र अग्निवेश के अलावा पुत्री प्रिया शामिल हैं। प्रिया वेदांता के निदेशक मंडल में हैं और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन हैं।

इन्फोसिस ने अमेजन वेब से की साझेदारी

नई दिल्ली। आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस ने उद्यम स्तर पर सृजनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनरेटिव एआई) को बढ़ावा देने के लिए अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ रणनीतिक साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस सहयोग के तहत इन्फोसिस की एआई पेशकश इन्फोसिस टोपाज और एडब्ल्यूएस का सृजनात्मक एआई आधारित टूल अमेजन क्यू डेवलपर एक साथ काम करेंगे। एडब्ल्यूएस के भारत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र के अध्यक्ष संदीप दत्ता ने कहा कि अमेजन क्यू और इन्फोसिस टोपाज की मिली-जुली ताकत से कंपनियों को नवाचार करने, कामकाज में फुर्ती लाने और ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य सृजन में मदद मिलेगी।

ड्रोन से हरियाली का आकलन करेगी ईसीएल

कोलकाता। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने पश्चिम बंगाल के सोनपुर-बाजारी खनन क्षेत्र में हरियाली का आकलन करने और भूमि के वैज्ञानिक सुधार को कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित ड्रोन का उपयोग शुरू किया है। कंपनी ने बताया कि इस आकलन में ड्रोन आधारित मानचित्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) की मदद से क्षेत्र में पौधों और हरियाली की स्थिति का विश्लेषण तथा जमीनी स्तर पर पारिस्थितिक का सर्वेक्षण किया जा रहा है।

एटर्नल को 3.7 करोड़ की जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट की मूल कंपनी एटर्नल को अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए ब्याज और जुर्माने सहित 3,69,80,242 रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की मांग को लेकर आदेश प्राप्त हुआ है। यह आदेश पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) ने पारित किया। एटर्नल ने शेयर बाजार को बताया कि उत्पादन पर लगने वाले कर के कम भुगतान के संबंध में ब्याज और जुर्माने सहित मांग आदेश प्राप्त हुआ है। कंपनी के अनुसार, मामला उसके पक्ष में है और इस आदेश के खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी।

इमारतों की गुणवत्ता जांचेगा आरएनेक्स्ट

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने इमारतों, परिसरों आदि में उपलब्ध डिजिटल संपर्क ढांचे की गुणवत्ता का आकलन करने को आरएनेक्स्ट टेक्नोलॉजीज को डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसी (डीसीआरए) के रूप में सूचीबद्ध किया है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। रेटिंग का आकलन उपयोगकर्ता-केंद्रित और वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर किया जाएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि आम उपभोक्ता को परिसर के भीतर डिजिटल संपर्क का वास्तविक अनुभव कैसा मिलता है।

आठ शहरों में आवासीय बिक्री में 1% की गिरावट

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2025 में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.48 लाख इकाइयों से अधिक रही। हालांकि औसत मूल्य वृद्धि में 19 प्रतिशत तक की वृद्धि के बीच मांग स्थिर बनी रही। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया बुधवार को कहा कि गृह ऋण पर ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति कुछ ऐसे प्रमुख कारक थे जिन्होंने आसन्न मंदी की आशंकाओं के बावजूद 2025 कैलेंडर वर्ष के दौरान आवास की मांग को बनाए रखने में मदद की।

देश को आयात घटाकर बढ़ाना होगा निर्यात

केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले- दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

- सीएसआईआर के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह को किया संबोधित
- एग्रो-वेस्ट के उपयोगी संसाधन में बदलने से तेल के आयात पर निर्भरता होगी कम

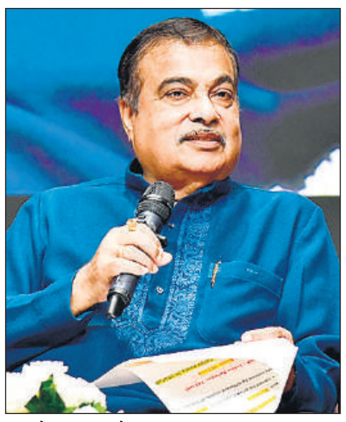

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि अगर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे आयात घटाने और निर्यात बढ़ाने पर खास ध्यान देना होगा। गडकरी ने सीएसआईआर के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह में कहा कि कृषि अपशिष्ट (एग्रो-वेस्ट) को उपयोगी संसाधन में बदला जा सकता है, जिससे न केवल किसानों को फायदा होगा बल्कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता भी कम की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में पेट्रोलियम-रहित घटक बायो-बिटुमेन का इस्तेमाल विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में रूपांतरकारी कदम है।

गडकरी ने कहा कि एग्रो-वेस्ट के उपयोग से पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण घटेगा और संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल पर आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यदि वाहन ईंधन में 15% मिलावट की जाए तो भारत करीब 4,500 करोड़ डॉलर की विदेशी मुद्रा बचा सकता है और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में बड़ी कमी आ सकती है। गडकरी ने कहा कि फिलहाल दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए अपना आयात घटाने और निर्यात को बढ़ाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत व्यावसायिक स्तर पर बायो-बिटुमेन का उत्पादन शुरू करने वाला दुनिया का पहला देश है। इससे किसानों को अतिरिक्त आय के अवसर मिलेंगे, ग्रामीण रोजगार बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड किए गए चिह्नित

मंत्री ने बायो-बिटुमेन के इस्तेमाल को टिकाऊ विकास, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार वृद्धि की दिशा में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण बताया। गडकरी ने कृषि और निर्माण उपकरण विनिर्माताओं से वैकल्पिक ईंधन और फ्लेक्स-इंजन आधारित वाहनों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में 10 राजमार्ग खंड चिह्नित किए हैं। लेकिन उन्होंने हाइड्रोजन ईंधन के परिवहन को एक बड़ी चुनौती बताया। गडकरी ने कहा कि भारत को ऊर्जा का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनना चाहिए। गडकरी ने कहा कि देश हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये जीवाश्म ईंधन के आयात पर खर्च करता है, जिसकी वजह से प्रदूषण की समस्या भी बढ़ रही है।

फरवरी माह में संसद में सरकार पेश करेगी बीज विधेयक : कृषि सचिव

- सुझावों सहित 9000 आवेदन मिले कैबिनेट नोट में किए जाएंगे शामिल
- बीज विधेयक, 1966 के बीज अधिनियम का स्थान लेगा नया विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने बजट सत्र के पहले चरण में फरवरी में संसद में बीज विधेयक 2025 पेश करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, हमें बीज विधेयक 2025 के लिए सुझावों सहित 9000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। हम इन पर विचार करेंगे और 'कैबिनेट नोट' में इन्हें शामिल करेंगे। हमारा लक्ष्य इस विधेयक को बजट सत्र के पहले चरण में पेश करना है।

सचिव ने कहा कि मंत्रालय संसद के अवकाश के बाद कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 को पेश करने की योजना बना रहा है। बीज विधेयक, 1966 के बीज अधिनियम का स्थान लेगा। इसमें गुणवत्ता और पैकेट पर क्यूआर कोड जैसे आधुनिक मानकों के साथ 'ट्रेसबिलिटी' सुनिश्चित करने के लिए बीज किस्मों, डीलर और उत्पादकों के लिए अनिवार्य पंजीकरण का प्रावधान है। इसमें निगरानी के लिए केंद्रीय एवं राज्य बीज समितियों की स्थापना का भी प्रावधान है। साथ ही किसानों को बिना पंजीकरण के कृषि में संरक्षित बीजों को रखने और आदान-प्रदान करने की अनुमति दी गई है। व्यक्तिगत तौर पर उल्लंघनों के लिए जुर्माना एक लाख रुपये से 30 लाख रुपये तक से लेकर कारावास तक हो सकता है। यह मामले की गंभीरता के आधार पर लगाया जाएगा। इसमें तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। यदि कोई कंपनी अपराध करती है, तो अपराध के समय कंपनी के प्रभारी एवं व्यवसाय संचालन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

27 से 30 तक गोवा में वैश्विक ऊर्जा मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भारत ऊर्जा सप्ताह-2026

- ऊर्जा सुरक्षा, निवेश व कार्बन उत्सर्जन पर कई देशों के मंत्री नीति-निर्माता करेंगे विचार-विमर्श

अमृत विचार। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से भारत ऊर्जा सप्ताह-2026 का आयोजन 27 से 30 जनवरी 2026 तक गोवा में किया जाएगा। यह भारत का प्रमुख वैश्विक ऊर्जा मंच है, जिसमें दुनिया भर के ऊर्जा मंत्री, नीति-निर्माता, वैश्विक सीईओ, उद्योग प्रमुख व विशेषज्ञ भाग लेंगे।

चार दिवसीय इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, निवेश संवर्धन, स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन, कार्बन उत्सर्जन में कमी, हरित हाइड्रोजन, जैव-ईंधन और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों जैसे विषयों पर व्यापक विमर्श होगा। सम्मेलन में 120 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की भागीदारी प्रस्तावित है, जो इसे वैश्विक ऊर्जा संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच बनाएगा।

भारत ऊर्जा सप्ताह-2026 में मंत्रिस्तरीय राउंड टेबल बैठकें, सीईओ संवाद, रणनीतिक नीति सत्र, तकनीकी सम्मेलन और एक विशाल अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में ऊर्जा क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों, नवाचारों और समाधान को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे वैश्विक निवेश और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। सम्मेलन का उद्देश्य ऊर्जा उपलब्धता, वहन-योग्यता, पहुंच और स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित करने पर वैश्विक सहमति बनाना है। इस मंच के माध्यम से विकासशील और विकसित देशों के बीच सहयोग को सशक्त किया जाएगा, ताकि ऊर्जा संक्रमण को व्यावहारिक और समावेशी बनाया जा सके।

भविष्य की योजनाओं पर भी होगी चर्चा

भारत ऊर्जा सप्ताह- 2026 में भारत की इथेनॉल मिश्रण नीति, हरित हाइड्रोजन मिशन, जैव-ईंधन पहल, ऊर्जा अवसंरचना विस्तार और आत्मनिर्भर ऊर्जा रणनीति पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों के माध्यम से भारत के अनुभवों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को वैश्विक समुदाय के साथ साझा किया जाएगा। सम्मेलन वैश्विक निवेशकों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, नीति स्थिरता और निवेश-अनुकूल वातावरण से अवगत कराएगा तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 देश होंगे शामिल

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में तीन दिवसीय खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 देशों के प्रमुख कारोबारी हिस्सा लेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। इंडसफूड 2026 का नौवां संस्करण आठ से दस जनवरी को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में हो रहा है। इसे भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) आयोजित कर रहा है।

यह प्रदर्शनी, व्यापार साझेदारी, द्विपक्षीय साझेदारी और दीर्घावधिक साझेदारी को आसान बनाने के लिए प्रमुख भारतीय खाद्य उत्पादकों, अंतर्राष्ट्रीय लिवालों, नीति निर्माताओं, उद्योग के अग्रणी लोगों और वैश्विक संस्थानों को मंच पर लाएगा। प्रदर्शनी के दौरान अबू धाबी फूड हब द्वारा इंडिया-यूएई फूड कॉरिडोर जैसी पहल की शुरुआत भी की जाएगी। इसमें 120 देशों के हिस्सा लेने की उम्मीद है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

ग्रोक मामले में एक्स की रिपोर्ट की जांच करेगा आईटी मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

- गैरकानूनी व अश्लील सामग्री हटाने व कार्रवाई की रिपोर्ट जमा करने के दिए थे आदेश

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय आपत्तिजनक सामग्री तैयार करने में एआई चैटबॉट ग्रोक के दुरुपयोग से जुड़े मामले में सरकार के कड़े निर्देश के बाद एक्स के जवाब और कार्रवाई रिपोर्ट की जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि उद्योगपति एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स को मंत्रालय ने विस्तारित समय देते हुए बुधवार शाम पांच बजे तक विस्तृत 'कार्रवाई रिपोर्ट' (एटीआर) जमा करने को कहा था।

सूत्रों ने कहा कि एक्स ने अपना जवाब मंत्रालय को सौंप दिया है, जिसे फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से सरकार को दी जानकारी का विवरण तत्काल उपलब्ध नहीं हो सका है। सरकार ने एक्स को कड़े शब्दों में चेतावनी दी थी कि उसके कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित टूल ग्रोक का दुरुपयोग कर महिलाओं और नाबालिगों की अश्लील, आपत्तिजनक और यौन प्रकृति की तस्वीरें एवं वीडियो तैयार किए जाने के साथ साझा किए जा रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने दो जनवरी को एक्स को तत्काल ऐसी सभी गैरकानूनी व अश्लील सामग्रियों को हटाने का निर्देश दिया था। मंत्रालय ने आदेश में एक्स से यह भी कहा था कि वह 72 घंटे के भीतर यह स्पष्ट करे कि ग्रोक एप के

मांगी गई और जानकारी

सरकार ने एक्स से उसके एआई चैटबॉट ग्रोक से जुड़े अश्लील सामग्री मामले में उठाए गए कदमों पर और विस्तृत जानकारी मांगी है। सूत्रों ने कहा कि एक्स की तरफ से इस मामले में दाखिल की गई कार्रवाई रिपोर्ट विस्तृत होने के बावजूद पर्याप्त नहीं पाई गई है। सोशल मीडिया कंपनी ने ग्रोक एआई के दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार के निर्देश के बाद मंत्रालय को जवाब सौंपा था। हालांकि, सौंपी गई एक्स की रिपोर्ट विस्तृत तो है, लेकिन पर्याप्त नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स से यह कहा है कि ग्रोक से जुड़े अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ अब तक क्या ठोस कार्रवाई की गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए जाएंगे।

संदर्भ में कौन-कौन से तकनीकी और संगठनात्मक कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने वाले हैं।

लिस्टेंस्टाइन की कंपनियां भारत में करें निवेश : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को यूरोपीय देश लिस्टेंस्टाइन की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करने के साथ भारत-ईएफटीए व्यापार समझौते का लाभ उठाकर अपनी मौजूदगी बढ़ाने का आह्वान किया। भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच मुक्त व्यापार समझौता पिछले वर्ष लागू हुआ था। ईएफटीए के सदस्यों में आइसलैंड, लिस्टेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

इस समझौते के तहत भारत को अगले 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है। लिस्टेंस्टाइन का दौरा पर पहुंचे गोयल ने कहा कि भारत बड़े पैमाने के अवसर, सुधारों की तेज रफ्तार, तेजी से बढ़ता उपभोक्ता बाजार, मजबूत औद्योगिक आधार और कारोबारी सुगमता, डिजिटलीकरण तथा बुनियादी ढांचे के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता की पेशकश करता है। उन्होंने लिस्टेंस्टाइन की कंपनियों से आग्रह किया कि वे समझौते को भारत में विनिर्माण और नवाचार साझेदारियां विकसित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों में भागीदारी के मंच के रूप में उपयोग करें।

शेयर बाजार में तकनीकी विश्लेषण के अंतर्गत कैंडल पैटर्न निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए कीमतों की दिशा समझने का एक महत्वपूर्ण साधन है। इन्हीं में से डबल टॉप और डबल बॉटम दो प्रमुख रिवर्सल पैटर्न माने जाते हैं। ये पैटर्न यह संकेत देते हैं कि किसी शेयर या इंडेक्स की मौजूदा ट्रेंड अब कमजोर हो रही है और आगे दिशा बदल सकती है। डबल टॉप आमतौर पर तेजी के बाद गिरावट का संकेत देता है, जबकि डबल बॉटम मंदी के बाद तेजी की संभावना दर्शाता है। सही समय पर इन पैटर्न की पहचान करने से जोखिम कम किया जा सकता है और बेहतर ट्रेडिंग निर्णय लिए जा सकते हैं।

डबल टॉप-बॉटम मूवमेंट का दिशासूचक

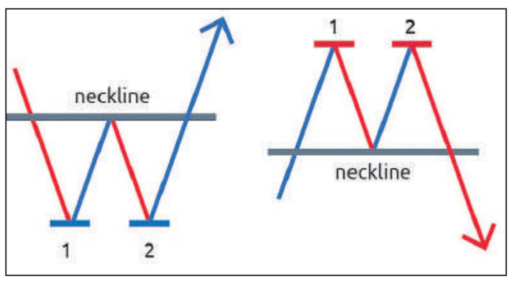

डबल टॉप

डबल टॉप एक बेयरिश रिवर्सल पैटर्न है, जो किसी अपट्रेंड के अंत में बनता है। इसमें कीमत दो बार लगभग एक ही स्तर तक जाती है, लेकिन दोनों बार उस स्तर को पार नहीं कर पाती। इन दोनों ऊंचाइयों के बीच एक गिरावट होती है, जिसे नेकलाइन कहा जाता है। जब कीमत दूसरी बार गिरकर नेकलाइन को नीचे की ओर तोड़ती है, तो यह मजबूत संकेत होता है कि अब बाजार में कमजोरी आ रही है और आगे गिरावट संभव है।

विशेषताएं

पहले से मौजूद तेजी, दो समान ऊंचे स्तर, बीच में एक हल्की गिरावट, नेकलाइन टूटने पर पुष्टि

ट्रेडिंग में महत्व

- डबल टॉप और बॉटम पैटर्न ट्रेडर्स को एंट्री, एग्जिट व स्टॉप लॉस तय करने में मदद करते हैं।
- डबल टॉप में नेकलाइन टूटने पर सेल और बॉटम में नेकलाइन खरीद होता है।

डबल बॉटम

डबल बॉटम एक बुलिश रिवर्सल पैटर्न होता है, जो डाउनट्रेंड के अंत में दिखाई देता है। इसमें कीमत दो बार एक ही निचले स्तर तक गिरती है, लेकिन दूसरी बार उससे नीचे नहीं जाती। दोनों निचले स्तरों के बीच एक उछाल आता है, जो नेकलाइन बनाता है। जब कीमत इस नेकलाइन को ऊपर की ओर तोड़ती है, तो यह संकेत देता है कि अब खरीदारी का दबाव बढ़ रहा है और ट्रेंड ऊपर की ओर जा सकता है।

विशेषताएं

पहले से मौजूद मंदी, दो समान निचले स्तर, बीच में रिकवरी, नेकलाइन ब्रेकआउट पर तेजी की पुष्टि

सावधानियां

- निवेशक और ट्रेडर्स केवल पैटर्न पर निर्भर न रहें
- वॉल्यूम, आरएसआई, मूविंग एवरेज जैसे इंडिकेटर्स से पुष्टि करें
- फेक ब्रेकआउट से बचने के लिए धैर्य रखें।

भारतीयों की नजर में आभूषण संपत्ति सृजन का साधन

नई दिल्ली। भारत में 86% उपभोक्ता सोने और आभूषणों को संपत्ति सृजन का प्रमुख साधन मानते हैं। डेलॉयट इंडिया ने बुधवार को रिपोर्ट में यह बात कही।

पेशेवर सेवा प्रदाता डेलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ताओं के निवेश पोर्टफोलियो में आभूषणों की भूमिका अब केवल संपत्ति को सुरक्षित रखने तक ही सीमित नहीं रही है, बल्कि यह संपत्ति बढ़ाने का माध्यम भी बन रही है। रिपोर्ट कहती है कि 86% भारतीय उपभोक्ता अब सोने और आभूषणों को संपत्ति सृजन का प्रमुख जरिया मानते हैं, जो म्यूचुअल फंड और शेयर जैसे बाजार से जुड़े निवेश विकल्पों (87%) के बराबर है। इसके मुताबिक, 45 वर्ष और उससे अधिक आयु के उपभोक्ता निवेश के उद्देश्य से आभूषण खरीदने की तरफ अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। डेलॉयट इंडिया में साझेदार प्रवीण गोविंदु ने कहा कि भारत का आभूषण बाजार एक ऐसे मोड़ पर है, जहां उपभोग केवल परंपरा या कीमत से परिभाषित नहीं होता है, बल्कि इसमें संपत्ति सृजन, आत्म-अभिव्यक्ति और रोजमर्रा की प्रासंगिकता का मेल देखने को मिल रहा है।

चांदी पर निर्भरता कम कर आयात में विविधता लाए भारत : जीटीआरआई

- विश्व में चांदी का सबसे अधिक प्रसंस्करण चीन में, 5.6 अरब डॉलर का करता है आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को आयातित तैयार चांदी पर निर्भरता कम करने तथा आयात स्रोतों में विविधता लाकर इसके प्रसंस्करण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट में कहा गया कि विश्व में चांदी का सबसे अधिक प्रसंस्करण चीन में किया जाता है। चीन वैश्विक स्तर पर 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर के चांदी अयस्क एवं सांद्रण के आयात में से करीब 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात करता है। यह धातु को घरेलू स्तर पर परिष्कृत करता है और इलेक्ट्रॉनिक, चिकित्सकीय उपकरणों और सौर पैनल में प्रयुक्त उच्च मूल्य वाली चांदी का निर्यात करता है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू मूल्यवर्धन के लिए भारत को अयस्क अवस्था से ही चांदी को संसाधित करना सीखना होगा। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत ने केवल 47.84 करोड़ अमेरिकी डॉलर के चांदी उत्पादों का निर्यात किया जबकि 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात भी किया जो इसकी गहरी आयात निर्भरता को रेखांकित करता है। वर्ष 2025 में यह निर्भरता तेजी से बढ़ी। केवल अक्टूबर में आयात बढ़कर 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 529 प्रतिशत अधिक है।

इसके बाद नवंबर में यह 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया जो सालाना आधार पर 126 प्रतिशत की वृद्धि है। कुल आयात जनवरी-नवंबर 2025 के दौरान 8.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया और समूचे वर्ष के लिए इसका अनुमान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह 2024 की तुलना में करीब 44 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान भारत ने 5.94 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की चांदी का आयात किया।

चांदी 5,000 रुपये चढ़कर 2.56 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुरक्षित निवेश और औद्योगिक खरीदारी से समर्थन मिला

चांदी की कीमत बुधवार को 5,000 रुपये बढ़कर 2,56,000 रुपये प्रति किग्रा के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सुरक्षित निवेश की मांग और औद्योगिक खरीदारी से चांदी को समर्थन मिला। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। मंगलवार को चांदी 2,51,000 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी।

कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच बढ़ते तनाव ने सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की मांग को बढ़ाया है, जबकि आपूर्ति बाधाओं और मजबूत औद्योगिक मांग ने चांदी की कीमतों को और बढ़ा दिया है। इस बीच, सोना का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स) रहा, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,41,500 रुपये पर बंद हुआ था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 45.22 डॉलर यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 4,449.87 डॉलर प्रति औंस पर रहा। चांदी 2.55 डॉलर यानी 3.15% टूटकर 78.69 डॉलर प्रति औंस पर रही।

विचार मंथन

एमएसएमई की वित्तीय जरूरतों, नियामकीय बोझ कम करने और प्रतिस्पर्धी बनाने को दिए सुझाव

ब्याज सब्सिडी योजना दोबारा लाए सरकार : पीएचडी चैंबर

नई दिल्ली, एजेंसी

- तर्क दिया कि कम ब्याज दरों से ऋण चुकाने में अनुशासन सुधरेगा और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी

आगामी केंद्रीय बजट के लिए उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को राहत देने के लिए ब्याज सब्सिडी योजना को फिर से शुरू करने और मुद्रा ऋणों की सीमा बढ़ाने जैसे प्रमुख उपायों के सुझाव दिए हैं।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा कि ये सुझाव एमएसएमई की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने, उन पर नियामकीय बोझ कम करने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से दिए गए हैं। उद्योग मंडल ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से लिए जाने वाले नए और अतिरिक्त ऋणों पर दो प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के लिए ब्याज अनुदान योजना को फिर से शुरू करने की सिफारिश की है। उसका तर्क है कि कम ब्याज दरों से ऋण चुकाने में अनुशासन सुधरेगा और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

इसके अलावा, संगठन ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत दिए जाने वाले कर्जों की सीमा बढ़ाने का भी सुझाव दिया है। इसके तहत 'शिशु' श्रेणी में ऋण सीमा को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये और 'किशोर' श्रेणी में इसे पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की मांग की गई है। पीएमएमवाई के तहत 'शिशु', 'किशोर', 'तरुण' और 'तरुण प्लस' श्रेणियां लाभार्थी उद्यमों की विकास अवस्था और वित्तीय जरूरतों को दर्शाती हैं।

10 करोड़ के कारोबार को ऑडिट से छूट की मांग

पीएचडीसीसीआई ने स्टार्टअप फर्मों के लिए कोषों का कोष के जरिये इक्विटी निवेश बढ़ाने, एमएसएमई सुविधा परिषदों का दायरा मध्यम उद्यमों तक बढ़ाने और हरित एवं आधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए ऋण-संबद्ध पूंजी सब्सिडी योजना की निवेश सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ रुपये करने की भी सिफारिश की है। इसके साथ ही, उद्योग संगठन ने 10 करोड़ रुपये तक के वार्षिक कारोबार वाले सूक्ष्म उद्यमों को अनिवार्य कर ऑडिट से छूट देने की मांग की है, जिससे अनुपालन लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद जताई गई है।

वेनेजुएला दो अरब डॉलर कीमत का कच्चा तेल अमेरिका को भेजेगा : ट्रंप

- तेल से होने वाली आय पर होगा अमेरिकी नियंत्रण

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और वेनेजुएला एक समझौते पर पहुंच गए हैं, जिसके तहत वेनेजुएला लगभग दो अरब डॉलर कीमत का कच्चा तेल अमेरिका भेज सकता है।

ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों के लिए अधिक पहुंच प्रदान करने की उनकी मांग का पालन कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि वेनेजुएला में हालिया सैन्य अभियान का एक मुख्य उद्देश्य देश के तेल क्षेत्र को अमेरिकी नियंत्रण में लाना था। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला 3 करोड़ से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल उपलब्ध कराएगा, जिसे बाजार की कीमतों पर बेचा जाएगा तथा इसकी आय उनके प्रशासन द्वारा नियंत्रित की जाएगी।

वेनेजुएला के दो तेल टैंकरों पर किया कब्जा

अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक और कैरेबियन में दो कार्रवाइयों में वेनेजुएला से जुड़े दो प्रतिबंधित तेल टैंकरों को जब्त कर लिया। अमेरिका- यूरोपीय कमान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में व्यापारिक पोत बेला-1 को जब्त करने की जानकारी दी। अमेरिका पिछले महीने से इस टैंकर का पीछा कर रहा था, क्योंकि इसने वेनेजुएला के आसपास प्रतिबंधित तेल जहाजों पर अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की कोशिश की थी। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने कहा कि सेना ने टैंकर सोफिया पर भी कब्जा कर लिया है।

अथाह सागर में देश की आंख

तटरक्षक बल का समुद्र प्रताप

भारतीय तटरक्षक बल ने अपने बेड़े में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आधुनिक पोत समुद्र प्रताप को शामिल किया है। यह पोत भारतीय तटरक्षक बल का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत है, जिसे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है और 5 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा आधिकारिक रूप से इसे कमीशन किया गया। यह पोत न केवल समुद्री सुरक्षा में बल्कि समुद्री पर्यावरण के संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में भी एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। समुद्र प्रताप का नाम ही इसका उद्देश्य स्पष्ट करता है : समुद्र की महानता और उसकी रक्षा करना। भारतीय तटरक्षक बल के लिए यह पोत समुद्र में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

स्वदेशी उपकरणों का इस्तेमाल

यह 114 .5 मीटर लंबा पोत लगभग 4,170-4,200 टन का है और इसमें 60% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो भारत के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियानों को मजबूती देता है। इसकी रफ्तार 22 नॉट्स से अधिक तक पहुँच सकती है और इसकी समुद्री सहनशीलता लगभग 6,000 नौटल मील तक है, जिससे यह लंबी समुद्री यात्राएँ और मिशन को पूरा कर सकता है।

पोत में क्या है खास

- **अत्याधुनिक तकनीक :** यह डायनेमिक पोजिशनिंग, इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम और ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम जैसी उन्नत तकनीकों से लैस है।
- **हथियार :** सुरक्षा के लिए इसमें 30 मिमी सीआरएन-91 गन और दो 12 .7 मिलीमीटर की रिमोट-कंट्रोल गन लगी हैं।
- **ऑनबोर्ड लैब :** समुद्र के पानी, रसायनों के रीयल-टाइम विश्लेषण के लिए एक आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण प्रयोगशाला है।
- **हेलीकॉप्टर संचालन :** एक हेलीकॉप्टर हैंगर और एविएशन सपोर्ट की सुविधा है।

इन कार्यों को देगा अंजाम

- प्रदूषण नियंत्रण : तेल रिसाव को रोकना, समुद्र से तेल और हानिकारक रसायनों को अलग करना और पर्यावरण की रक्षा करना।
- समुद्री निगरानी : भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और अवैध शिकार करने वाले विदेशी जहाजों पर नजर रखना।
- खोज और बचाव : समुद्र में संकट में फंसे जहाजों और मछुआरों की सहायता करना। • अग्निशमन : बंदरगाहों और तेल प्लेटफार्मों पर आग लगने की स्थिति में उच्च क्षमता वाली बाहरी अग्निशमन प्रणाली का उपयोग करना।

आत्मनिर्भरता को मिली मजबूती

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि स्वदेश निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रताप के तटरक्षक बल की सेवा में शामिल होने से आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को मजबूती मिली है और यह सतत विकास की प्रतिबद्धता दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि भारतीय तटरक्षक पोत समुद्र प्रताप का सेवा में शामिल होना कई कारणों से उल्लेखनीय है, जिनमें यह तथ्य भी शामिल है कि यह आत्मनिर्भरता के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करता है, हमारे सुरक्षा तंत्र को बढ़ावा देता है और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण पोत समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता की प्रतीक है।

चौथा स्थान

भारतीय तटरक्षक बल वर्तमान में दुनिया के चौथे सबसे बड़े तटरक्षक बलों में से एक है। समुद्र प्रताप जैसे पोतों की तकनीक भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा करती है जिनके पास समुद्री पर्यावरण सुरक्षा की उन्नत क्षमताएं हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन ने जापान पर लगाया निर्यात प्रतिबंध

बीजिंग। चीन ने जापान को उन दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात पर मंगलवार को प्रतिबंध लगा दिया, जिनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किए जाने की संभावना है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, जिसे बीजिंग अपना संप्रभु क्षेत्र होने का दावा करता है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ऐसे सामान का निर्यात, जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जापानी सैन्य उपयोगकर्ताओं और अन्य सभी अंतिम उपयोगकर्ताओं को प्रतिबंधित कर दिया गया है जो जापानी सैन्य शक्ति को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

खारिज की हादी हत्या मामले की चार्जशीट

ढाका। बांग्लादेश में इंकलाब मंच ने अपने नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में दायर पुलिस के आरोपपत्र को खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि इस हत्याकांड में सरकारी तंत्र भी शामिल है। बांग्ला समाचार पत्र प्रथम ऑलो की खबर के अनुसार पार्टी ने मंगलवार को चेतावनी दी कि अगर न्याय नहीं मिला तो जिन लोगों ने खून बहाया है, उन्हें खून का जवाब खून से देने पर मजबूर होना पड़ सकता है। ढाका पुलिस ने हत्या के मामले में मुख्य आरोपी फैसल करीम मसूद समेत 17 लोगों के खिलाफ मंगलवार को औपचारिक आरोप पत्र दायर किया। पुलिस का कहना है कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत हादी की हत्या की गई।

दूसरे देश भारत को सलाह देने की बजाय अपने यहां हिंसा पर दें ध्यान

विदेश मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर पश्चिमी देशों की दोहरी नीति पर उठाए सवाल

- जयशंकर ने लैटिन अमेरिकी घटना का किया परोक्ष रूप से जिक्र

लक्ज़मबर्ग, एजेंसी

विदेश मंत्री डा. एस.जयशंकर ने लैटिन अमेरिका के घटनाक्रम का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पश्चिमी देशों के दोहरे मानदंडों की बुधवार को कड़ी आलोचना की। डा. जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत में भारत और लक्ज़मबर्ग के बीच मजबूत साझेदारी पर आधारित संबंधों पर भी जोर दिया। बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने उन देशों पर निशाना साधा जो भारत को क्षेत्रीय तनावों पर उपदेश देते हैं लेकिन अपने ही क्षेत्रों में हो रही हिंसा और जोखिमों को नज़रअंदाज़ करते हैं।

उन्होंने कहा, कभी-कभी लोग कहते हैं कि जैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कहा गया। अब अगर आप उनसे पूछें कि सच में आपको चिंता है, तो क्यों न आप अपने ही क्षेत्र को देखें? और खुद से पूछें कि वहां हिंसा का स्तर क्या है, कितने जोखिम उठाए गए हैं और हममें से बाकी लोग आपके कार्यों को लेकर कितने चिंतित हैं। लेकिन यही दुनिया की प्रकृति है। लोग जो कहते हैं, वह हमेशा वही नहीं होता जो वे करते हैं, और हमें इसे उसी भावना के साथ स्वीकार करना पड़ता है।

डा. जयशंकर की टिप्पणियों से उन देशों के प्रति उनकी नाराज़गी झलकी जो ऐसे संघर्षों पर अनचाही सलाह देते हैं जिन्हें वे ठीक से समझते भी नहीं। उन्होंने कहा कि दूर बैठे देश अक्सर बिना जटिलताओं को समझे या अपने रणनीतिक हितों पर विचार किए बोलते हैं। अब दुनिया के बाकी हिस्सों में हो रहे घटनाक्रमों का इस पर कितना असर पड़ता है, यह कहना मुश्किल है। दूर बैठे लोग बातें करेंगे, कभी सोच-समझकर, कभी बिना सोचे, कभी अपने स्वार्थ में, तो कभी लापरवाही से। आज के समय में देश अधिक आत्मकेंद्रित हो रहे हैं और वही करेंगे जिससे उन्हें सीधा लाभ हो। वे आपको मुफ्त की सलाह देते रहेंगे।

भारत-फ्रांस को मिलकर काम करना चाहिए

दुनिया में उथल-पुथल वाले भू- राजनीतिक माहौल के मद्देनजर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि वैश्विक राजनीति को स्थिर करने के लिए भारत और फ्रांस का साथ मिलकर काम करना महत्वपूर्ण हो गया है। विदेश मंत्री ने पेरिस में अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-नोएल बैरोट के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। दोनों विदेश मंत्रियों ने मुख्य रूप से एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अगले महीने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के लिए आधार तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया। जयशंकर की फ्रांस यात्रा अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति व उनकी पत्नी को पकड़ने पर वैश्विक चिंताओं की पृष्ठभूमि में हो रही है।

पाकिस्तान की तरह व्यवहार करने वाले देशों से अलग तरीके से निपटेंगे

विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत का रुख इस बात पर निर्भर करता है कि वह किससे निपट रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों के साथ सकारात्मक और रचनात्मक रूप से जुड़ने को तैयार है जो नई दिल्ली के साथ सकारात्मक तरीके से काम करना चाहते हैं, लेकिन जो पाकिस्तान की तरह व्यवहार करते हैं, उनसे अलग ढंग से निपटना पड़ता है। पश्चिमी देशों की कथित दोहरी नीति की आलोचना से आगे बढ़ते हुए डा. जयशंकर ने भारत और लक्ज़मबर्ग के बीच 78 वर्षों पुराने मजबूत और विकसित होते संबंधों को भी रेखांकित किया। विदेश मंत्री ने कहा कि हमने एक लंबा सफर तय किया है और हम लक्ज़मबर्ग को न केवल अपने आप में एक बहुत महत्वपूर्ण साझेदार मानते हैं, बल्कि यूरोपीय संघ के संदर्भ में भी, खासकर ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ के साथ हमारे अपने संबंध भी एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा, इस व्यापक रिश्ते को आकार देने में आपका जो प्रभाव है, जो समर्थन आप देते हैं, वह हमारे लिए बहुत मूल्यवान है। कई मायनों में आप भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को गहरा करने के समर्थक रहे हैं। भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत के बाद विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा , आज लक्ज़मबर्ग में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिलकर खुशी हुई। राजनीतिक, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में लक्ज़मबर्ग के साथ हमारी साझेदारी के उल्लेखनीय विस्तार को रेखांकित किया। भारत-लक्ज़मबर्ग संबंधों को मजबूत करने में हमारे प्रवासी समुदाय के योगदान की सराहना करता हूँ। उन्होंने यूरोप के साथ भारत की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान जताया और इसे वैश्विक व्यवस्था में एक बार फिर से संतुलन का दौर बताया।

आतंकवाद का मिलकर दृढ़ता से मुकाबला करेंगे भारत-इजराइल

- नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कॉल कर दी गाजा शांति योजना की अद्यतन जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को गाजा शांति योजना से संबंधित अद्यतन जानकारी अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के साथ साझा की तथा आतंकवाद से लड़ने के साझा संकल्प की पुष्टि की। नेतन्याहू ने मोदी को कॉल करके उन्हें गाजा शांति योजना पर अद्यतन जानकारी साझा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और दोनों देशों के लोगों के लिए शांति और समृद्धि की कामना की। बयान में यह भी कहा गया है कि नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री को गाजा शांति योजना के कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। मोदी और नेतन्याहू ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, गहरे आपसी विश्वास और दूरदर्शी दृष्टिकोण के तहत आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात की। आतंकवाद के सभी रूपों को कतई बर्दाश्त न करने के अपने दृष्टिकोण को दोहराया और इस खतरे के खिलाफ लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश नई दिल्ली के साथ साझेदारी को और आतंकवाद को हराने के उनके साझा दृढ़ संकल्प को महत्व देता है। नेतन्याहू ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से चर्चा जारी रखने के लिए निकट भविष्य में भारतीय प्रधानमंत्री से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

ईरान में मोसाद के जासूस को फांसी

तेहरान। ईरान ने इजराइल की मोसाद एजेंसी के लिए जासूसी करने के दोषी एक व्यक्ति को फांसी दे दी। समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दोषी की पहचान अली अर्देस्तानी के रूप में की और बताया कि उसने क्रिप्टोकरेंसी के रूप में वित्तीय लाभ के बदले मोसाद को संवेदनशील जानकारी दी थी। दोषी ने जासूसी के आरोपों को स्वीकार किया था।

ग्रीनलैंड विवाद : फ्रांस और सहयोगी देशों ने अमेरिका को दी चेतावनी

बर्लिन/पेरिस। ग्रीनलैंड को हासिल करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंशा को देखते हुए फ्रांस ने अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर उसके किसी भी प्रयास पर प्रतिक्रिया देने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने बार-बार जोर दिया है कि ग्रीनलैंड को हासिल करना अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता है। जबकि ग्रीनलैंड नाटो सदस्य डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट्टे फ्रेडरिक्सन ने चेतावनी दी कि ग्रीनलैंड पर कोई भी अमेरिकी हमला नाटो के अंत का संकेत हो सकता है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, जर्मनी के चांसलर मेरज, इटली की पीएम मेलोनी, पोलैंड के पीएम टस्क, स्पेन के पीएम सांचेज, ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर और डेनमार्क के पीएम ने एक संयुक्त बयान जारी किया है।

पोर्श कार हादसा : जमानत अपील पर राज्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- दो आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की है जमानत याचिका

उच्चतम न्यायालय ने पुणे में मई 2024 में हुई पोर्श कार दुर्घटना मामले में दो आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर बुधवार को महाराष्ट्र सरकार से जवाब तलब किया। इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई थी।

आदित्य अविनाश सूद और आशीष सतीश मित्तल को पिछले साल 19 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि दुर्घटना के समय 17-वर्षीय मुख्य आरोपी के साथ कार में मौजूद दो नाबालिगों से जुड़े मामले की जांच में सूद और मित्तल के रक्त नमूनों का परीक्षण किया गया था। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 19 मई 2024 को 17-वर्षीय एक किशोर द्वारा कथित तौर पर शराब के नशे में चलाई जा रही पोर्श कार ने दो आईटी पेशेवरों को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय द्वारा जमानत याचिकाएं खारिज करने संबंधी आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया।

इसरो 12 को करेगा नए साल का पहला प्रक्षेपण

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 12 जनवरी को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण करेगा। इसरो का नए साल का यह पहला मिशन है।

इस मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस-एन1 है, जो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा रणनीतिक उद्देश्यों के लिए निर्मित एक इमेजिंग उपग्रह है। इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पीएसएलवी-सी62 का प्रक्षेपण 12 जनवरी 2026 को 10:17 बजे श्रीहरिकोटा स्थित एसडीएससी एसएचएआर के प्रथम प्रक्षेपण पैड से निर्धारित है।

पश्चिमी सभ्यता अपनानी हो तो पहले इस्लाम से अलग हों

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मुसलमानों से दो टूक अंदाज में कहा है कि इस्लाम के बताये हुए रास्ते पर चलें। यदि आपको पश्चिमी सभ्यता को अपनाना है तो पहले इस्लाम से अलग होने की घोषणा करें क्योंकि पश्चिमी सभ्यता को अपनाएंगे तो परिवार में अलगाव ही मिलेगा। पीढ़ियां भी सुरक्षित नहीं रहेंगी। वंश का विभाजन भी हो सकता है। पश्चिमी सभ्यता में व्याप्त गंदगी से खुद को बचाकर रखने की जरूरत है।

बुधवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने जारी अपने बयान में मौलाना सैय्यद अबूल आला मौदूदी ने कहा है कि यदि आप भौतिक लाभ और कामुक सुख के लिए इन सभी बातों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं तो बिना हिचकिचाहट के पश्चिमी मार्ग पर चले जाएं और इस्लाम का नाम भी जुबान पर नहीं लाएं। उस मार्ग पर जाने से पूर्व आपको इस्लाम से अलग होने की घोषणा करनी होगी ताकि बाद में इस नाम का प्रयोग करके आप किसी को धोखा न दे सकें और आपकी यह रुसवाई इस्लाम और मुसलमानों के लिए लज्जा का स्रोत न बन सके।

सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच करेगा ईडी, केंद्र सरकार ने दी स्वीकृति

- धन शोधन के तहत मामला दर्ज कर जांच करेगी केंद्रीय एजेंसी

कोच्चि,एजेंसी

सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मामला दर्ज करने की मंजूरी दे दी है, जिससे ईडी इस घटना से जुड़े संदिग्ध मनी लॉन्ड्रिंग की विस्तृत जांच शुरू कर सकेगी।

मंजूरी मिलने के बाद ईडी की कोचि इकाई एक जांच अधिकारी नियुक्त करेगी और मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज करेगी। जांच के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है और एजेंसी सबसे पहले मुख्य आरोपी से पूछताछ करेगी, जिनमें वर्तमान में हिरासत में मौजूद उन्नीकृष्णन पोत्ती भी शामिल हैं। ईडी उन सभी व्यक्तियों के बयान दर्ज करेगी, जिनसे पहले एसआईटी ने पूछताछ की थी। एजेंसी का फोकस सबरीमाला मंदिर में कार्यों के लिए इस्तेमाल किये गये सोने की कथित गबन से जुड़े वित्तीय लेन-देन का पता लगाने पर होगा। ईडी ने पिछले साल अक्टूबर में संभावित मनी लॉन्ड्रिंग के संकेत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच शुरू की थी। इसके बाद उसने कोल्लम सतर्कता अदालत से मामले के रिकॉर्ड मांगे थे। एसआईटी की आपत्तियों के बावजूद, अदालत ने 19 दिसंबर 2025 को सभी संबंधित दस्तावेज ईडी को सौंपने का निर्देश दिया था। इन रिकॉर्ड की जांच के बाद ईडी ने केंद्र से औपचारिक मंजूरी मांगी थी, जो अब मिल गई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 8 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी पूर्ण रात्रि।

आज का पंचांग

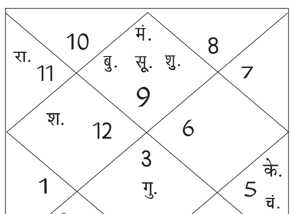

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।

ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 12 .24 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आप जीवनसाथी को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध और भी घनिष्ट और मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने महत्वपूर्ण काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद कर सकते हैं। शाम को पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज अपशब्दों का बिल्कुल प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं। दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है।

मिथुन — आज सुख-सुविधाओं का भरपूर आनंद लेंगे। व्यवसाय में सहयोगियों का साथ मिलेगा। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क — आज दिन की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रहेगी। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। शाम के समय अच्छे मूड में रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

सिंह — आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। पुराने रुके हुए कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी। प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं।

कन्या — आज आपके ऊपर कार्यभार की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा।

तुला — आज फाइनेंस से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे।

वृश्चिक — आज किसी महत्वपूर्ण कार्य से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ सकती है। रुचिपूर्ण कार्य करने के अवसर मिलेंगे। आप लोगों से सम्मान की अपेक्षा रखेंगे। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

धनु — आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। धीमी गति से आपके कार्य बनते प्रतीत होंगे। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं। बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय ज्यादा खर्च करेंगे।

मकर — आज आप कोई नया कार्य आरंभ करने से बचें। किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी, इसीलिये बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं।

कुंभ — आज तनाव के बावजूद कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। आप कई लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। आपके प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। सामाजिक संपर्क में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

मीन — आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है। विद्यार्थियों को कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सुडोकू -26

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9		6				7		1
	3			1				8
		5		9		6	3	
3			8				7	
5	2						6	9
	4				1			3
	1	2		4		3		
4				6			2	
7		9				5		4

सुडोकू - 25 का हल

7	2	3	1	6	4	8	9	5
9	8	4	5	7	3	6	1	2
6	1	5	2	8	9	4	3	7
4	7	9	6	5	2	1	8	3
8	5	2	3	4	1	9	7	6
3	6	1	7	9	8	2	5	4
5	9	8	4	3	6	7	2	1
1	4	7	9	2	5	3	6	8
2	3	6	8	1	7	5	4	9

मीनाक्षी से हारना एक तरह से मेरे लिए अच्छा साबित हुआ। अगर मैं जीत जाती और मुझे स्वर्ण पदक मिल जाता तो मैं निश्चिंत हो जाती और फिर कभी 51 किलोग्राम वर्ग में नहीं आती। वह हार मेरे लिए एक निर्णायक मोड़ थी। उसके बाद मैंने वर्ग बदलने का फैसला किया।

-नीतू घंघास

हाईलाइट

महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर का शेड्यूल तय

दुबई। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप क्वालीफायर 2026 के पूरे फिक्स्चर, जिसमें सुपर सिक्स स्टेज भी शामिल है, कन्फर्म हो गए हैं। नेपाल में 18 जनवरी से 1 फरवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमें जून-जुलाई में इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप 2026 के लिए चार क्वालिफिकेशन स्पॉट के लिए मुकाबला करेंगी। वार्म-अप मैच 14 और 16 जनवरी को तीन जगहों पर होंगे - त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड, अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड और लोअर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड। 18 जनवरी से ग्रुप स्टेज शुरू होने के बाद त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड और अपर मुलपानी क्रिकेट ग्राउंड में ही कॉम्पिटिटिव मैच खेले जाएंगे। ग्रुप ए और ग्रुप बी की टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी।

जैकब न्यूजीलैंड की विश्व कप टीम में

वेलिंगटन। वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन करके अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड 81 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जैकब डफी को बुधवार को टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया गया। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक विकेट लेने के रिचर्ड हैडली (79 विकेट) के 40 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। टीम : मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का ध्यान अभी भारतीय चुनौती पर

मुंबई। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम अभी टी20 विश्व कप के बारे में नहीं सोच रही है जो अभी एक महीने दूर है बल्कि उनका पूरा ध्यान भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला में भारतीय गेंदबाजों से मिलने वाली चुनौती पर है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों से सजी भारतीय टीम रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी और इसके बाद पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

लखनऊ ने यमुना की बढ़त पर लगाया ब्रेक

नोएडा। उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन 2 के दिन 14 के पहले मुकाबले में करो-या-मरो सप्ताह का दबाव साफ नजर आया, जहां लखनऊ लायंस ने दबाव में दमदार प्रदर्शन करते हुए यमुना योद्धाज को 60-44 से पराजित किया। इस जीत के साथ लखनऊ ने लीग के इस अहम चरण में यमुना को अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका नहीं दिया। करो-या-मरो सप्ताह के दौरान दूसरे स्थान पर पहुंचने की संभावना के साथ मैदान में उतरी यमुना योद्धाज ने स्पष्ट इरादे और तात्कालिकता के साथ मुकाबले की शुरुआत की। उनका आक्रामक रवैया शुरुआती दौर में कारगर साबित हुआ, जब उन्होंने लखनऊ लायंस को ऑल-आउट किया, जिससे इस मुकाबले में उनकी भूख और आक्रामकता झलक गई।

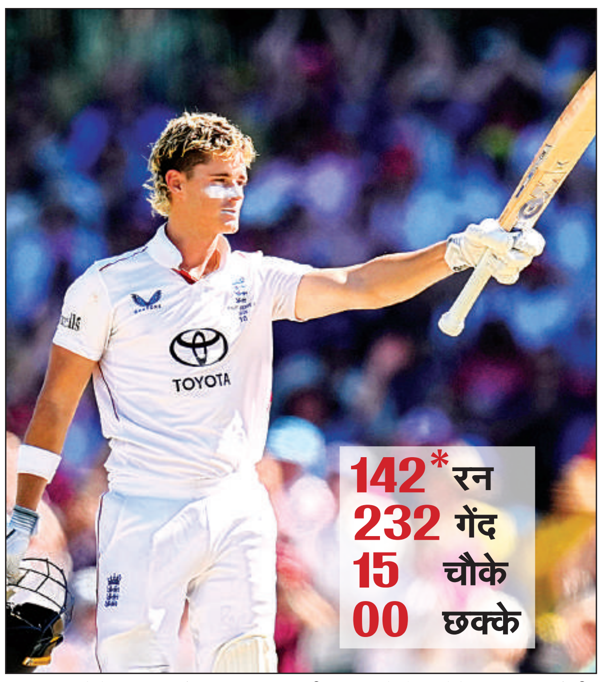

शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जैकब बेथेल। एजेंसी

बेथेल के पहले शतक से इंग्लैंड की उम्मीद कायम

सिडनी, एजेंसी

जैकब बेथेल ने बुधवार को अपना पहला टेस्ट शतक बनाया जिससे इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां और अंतिम एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच पांचवें दिन तक खींचकर अपनी उम्मीद भी कायम रखी।

बारबाडोस में जन्मे 22 वर्षीय ऑलराउंडर बेथेल इंग्लैंड की दूसरी पारी के पहले ओवर में क्रीज पर आए क्योंकि मिशेल स्टार्क ने पांचवीं गेंद पर जैक क्रॉली (01) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 232 गेंद का सामना करके 142 रन बनाए हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 302 रन बनाए हैं। इस तरह से इंग्लैंड ने अभी तक 119 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। पिच से चौथे दिन ही स्पिनरों को मदद मिल रही है जो इंग्लैंड के लिए सकारात्मक संकेत है क्योंकि उसकी टीम में तीन स्पिनर हैं। बेथेल ने बेन डकेट (42) के साथ 81 रन, जो रूट (06) के साथ 32, हैरी ब्रूक (42) के साथ 102 और जेमी स्मिथ (26) के साथ 45 रन की साझेदारियां की। ऑस्ट्रेलिया पहले तीन मैच जीत कर एशेज अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा लेकिन चौथे मैच में जीत दर्ज करने वाला इंग्लैंड श्रृंखला में हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, ''यह उपलब्धि मेरे लिए खास है। मेरा परिवार यहां आया हुआ है और ऐसे में शतक लगाना बेहद खास बन गया है।'' बेथेल ने एक छोर से विकेट गिरने के बावजूद अपने धैर्य और कौशल का अच्छा नमूना पेश किया। ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर तीन विकेट) ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अप्रत्याशित स्टार के रूप में उभरे।

ऑस्ट्रेलिया इस मैच में विशेषज्ञ स्पिनर के साथ नहीं उतरा है। इससे इंग्लैंड का खेमा थोड़ा खुश होगा क्योंकि उसके पास स्पिन विकल्पों के रूप में बेथेल, विल जैक्स और रूट मौजूद हैं। पिच से स्पिनरों को मदद को मिल रही है।

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को आउट करने के बाद जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

सिडनी टेस्ट - चौथा दिन

- **इंग्लैंड के पास कुल 119 रनों की हुई बढ़त, दूसरी पारी में अभी दो विकेट शेष**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी जारी)	302/8

सिंधु और सात्विक-चिराग ने की जीत से शुरुआत

मलेशिया ओपन : चोट से उबरने के बाद पीवी की जबरदस्त वापसी

कुआलालंपुर, एजेंसी

चोटिल होने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ने नए सत्र की जीत से शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में अपने-अपने वर्ग में अगले दौर में प्रवेश किया।

पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थी। उन्होंने वापसी पर अच्छा खेल दिखाया तथा 51 मिनट तक चले महिला एकल के मुकाबले में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हराया। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर बाहर हो गई। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इंडोनेशिया की फेब्रिआना द्विपुजी कुसुमा और मेइलिसा ट्रायस पुष्पितासारी के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें 66 मिनट के मुकाबले में 9-21 23-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। पांडा बहनें रुतुपर्णा और श्वेतपर्णा भी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से एकतरफा मुकाबले में 11-21 9-21 से हार गईं। रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी भी चीन के जियांग जेन बैंग और वेई या शिन से 10-21 17-21 से हारकर बाहर हो गई। वहीं आशिथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश कीयुवा मिश्रित जोड़ी तथा कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की महिलाओं की जोड़ी भी पहले दौर में हार गईं। विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने सहज खेल दिखाया और सुंग को दूसरी बार हराकर उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी जब 21-19, 1-2 से आगे चल रही थी, तब दक्षिण कोरिया की उनकी प्रतिद्वंदी सिम यू जिन चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई थी जिससे जापान की खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही। सिंधू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में ही बढ़त हासिल कर ली थी।

बॉल के लिए मुकाबला करतीं श्राची बंगाल टाइगर्स (नारंगी ड्रेस) और जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की खिलाड़ीं। एजेंसी

जीत के साथ विदा ली सूरमा ने

रांची, एजेंसी

महिला हॉकी लीग

जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब ने महिला हॉकी लीग के अपने आखिरी मैच में बुधवार को श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से हराया। बंगाल की टीम फाइनल में पहुंच चुकी है जबकि सूरमा दौड़ से बाहर है।

सूरमा के लिए ओलिविया शैनोन ने चौथे ही मिनट में मौका बनाया, लेकिन गोल नहीं हो सका। कप्तान सलीमा टेटे ने इसके बाद करीब से शॉट लगाया जो गोलकीपर के ऊपर से निकल गया। सूरमा ने आखिर में दसवें मिनट में बढत बनाई जब सोनम ने पहला गोल दागा। सूरमा को पहला पेनल्टी कॉर्नर 26वें मिनट में मिला और लगातार दूसरा पेनल्टी कॉर्नर भी अर्जित किया लेकिन गोल नहीं हो सका। हाफटाइम तक सूरमा के पास एक गोल की बढत थी। तीसरे क्वार्टर में विक्टोरिया मैनुएले ने पेनल्टी कॉर्नर बनाया, लेकिन गोल नहीं हो सका। लीग में सर्वाधिक गोल कर चुकी आगस्टिना गोर्जेलानी ने आखिर में बराबरी का गोल दागा। चौथे क्वार्टर के 21 सेकंड के भीतर ही सूरमा को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल में तब्दील नहीं हो सका। फिर 49वें मिनट में वैष्णवी ने गोल करके सूरमा को 2-1 से बढत दिलाई। सूरमा के लिये 53वें मिनट में मारियो ग्रानाटो ने तीसरा गोल किया और स्कोर 3-1 कर दिया। टाइगर्स के लिये 59वें मिनट में लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिये दूसरा गोल किया।

सूर्यवंशी व जॉर्ज के शतक से भारत ने किया क्लीन स्वीप

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

अंडर-19 सीरीज

- **तीसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रनों से हराया**

वैभव सूर्यवंशी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सैकड़ा जड़ा जबकि आरोन जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने तीसरे युवा वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज क्लीन स्वीप कर ली।

कप्तान सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद एक बार फिर छक्कों की बरसता करते हुए 74 गेंद में 127 रन बनाए जिसमें 10 छक्के और नौ चौके शामिल थे।

बिहार के इस 14 साल के खिलाड़ी ने पिछले मैच में 24 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी। सूर्यवंशी को जॉर्ज का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 106 गेंद में 118 रन बनाए। इस तरह दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 227 रन की भागीदारी निभाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस तरह भारत ने सात विकेट पर 393 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जो दक्षिण अफ्रीका के लिए बहुत बड़ा लक्ष्य साबित हुआ और टीम 35 ओवर में 160 रन पर ऑल आउट हो गई।

मेजबान टीम के लिए नटांडो सोनी (61 रन देकर तीन विकेट) और जेसन रोल्स (59 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट लिए। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। किशन सिंह ने अपनी गेंदों से कहर बरपाते हुए शीर्ष क्रम में जोरिच वैन शाल्कविक (01), अदनान लागडियन (09) और लेथाबो फाहलामोहलाका (शून्य) को आउट कर दिया। किशन सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे।

वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

कोको गॉफ ने अमेरिका को सेमीफाइनल में पहुंचाया

पर्थ, एजेंसी

कोको गॉफ ने ग्रुप चरण के एक मैच में हार को पीछे छोड़कर बुधवार को यहां शानदार प्रदर्शन करके अपने एकल और युगल मैच जीते जिससे मौजूदा चैंपियन अमेरिका ने यूनान को 2-1 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने मारिया सकारी को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिका को 1-0 से बढ़त दिलाई। टेलर फ्रिट्ज हालांकि पुरुष एकल में स्टेफानोस सिटसिपास से वह 6-4, 7-5 से हार गए। गॉफ ने इसके बाद क्रिश्चियन हैरिसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल में सिटसिपास और सकारी को 4-6, 6-4, 10-8 से हराकर अमेरिका की सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की।

प्रेसवार्ता के दौरान मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा केइटली, कप्तान हरमनप्रीत कौर और मेंटर झूलन गोस्वामी। एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने भरी जीत की मानसिकता : कौर

मुंबई, एजेंसी

- **बोलीं- डब्ल्यूपीएल ने मेरे भीतर बदल दी सोच**

हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि महिला प्रीमियर लीग और उनकी टीम मुंबई इंडियंस ने उनके भीतर जीत की मानसिकता भरी जिसका इस्तेमाल उन्होंने भारतीय महिला टीम को वनडे विश्व कप जिताने में किया। डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को दो खिताब दिला चुकी हरमनप्रीत ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने प्रतिस्पर्धा में अलग सोच के साथ उतरने में उनकी मदद की।

उन्होंने मुंबई इंडियंस द्वारा आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा मेरा मानना है कि मैं जहां भी जाती हूं, जीत के बारे में ही सोचती हूं क्योंकि भागीदारी तो हम बरसों से कर रहे हैं । लेकिन जीत की सोच के साथ उतरने और उस दिशा में काम करने से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। डब्ल्यूपीएल ने मेरे भीतर बहुत कुछ बदला है खासकर सोच बदली है। हरमनप्रीत ने कहा मुंबई इंडियंस बरसों से आईपीएल खिताब जीत रही है और इस टीम से जुड़ने के बाद मेरे भीतर भी जीत की वही मानसिकता आई। मुंबई टीम की नई कोच लीसा नाइटले ने कहा कि भारत के घरेलू क्रिकेटरों को अच्छी स्पर्धा मिल रही है जिसका असर उनके प्रदर्शन पर देखने को मिल रहा है।

बतौर कप्तान कौर का रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल : झूलन

मुंबई। भारत की महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का मानना है कि महिला वनडे विश्व कप और दो डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की कप्तानी का रिकॉर्ड टूटना मुश्किल है और वह अगले चार पांच साल और खेल सकती है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप जीता लेकिन इससे पहले वह अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को डब्ल्यूपीएल खिताब दिला चुकी हैं।

मुंबई की गेंदबाजी कोच और मेंटोर झूलन ने पीटीआई से कहा उसने भारतीय क्रिकेट और मुंबई इंडियंस के लिये जो किया है, वह अद्भुत है। मुझे नहीं लगता कि निकट भविष्य में कोई उसका रिकॉर्ड तोड़ सकता है। वह विश्व कप विजेता पहली भारतीय महिला कप्तान है और दो डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीत चुकी है। उम्मीद है कि आगे और भी जीतेगी।

फैसला

1500 मी के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक करियर को विराम देकर करेंगे नई शुरुआत

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता जॉनसन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और भारतीय धावक जिन्सन जॉनसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि 15 वर्षों के करियर के बाद अब कुछ नया करने का समय आ गया है।

जॉनसन ने इंस्टाग्राम पर लिखा सपने देखने वाले लड़के की यात्रा कोलकाता से शुरू हुई और 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद, एथलेटिक्स। इस एथलीट ने लिखा कुछ यात्राएं मीटर और सेकेंड में मापी जाती हैं। कुछ आंसुओं, बलिदानों, आस्था और उन लोगों से देखी जाती हैं जो आपको कभी गिरने नहीं देते।

जॉनसन ने 2018 में गुवाहाटी में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप के दौरान एक मिनट 45.65 सेकेंड का समय निकालकर महान एथलीट श्रीराम सिंह का 42 साल पुराना पुरुषों का 800 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। हालांकि यह रिकॉर्ड 2025 में मोहम्मद अफसल ने तोड़ दिया। गोल्ड कोस्ट 2018 राष्ट्रमंडल खेलों (ऑस्ट्रेलिया) में जॉनसन ने तीन मिनट 37.86 सेकेंड का समय निकालकर बहादुर प्रसाद का 23 साल पुराना 1500 मीटर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि वे फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे थे। इसके बाद उन्होंने अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में दो बार और सुधार किया जिसमें 2019 में बर्लिन मीट में बनाया गया 3:35.24 सेकेंड का समय उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

उन्होंने कहा दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना और भारतीय एथलेटिक्स में योगदान देना मेरे जीवन के सबसे गौरवशाली पलों में से एक रहेगा। जॉनसन ने कहा मुझे ओलंपिक खेलों, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिला।

ये यात्रा सिर्फ मेरी नहीं थी। पर्दे के पीछे अथक मेहनत करने वाले सभी लोगों का दिल से धन्यवाद जो अकसर दिखाई नहीं देते, लेकिन हमेशा महसूस होते हैं। हर दिन मुझे आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद। जॉनसन ने कहा आपने दर्द को प्रगति में और संघर्ष को ताकत में बदला। आपके बिना मैं वह एथलीट नहीं बन पाता जो आज हूं।

-जिन्सन जॉनसन

उपलब्धियां

केरल के इस 34 वर्षीय एथलीट ने कहा कि उनका सफर 'मुश्किल ट्रेनिंग, संघर्षों और दर्दनाक चोटों' से भरा रहा। जॉनसन ने अक्टूबर 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ क्षण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 1500 मीटर में तीन मिनट 44.72 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीतना रहा। इन्हीं खेलों में उन्होंने 800 मीटर में रजत पदक भी जीता था।